रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 156 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹ 12 हजार

18 से 20
वर्ष की बहन-बेटियों
को भी योजना से लाभ

लुगु बुरु घंटाबाड़ी धोरोम गाढ़
की पवित्र भूमि लंलपनिया से

करम पर्व
की पूर्व संध्या पर लाखों बहनों को
खुशियों का उपहार

48,15,048 बहनों
का योजना के तहत
हुआ निबंधन

45,36,597 बहनें
सम्मान राशि से
अबतक आच्छादित

हर महीने की
15 तारीख तक
हर बहन के खाते में
पहुँचेगी सम्मान राशि

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) की

दूसरी किस्त
का होगा हस्तांतरण

13 सितंबर, 2024 | अपराह्न 12:30 बजे से
ललपनिया फुटबॉल मैदान, गोमिया, बोकारो

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

एनडीए की दो सबसे बड़ी पार्टी की नीतियों में राहें जुदा-जुदा

आजसू ने 1985 छोड़ दिया या भाजपा ने 1932 स्वीकार कर लिया!

दिल्ली में आजसू कार्यकर्ता (फाईल फोटो).

2013 में दिल्ली के लिए कार्यकर्ताओं को रवाना करते सुदेश महतो (फाईल फोटो).

ब्यूरो प्रमुख । रांची

विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, एनडीए के दो महत्वपूर्ण घटक भाजपा और आजसू के बीच मुद्दों को लेकर गंभीर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है. भाजपा इस बात को नहीं भूल पायी है कि वर्ष 2014 का चुनाव गठबंधन के तहत लड़ा गया था. भाजपा-आजसू की सरकार बनी थी. लेकिन पांच सालों तक आजसू विपक्ष की भूमिका में चली गयी थी. सरकार बनने के कुछ दिन बाद ही आजसू 1985 के मुद्दों पर आ गयी थी. "जन की बात" नाम से पूरे राज्य में अभियान चलाया था, जिसमें आजसू प्रमुख सुदेश महतो शामिल होते थे और उनका लहजा आक्रामक हुआ करता था. 10 लाख पोस्टकार्ड तब के मुख्यमंत्री रघुवर दास को भेजा गया था. 10 साल बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या आजसू ने 1985 के मुद्दे को छोड़ दिया है. सवाल उठने लगा है कि आजसू इस चुनाव में 1985 की नीतियों को छोड़ कर आगे बढ़ेगी या भाजपा ने उसे स्वीकार कर लिया है.

रघुवर सरकार के समय आजसू ने चलाया था "जन की बात" कार्यक्रम

जातीय जनगणना : इस मुद्दे पर भाजपा और आजसू की राहें जुदा-जुदा रहे हैं. आजसू प्रमुख जातीय जनगणना को लेकर न सिर्फ सहमत रहे हैं, बल्कि पार्टी के अधिवेशन में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा चुके हैं. यही हाल भोजपुरी, मगही, अंगिका जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर है. आजसू इन भाषओं को क्षेत्रीय भाषा से हटाने की मांग करती रही है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा की कोई बातचीत इन दोनों मुद्दों पर हुई है या फिर चुनाव के बाद 2014 वाली स्थिति ही देखने को मिलेगी.

1932 का खतियान व कुरमी मुद्दा : झारखंड के कुरमी शिडयूल ट्राईब (एसटी) में शामिल करने की मांग करते रहे हैं. आजसू भी यही मांग करती रही है. क्या भाजपा ने इस पर अपनी सहमति जता दी है. बात 1932 के खतियान वाले मुद्दे की करें, तो 30 अप्रैल 2023 को हरमू मैदान में आयोजित सभा में सुदेश महतो ने कहा था- हेमंत सोरेन की सरकार ने कहा था कि वह 1932 का खतियान लागू करेगी, लेकिन गलती से 2023 का खतियान लागू कर दिया. वह जनता के पास जाएंगे और इस मामले में सरकार की नियत के बारे में बताएंगे. सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक लंबोदर महतो ने भी इस मुद्दे पर सरकार को खरी-खोटी सुनायी थी. लंबोदर महतो हर सत्र में इसी मुद्दे की तख्ती लेकर विधानसभा के बाहर बैठते हैं. इस मामले में भी भाजपा की नीति बिल्कुल विपरित है. सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों में कुछ बात हो गई है.

वृहद झारखंड

पिछले साल पार्टी के महाधिवेशन में आजसू ने इस बात पर गंभीर चर्चा की थी कि आखिर झारखंड राज्य बना क्यों? क्यों जरूरी था और बना तो क्या उद्देश्यों की पूर्ति हुई ? महाधिवेशन में पार्टी के मुख्य प्रशिक्षक संजय बसु मल्लिक ने कहा था- झारखंड आंदोलन 1938 में शुरू हुआ, 1950 में इस नाम से पहली पार्टी बनी और आंदोलन जारी रहा. तो क्या अब आंदोलन खत्म हो गया है. मैं समझता हूं कि झारखंड न तो मिला है और न ही झारखंड आंदोलन खत्म हुआ है. आंदोलनकारियों व शहीदों ने जो सपना देखा था, वह पूरा नहीं हुआ है. बिहार से लेकर झारखंड अलग बना, लेकिन पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में झारखंड का जो हिस्सा है, वह अभी भी छूटा हुआ है. इसलिए आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है. क्या झारखंड को लेकर भाजपा भी इसी तरह सोंचती है या आगे भी सोचेगी.

विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी थी

नवंबर 2013 में आजसू के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे थे. सुदेश महतो नेतृत्व कर रहे थे. उनकी मांग झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की थी. बीबीसी से बात करते हुए सुदेश महतो ने कहा था- देश का 40 प्रतिशत खनिज झारखंड में है. लेकिन विकास के पैमाने पर राज्य लगातार पिछड़ रहा है. लिहाजा विशेष राज्य का दर्जा मिलने पर ही झारखंड का नवनिर्माण हो सकेगा. विशेष राज्य के आंदोलन में भाग लेने के लिए विशेष ट्रेन की भी व्यवस्था की गई थी. 16 नवंबर को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुदेश महतो के नेतृत्व में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी से मिलकर मांग पत्र सौंपा था, जबकि यह बात जगजाहिर है कि भाजपा इस तरह की मांगों को लगातार खारिज करती रही है.

1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने की मांग वाली तख्ती के साथ आजसू विधायक लंबोदर महतो (फाईल फोटो)

ई हैं जल के ईश्वर, मामा जी भी हैं, फिर से टिकट ला लार चुवाइले हैं

संजय सिंह

ई जल के ईश्वर हैं. माई-बाबू ने इहे नाम रख दीहिन था. वईसे ई नेताजी को मामा का नाम से भी लोग जानते हैं. मामा जी धन से आबाद कोइला नगरी में राजनीति चमकाइले रहे हैं. कोइला नगरिया में एगो इलाका है, जहां सुने हैं लोग-बाग ने बाघवे को मार डाला था, तो ओकरे पर नाम पड़ गया -माराबाघ. ई विधानसभा क्षेत्र भी है. यहां काला-काला कोईलवा का करिया-करिया धंधवा खूबे फलता -फूलता रहा है.यहां नेतई कोइला के काला करोबार करेला या काला कारोबारी के संरक्षण देवे ला होता है. कोइलवा में ढेरे माल है, सो नेताजी लोगन के बहार है. यहीं पर मामा पहिले तीर चलाइले थे. तीर में निशाना साधे तो लाल बत्तिया वाला जमाना में लाल बत्तियो का मजा मार लिहिन. लोगन को पानी पिलावे वाला विभाग मिलल था, तो नेताजी अईसन पानी पिलाए कि पूछिए मत. पानियो पिलाए में पूरा खेल करवा दीहिन. ढेरे गड़बड़झाला हुआ था, खूबे हंगामा बरपा था. लेकिन खैर...बीती ताहि बिसार दें. एकरा बाद तो दु-दु दफा तीर लेकर घूमते रहे , लेकिन निशाना लगबे न किया. बेचारे हबकुनिए फेंका गए. बुरी तरह से चोटिल हुए. अईसन चोटिल हुए कि बेचारे के मुंह से बकारे न निकल रहा था. जो वोटबैंकवा पर भरोसा था, ऊ लोग तो अइनसन गच्चा दीहिस कि पूछिए मत.जब अपनी जातिवाला लोग ही मुंह फेर लिया, तो बेचारे के मुंहवे लटक गया. वोटबैंकवा झटकेवाला मालदार नेताजी के आगे तीरवा निशाना पर लगिए न रहा था. तो मामा जी हांफे लगे. और सबसे मजेदार तो ई है कि जो मालदार भगिना इनको मामा-मामा कह कर पुकारता था, उसी ने दु-दु पटकनिया दे दी. अब तो मामा जेने-तेने मौका तलाशे लगे. कहे लगे कि भाई अब ई पार्टिया के तीर निशाना पर न लगे वाला है. एकर तो गुलिश्ते बरबाद है. जब गुलिश्ते बरबाद है, को दूसर घर तो खोजे ही पड़ेगा न. जल के ईश्वर मामा जी दु-दु बेर हबकुनिए फेंकाए, तो पूरा हांफले थे. ढेरे माल भी हथवा से निकल गया, तो सांस उखड़े लगा. लगा कि दमा हो गिया है. मामा जी घर खोजे लगे. आखिर मामा जी के पंजा धरे के चांस मिलिए गया. दिल्लीए दरबार के सेट कर लीहिन मामा जी और पंजा थामले लौट गए. मामाजी पंजा लेले पूरे मारा बाघ इलाके में भागे-दउड़े लगे. लोग के बतावे लगे... कहे लगे- भाई आपसब लोग तो अपने जाति के हैं, अबकी पंजा लड़ावेला लाए हैं. साल भर मामा जी खूब पसीना बहाए. लेकिन भगीनवा हंफाइल रखा. वइसे ई नेताजी धरती से भी जुड़ल रहे हैं. लोगबाग को कबी सिनेमो देखाया करते थे. हॉल वे काम करते थे. लेकिन केतनो जमीन से जुड़ल रहे, भगीना ई ईश्वर जी को जल यानी पानी पिलाइले रहा. बेचारे तिसरका दफा पंजा लेकर घूमले थे, लेकिन फिर से फेंका गए. पंजा लेले-देले औंधे मुंह छितराइल रहे. इनको भी अपना जातिवाला भाई लोग पर भरोसा था, लेकिन बेचारे पइसवा में कमजोर पड़ गए, तो सभी लोग मिल कर अईसन गच्चा दिया कि पूछिए मत. वईसे मामा को इलाके के लोग घमंडिया भी बताते हैं. स्वजातीय लोग कहते हैं कि मामा ढेरे टेढ़ियाते भी हैं, तो हमलोग भी समय आने पर इनको धकिया देते हैं. का करें, जइसन को तइसा जवाब तो देवेही पड़ेगा ना. मामा के बारे में बताया जाता है कि ई 70 पारवाले आयुष्मान लाभार्थी की श्रेणी में आ गए. भगीना महोदय विधानसभा चुनाव में इनको पटकते-पटकते दिल्ली दरबार पहुंच गए हैं. धन से आबाद सीट फतह कर दिल्ली पहुंचे हैं. अब ऊ श्रीमान अपना पत्नी-बेटा के अपन राजनीति विरासत सौंपे ला तइयार बइठल हैं. इधर मामा जी भी कम बेचैन न हैं. मामा जी तीन-तीन दफा चुनाव हारे के बाद भी खुद ही टिकट ला लार चुवाइले हैं. मामा को भरोसा है कि भगीनवा दिल्ली चल गया है, तो उनका जातियावाला लोग अबकी उनको मौका दे सकता है. मामा जी को पूरा भरोसा है कि बाघ मारेवाला लोग वंशवाद को रिजेक्ट कर देगा.अब देखिए मामा को पंजा लड़ावे का मौका मिलता है कि न मिलता, काहे कि ईहा उनको एगो पुरनका पंजावाले नेताजी के बेटाजी भी रह-कह कर चिढ़ा रहिन हैं. ई लाला जी कम चतुर-चालाक न हैं. अभिए से घूम-घूम कर कहले हैं, मामा तो गियो. तीन-तीन बार चुनाव में ठोका-पिटा गए हैं, अब तो मामा गियो. अब तो युवा को ही मौका मिलेगा. बेचारे मामा जी के अपनी ही पार्टियावाला भी हंफाईले है.आगे-आगे देखिए होता है क्या. पंजा लपके में मामा जी की जय-जय होती है या लाला जी की लालागीरी चलती है...

चुनावी चकल्लस

सिपाही-हवलदार की प्रोन्नति के मामले को लेकर अगले सप्ताह बैठक

रांची। सिपाही और हवलदार को एएसआई रैंक में प्रोन्नति मिलेगी. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एएसआई रैंक में प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों का सर्विस बुक तैयार रखने का निर्देश दिया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि इन पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति के लिए प्रोन्नति समिति की बैठक अगले सप्ताह होने की संभावना है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि सितंबर-2021 से पूर्व का प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्यवाही के लिए विधारधीन मामले, कोई गंभीर प्रकृति का आरोप, न्यायिक मामला और आपराधिक मामले को छोड़कर अन्य सामान्य आरोप हो, जिसका निराकरण अबतक नहीं किया गया है, तो वैसे मामलों में संबंधित एसपी व डीआईजी मामले का पुर्नसमीक्षा करेंगे और पांच दिनों के अंदर निष्पादन कर लिये गये निर्णय की वस्तुस्थिति से पुलिस मुख्यालय को अवगत करायेंगे.

एससी/एसटी केस पर जवाब के लिए मांगा वक्त

रांची। ईडी के अधिकारियों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा एससी और एसटी एक्ट के तहत दर्ज करवाए गए मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट में अब 15 अक्तूबर को सुनवाई होगी. गुरुवार को राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है. दरअसल 31 जनवरी को ईडी द्वारा गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले झारखंड के तत्कालीन सीएम की ओर से रांची के एससी, एसटी थाने में ईडी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाया था. जिसकी जांच फिलहाल रांची पुलिस कर रही है. रांची पुलिस ने सीआरपीसी-41ए के तहत ईडी के सहायक निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा, अनुपम कुमार और एक अन्य अधिकारी समेत ईडी अधिकारियों को नोटिस भेजा था. हालांकि झारखंड हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी थी. हाईकोर्ट से ईडी के सभी अधिकारियों को राहत मिली हुई है.

आठ माह में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की हुई कोशिश

झारखंड में हर माह होती है सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड में हर महीने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश होती है. इस साल अब तक यानी आठ महीने में राज्य के अलग-अलग जिले में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी. हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखायी और माहौल को शांत कराने में सफलता हासिल की. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट की मानें तो हाल के कुछ वर्षों में कम संवेदनशील त्योहारों (सरस्वती पूजा, गणेश पूजा, मिलाद उन नबी) में भी विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है. झारखंड के जो क्षेत्र पहले सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील नहीं थे, अब वहां भी पर्व-त्यौहारों में अशांति का माहौल देखा जा रहा है.

जानें कब-कब सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी

09 सितंबर : धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र के बाबू डंगाल सीएमडब्लूओ कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में मांस का टुकड़ा मिलने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गयी थी.

18 जून : पलामू के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र स्थित नौडीहा बहेरा में गौशाला में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिलने के बाद माहौल बिगड़ गया था.

17 जून : पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्टानगर के ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया था. दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि मारपीट की नौबत आ गयी थी. इसके बाद दोनों गुटों में पथराव के साथ-साथ बमबाजी भी हुई थी.

17 जून : बोकारो जिले में एक हादसे में दो मवेशियों की मौत के बाद अलग-अलग पक्षों से जुड़े लोग आमने-सामने हो गये थे. इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव भी हुआ था. इस झड़प और पथराव में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

16 फरवरी : रांची के नगड़ी में मूर्ति विसर्जन करने जा रहे जुलूस पर पथराव किया गया. जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी थी.

21 जनवरी : धनबाद में भगवा झंडा लगाने को लेकर दो समूहों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी की घटना हुई.

08 जनवरी : रांची बरियातू में असामाजिक तत्वों ने देवी-देवताओं की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गये थे.

तकनीकी रूप से दक्ष बनाए जाएंगे झारखंड के विद्यार्थी

- मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के लिए सात करोड़ की स्वीकृति
- डिप्लोमा के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष मिलेंगे 15 हजार रुपये

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य सरकार अब विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष करेगी. सरकार ने मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के तहत सात करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है. उच्च शिक्षा विभाग ने यह स्वीकृति वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दी है. जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार राज्य में तकनीकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने एवं सर्वांगीण विकास के लिए दृढ संकल्पित है. राज्य में तकनीकी शिक्षण संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों में छात्राओं का अनुपात काफी कम है. तकनीकी शिक्षण संस्थानों में राज्य के छात्राओं को नामांकन के प्रति जागरूक करने, आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक सहायता प्रदान करने के उदेश्य से इस योजना का क्रियान्यन किया जा रहा है.

किसे मिलेगा योजना का लाभ

योजना के तहत झारखंड सरकार डिप्लोमा के छात्रों को प्रतिवर्ष 15 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी. 10वीं और 12वीं पास छात्रों को सरकार 30 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी. इस योजना के तहत राज्य सरकार 4200 विद्यार्थियों को लाभ प्रदान करेगी. इस योजना के लाभ लेने के लिए झारखंड का मूल निवासी होना अनिवार्य है. साथ ही परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपए से कम होनी चाहिए. छात्रवृति का लाभ बीटेक कर रही छात्राओं को भी दिया जाएगा.

कोर्ट की खबरें

बहस पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

सहायक आचार्य नियुक्ति केस

संवाददाता । रांची/दिल्ली

झारखंड टेट (जेटीईटी) पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थी को शामिल करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. बुधवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी, जिसके बाद गुरुवार को सीटीईटी की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बहस की. सभी पक्षों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई की. प्रार्थियों की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के सीनियर अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट में पक्ष रखा. दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं. जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के याचिका दाखिल की गई है.

मंत्री इरफान को हाईकोर्ट से झटका

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दुमका सिविल कोर्ट द्वारा चार्ज फ्रेम किये जाने को चुनौती दी थी. याचिका खारिज होने के बाद अब ट्रायल कोर्ट इस मामले की सुनवाई शुरू करेगा. इरफान अंसारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार राय की कोर्ट में सुनवाई हुई. इरफान अंसारी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की. दरअसल साल 2018 में दुष्कर्म की शिकार हुई एक बच्ची की फोटो अस्पताल से वायरल होने के मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लिया था. इस मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ जामताड़ा थाना में केस दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि विधायक इरफान अंसारी के मोबाइल से बच्ची का फोटो वायरल हुआ. दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है. दुमका सिविल कोर्ट ने 21 दिसंबर 2022 में इरफान अंसारी के खिलाफ चार्जफ्रेम किया था.

नगर निगम-निकाय चुनाव : सिंगल बेंच का फैसला बरकरार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो के मामले में सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है. 28 अगस्त को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में हुई. सिंगल बेंच ने रौशनी खलखो की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया था, जिसे डबल बेंच ने बरकरार रखा है.

पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन 18 को चतरा में

संवाददाता । रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन-पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन चतरा के गॉडफ्रे स्कूल कैंपस में 18 सितंबर को होगा. इसका उद्घाटन झारखंड के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे रहेंगे. पासवा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सात जिलों के प्रतिनिधि सहित राज्य के अन्य जिलों से पासवा पदाधिकारीगण इसमें सम्मिलित होंगे. सम्मेलन में झारखंड में निजी विद्यालयों की समस्या एवं उसके समाधान के प्रयास पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा. गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू, राष्ट्रपति अवार्डी सह प्रदेश महासचिव पासवा फलक फातिमा व शिक्षाविद रश्मि प्रकाश मौजूद रहेंगे. प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी चतरा पासवा करेगा. कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सातों जिले हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह, चतरा के प्रतिनिधिगण सम्मिलित होंगे. इसकी जानकारी पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने दी.

क्लासिफाइड

ट्रांसफर-पोस्टिंग | मनमोहन कुमार बने रांची एरिया बोर्ड के नए महाप्रबंधक

जेबीवीएनएल रांची जीएम पीके श्रीवास्तव समेत 16 अफसरों का तबादला

- डीनए साहू बने रांची के नए एसई

विशेष संवाददाता । रांची

जेबीवीएनएल के रांची एरिया बोर्ड जीएम (महाप्रबंधक) पीके श्रीवास्तव समेत 16 बिजली अफसरों का तबादला कर दिया गया है. पीके श्रीवास्तव का तबादला निगम मुख्यालय में महाप्रबंधक (सेल एंड प्रचेज) में कर दिया गया है. वहीं जमशेदपुर एरिया बोर्ड के जीएम श्रवण कुमार को महाप्रबंधक एपीटी निगम मुख्यालय, धनजंय कुमार महाप्रबंधक एपीटी को निगम मुख्यालय में जीएम आईटी और निगम मुख्यालय के महाप्रबंधक तकनीकी सुनील कुमार को जीएम

मेदिनीनगर एरिया बोर्ड के पद पर पदास्थापित किया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है.

मनमोहन कुमार बने रांची जीएम : जीएम के अलावा कई डिप्टी जीएम का भी तबादला किया गया है. जारी अधिसूचना के अनुसार, उपमहाप्रबंधक डालटेनगंज मनमोहन कुमार को उप महाप्रबंधक रांची के अतिरिक्त रांची एरिया बोर्ड के जीएम का प्रभार दिया गया है. वहीं अजीत कुमार (सेल प्रचेज) निगम मुख्यालय को जमशेदपुर एरिया बोर्ड का उपमहाप्रबंधक राजस्व के अतिरिक्त जमशेदपुर एरिया बोर्ड का जीएम का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. दीपक कुमार जमशेदपुर अंचल को उपमहाप्रबंधक निगम मुख्यालय (एसओएंडडब्लू) बनाया गया है. इन्हें महाप्रबंधक तकनीकी निगम मुख्यालय का भी अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. जेबीवीएनएल के प्रभारी जीएम आईटी और उपमप्रबंधक स्टोर एवं टीआरडब्लू संजय सिंह को उप महाप्रबंधक पावर प्रचेज निगम मुख्यालय के अतिरिक्त महाप्रबंधक तकनीकी मुख्यालय बनाया गया है.

आठ एसई का तबादला, रांची एसई डीके सिंह चास गयेः उप महाप्रबंधक चास डीएन साहू को रांची बिजली आपूर्ति सर्किल, विभा कुमारी को राजस्व रांची को प्लानिंग मुख्यालय, गिरिडीह सर्किल के विनय कुमार सिन्हा को कोडरमा सर्किल, रांची सर्किल के दिनेश कुमार सिंह को चास सर्किल, कोडरमा सर्किल के सुधांशु को टीआरडब्लू रांची, सुधीर कुमार को निगम मुख्यालय से जमशेदपुर सर्किल, मुकुल कुमार को हजारीबाग से रामगढ़ सर्किल और संतोष कुमार सिन्हा को रामगढ़ से हजारीबाग सर्किल में तबादला कर दिया गया है.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 156 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जन्म 12 अगस्त 1952

मृत्यु 12 सितंबर 2024

माकपा महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे

- 72 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस
- येचुरी का पार्थिव शव एम्स को किया जाएगा डोनेट

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी का गुरुवार को निधन हो गया. येचुरी 72 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे. उन्होंने गुरुवार को दिल्ली एम्स में आखिरी सांस ली. सीताराम येचुरी को दिल्ली एम्स के आईसीयू में एडमिट किया गया था, यहां उनका श्वसन तंत्र में संक्रमण का इलाज चल रहा था. येचुरी पिछले कुछ दिनों से रेस्पिरेटरी सपोर्ट पर थे, डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी. येचुरी ने 2015 में प्रकाश करात की जगह माकपा महासचिव का पद संभाला था. सीताराम येचुरी को 19 अगस्त को एम्स दिल्ली एम्स इमरजेंसी वार्ड में एडमिट किया गया था. येचुरी के निधन के बाद पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया है. पार्टी ने इस मौके पर एक्स पर पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और एम्स के डॉक्टरों के प्रति आभार जताया है. एम्स ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि 72 वर्षीय सीताराम येचुरी को निमोनिया के साथ 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर को दोपहर 3:05 बजे उनका निधन हो गया. येचुरी के परिवार ने उनकी बॉडी को शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स दिल्ली को डोनेट कर दिया है. एम्स के मुताबिक फेफड़ों में संक्रमण और मल्टी ऑर्गन फेलियोर के चलते उनका निधन हुआ है.

राहुल गांधी व ममता बनर्जी ने जताया दुख

सीताराम येचुरी के निधन पर राहुल गांधी ने दुख जताया है. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, सीताराम येचुरी जी दोस्त थे. उन्हें भारत की गहरी समझ थी और वे भारत की विचारधारा के रक्षक थे. मैं उनके साथ लंबी बातचीत को मिस करूंगा. उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी येचुरी के निधन पर दुख जताया है. उन्होंने लिखा, येचुरी के निधन की खबर सुन कर दुख हुआ. उनका निधन देश की राजनीति को बड़ा नुकसान है. मैं उनके परिवार, दोस्तों और करीबियों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं.

कौन थे सीताराम येचुरी

सीताराम येचुरी का जन्म 12 अगस्त 1952 को मद्रास (चेन्नई) में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था. उनके पिता सर्वेश्वर सोमयाजुला येचुरी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में इंजीनियर थे. उनकी मां कल्पकम येचुरी एक सरकारी अधिकारी थीं. वे हैदराबाद में पले-बढ़े और 10वीं कक्षा तक हैदराबाद के ऑल सेंट्स हाई स्कूल में पढ़ाई की. येचुरी ने प्रेसिडेंट्स एस्टेट स्कूल, दिल्ली में दाखिला लिया और 12वीं की परीक्षा में अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल की. इसके बाद उन्होंने सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स) की पढ़ाई की और फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए अर्थशास्त्र किया. इमरजेंसी के समय जेएनयू में छात्र रहते उन्हें गिरफ्तार किया गया था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,600
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

लालू प्रसाद की मुंबई में एंजियोप्लास्टी

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की हार्ट में दिक्कत के बाद मुंबई के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई है. 76 साल के लालू को दो दिन पहले मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था. हार्ट में ब्लोकेज की समस्या के चलते डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी की सलाह दी. एंजियोप्लास्टी के बाद लालू की हालत स्थिर है. उन्हें एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी.

केजरीवाल की बेल पर सुप्रीम फैसला आज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुनाएगा. केजरीवाल ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सुप्रीम कोर्ट वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ शुक्रवार को अपना फैसला सुनाएगी.

शेयर बाजार ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

मुंबई। शेयर बाजार ने एक बार फिर इतिहास रचा है. बीएसई सेंसेक्स 1439.55 अंक उछल कर 82,962.71 अंक पर बंद हुआ. यह अब तक की सबसे बड़ी क्लोजिंग है. वहीं, ट्रेडिंग के दौरान सेंसेक्स 83116 अंक तक गया. यह सेंसेक्स का ऑल टाइम हाई है. एनएसई निफ्टी की बात करें तो 470.45 अंक चढ़ कर अब तक के उच्चतम स्तर 25,388.90 अंक पर बंद हुआ. बीएसई के 30 शेयरों की बात करें तो एनटीपीसी, एयरटेल, महिंद्रा एंडएं महिंद्रा के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़कर बंद हुए.

चीन से सुलझे 75% मुद्दे: विदेश मंत्री

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद पर कहा कि चीन के साथ समस्याओं में से 75 प्रतिशत का समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है. जेनेवा शहर में एक थिंक-टैंक में एक संवादात्मक सत्र में, जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों ने भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर हिंसा होने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं.

सीक्रेट मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गुरुवार की दोपहर 3.20 पर ओडिशा के तट से शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया. यह मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी है. नौसेना के जंगी जहाजों में इसे वर्टिकल लॉन्च सिस्टम में लगाया जाता है. इसलिए इसे वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल भी कहते हैं. लेकिन इसका इस्तेमाल जमीन से भी हो सकता है

बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्र ने हाईकोर्ट में दायर किया शपथपत्र, बताया

संथाल की डेमोग्राफी में 16% की गिरावट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले को लेकर जनहित याचिका पर केंद्र सरकार ने गुरुवार को हाईकोर्ट में शपथपत्र के जरिए अपना जवाब दाखिल कर दिया. इसमें बताया गया है कि संथाल प्रमंडल की डेमोग्राफी में आदिवासी आबादी की हिस्सेदारी में 16%की गिरावट आई है. यहां पहले आदिवासियों की आबादी 44% थी, जो घटकर 28% हो गई है. केंद्र सरकार ने आदिवासी आबादी में गिरावट के दो कारण बताए हैं. पहला, पलायन और दूसरा धर्मांतरण. केंद्र ने अपने जवाब में छह जिलों की डेमोग्राफी में विगत वर्षों में आए बदलाव को स्वीकार किया है. बताया है कि इन जिलों में मुस्लिम आबादी में 20 से 40% की वृद्धि हुई है. पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी बढ़ी है. ईसाइयों की संख्या में भी छह हजार गुना तक की वृद्धि हुई है.

यूआईडीएआई ने भी रखना अपना पक्ष : हाईकोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसी यूआईडीएआई ने भी मामले में अपना पक्ष दाखिल किया है, जिसमें यह बताया गया कि आधार से व्यक्ति विशेष की पहचान पूरी तरह संभव है, लेकिन यह किसी की नागरिकता का आधार नहीं हो सकता.

संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत : केंद्र ने संथाल की मौजूदा परिस्थितियों से अवगत कराते हुए कहा कि पिछले एक दशक में आदिवासियों की संख्या तेजी से घटी है. केंद्र ने कहा कि इसमें घुसपैठ ही नहीं धर्मांतरण और पलायन भी शामिल है. संथाल में राज्य सरकार ही संथाल परगना टेंडेंसी एक्ट (एसपीटी) का वायलेशन कर रही है. बाहर से आ रहे घुसपैठिओं को संरक्षण दिया जा रहा, ताकि वह यहां की जमीनों पर कब्जा कर सकें. बड़ी संख्या में गिफ्ट डीड के तहत जमीनों का हस्तांतरण हुआ है, जो दर्शाता है कि राज्य की सहमति के बगैर नहीं हो सकता. केंद्र ने स्थिति को देखते हुए संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत बताई. कहा, उनके पास घुसपैठियो के शिनाख्त और वापस भेजने की क्षमता है. पर इसके लिए एनआरसी का लागू होना बेहद जरूरी है. इसके साथ ही केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी में यह भी बताया गया है कि संथाल परगना इलाके में पिछले कुछ वर्षों में मदरसों की संख्या में भी काफ़ी इजाफा हुआ है. मदरसों में सबसे ज्यादा इजाफा सीमावर्ती साहिबगंज और पाकुड़ जिले में हुआ है.

केंद्र ने हलफनामे में क्या-क्या कहा

- संथाल में आदिवासी आबादी 44 से घट कर 28% हुई
- बढ़े मदरसे, मुस्लिमों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही एसपीटी एक्ट की ज़मीन
- संथाल परगना की डेमोग्राफी में 16 फीसदी की गिरावट
- आबादी घटने के दो कारण, पहला-पलायन, दूसरा धर्मांतरण
- इलाके में मुस्लिम आबादी 20 से 40 फीसदी तक बढ़ी
- पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा बढ़े मुस्लिम
- ईसाइयों की संख्या में छह हजार गुना की वृद्धि

मामले में अगली सुनवाई मंगलवार को : इस मामले में गुरुवार को तकनीकी कारणों से कोर्ट में विस्तृत सुनवाई नहीं हो पाई। यह मामला अगले मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है. बता दें कि इससे पहले 5 सितंबर को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है. इसकी वजह से इलाके की डेमोग्राफी प्रभावित हो रही है. इसी वजह से आदिवासी आबादी के प्रतिशत में गिरावट भी गंभीर विषय है. घुसपैठिए झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में घुसकर वहां की आबादी को प्रभावित कर सकते हैं.

दानियल दानिश ने दायर की है पीआईएल

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में यह जनहित याचिका जमशेदपुर निवासी दानियल दानिश ने दायर की है. याचिका में कहा गया है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं. इससे इन जिलों में जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसे स्थापित किए जा रहे हैं. स्थानीय आदिवासियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है. उनके अधिवक्ता ने राष्ट्रीय जनगणना के हवाले से हाईकोर्ट के समक्ष जो डाटा पेश किया है, उसके मुताबिक साल 1951 में संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत से घटकर साल 2011 में 28.11 प्रतिशत हो गई. इसके पीछे की एक बड़ी वजह बांग्लादेशी घुसपैठ है. अगर इस सिलसिले पर रोक नहीं लगाई गई, तो स्थिति गंभीर हो जाएगी.

सीजेआई के आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी गणेश भगवान की आरती करते हुए. पीएम मोदी ने खुद एक्स पर पोस्ट करके दी जानकारी. इस मौके पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी व पुरोहित भी मौजूद थे.

पीएम मोदी का गणेश पूजा के लिए सीजेआई के घर जाने पर सियासत

- प्रशांत भूषण, संजय राउत ने घेरा, तो संबित पात्रा ने किया पलटवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

देशभर में गणेश उत्सव की धूम है. इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के आवास पर पहुंचे. वहां उन्होंने गणपति बप्पा का दर्शन-पूजन किया. अब इस पर सियासत शुरू हो गई है. विवाद के बीच भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को लापरवाही भरा बताया. उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत पर निराधार आक्षेप लगाना एक खतरनाक मिसाल कायम करता है. पीएम मोदी के चीफ जस्टिस के आवास पर गणपति पूजन के लिए जाने पर वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सवाल उठाए. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर संविधान के संरक्षक राजनेताओं से मिलते हैं, तो लोगों के दिमाग में संदेह पैदा हो सकता है. इसके बाद पर भाजपा और शिवसेना सक्रिय हो गईं और एक-दूसरे पर पलटवार किया है.

भाजपा ने इसे लोकतंत्र की खूबसूरती करार दिया. पार्टी ने कहा कि अगर हमकों सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, तो इसमें गलत क्या है? क्या पीएम और सीजेआई एक-दूसरे मिल भी नहीं सकते. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि हमारा देश लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत चलता है. इस व्यवस्था में आपसी मेलजोल और सहयोग से ही देश आगे बढ़ता है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के एक स्तंभ के शीर्ष नेता के द्वारा दूसरे स्तंभ के शीर्ष व्यक्ति से सौहार्दपूर्ण माहौल में मिलना किसी भी तरह गलत नहीं है. उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान इफ्तार पार्टी आयोजित की जाती थी, इसमें तत्कालीन पूर्व चीफ जस्टिस शामिल भी होते थे. पात्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, दरअसल वे गणपति पूजा का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसी समय देश के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं.

पीएम मोदी ने खुद शेयर की तस्वीरें

पीएम मोदी ने चीफ जस्टिस के आवास पर जाकर गणपति के दर्शन-पूजन की तस्वीरें अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर कीं. चंद मिनटों में तस्वीरों को हजारों लाइक मिले. तस्वीरों में पीएम मोदी और सीजेआई चंद्रचूड़ के अलावा उनकी पत्नी कल्पना दास, पूजा-अर्चना कराने वाले पुरोहित-आचार्य भी मौजूद थे. पीएम को महाराष्ट्र में पहनी जाने वाली पारंपरिक टोपी वाली वेशभूषा में देखा गया.

आचार संहिता का है उल्लंघन: प्रशांत भूषण

सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने इस पर हैरानी जताई. उन्होंने एक्स पर लिखा, हैरत होती है कि सीजेआई ने मोदी को निजी मुलाकात के लिए अपने आवास पर आने की अनुमति दी. इससे न्यायपालिका को बहुत बुरा संकेत मिलता है, जिस पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि सरकार संविधान के दायरे में काम करे. इसलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूरी होनी चाहिए.

मन में होने लगा है संदेह: संजय राउत

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर पर गणपति पूजन के दौरान पीएम मोदी के पहुंचने पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने निशाना साधते हुए कहा, गणपति उत्सव में सब एक-दूसरे के घर जाते हैं. मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है कि पीएम अब तक कितने घरों में गए हैं. लेकिन पीएम मोदी का सीजेआई के घर जाना एक शंका पैदा कर रहा है.अगर संविधान का संरक्षक राजनेताओं से मिलता है, तो ये लोगों के मन में संदेह पैदा कर सकता है.

बीएल संतोष ने विरोधियों को दिया जवाब

पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने कहा कि हालांकि वामपंथी उदारवादियों ने चीफ जस्टिस के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम के शामिल होने पर रोना शुरू कर दिया है, लेकिन यह घुलना-मिलना (लोगों से) नहीं बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी. संतोष ने एक्स पर कहा, रोना शुरू हो गया... सभ्यता, सौहार्द, एकजुटता, देश की यात्रा में सहयात्री. सभी इन वामपंथी उदारवादियों के लिए अभिशाप हैं. इसके अलावा, यह कोई घुलना-मिलना नहीं था, बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी, जिसे पचाना बहुत मुश्किल है.

इंदौर में दो जवानों संग हिंसा, महिला साथी संग रेप पर राहुल ने पूछा

जिम्मेदारी से कब तक आंख चुराएंगे?

भोपाल। मध्य प्रदेश में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी के साथ दुष्कर्म मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा है. राहुल ने एक्स पर लिखा, एमपी में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी से दुष्कर्म पूरे समाज को शर्मसार करने के लिए काफी है. भाजपा शासित राज्यों की कानून व्यवस्था लगभग अस्तित्वहीन है और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भाजपा सरकार का रवैया अत्यंत चिंताजनक है. ये निर्भीकता प्रशासन की नाकामी का परिणाम है और इससे देश में पनपता असुरक्षित वातावरण भारत की बेटियों की स्वतंत्रता, उनकी आकांक्षाओं पर बंदिश है.

क्या है मामला: दो ट्रेनी आर्मी जवान दो महिला मित्रों के साथ पिकनिक के लिए निकले थे. तभी छह बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाया और लूटपाट की. बदमाशों ने 10 लाख की डिमांड भी की. बदमाशों ने एक जोड़े को रोक लिया और एक जोड़े को पैसा लेने भेजा. इसी दौरान रुकी महिला पर गैंगरेप भी किया गया.

सीएम की कुर्सी छोड़ने को तैयार हूं: ममता

कोलकाता। कोलकाता रेप केस को ले हड़ताली डॉक्टरों ने सीएम ममता बनर्जी के साथ बात करने से इनकार कर दिया. ममता डॉक्टरों से बातचीत के लिए पहुंच भी गई थीं. वे दो घंटे तक तक इंतजार करती रहीं, लेकिन डॉक्टर नहीं आए. ममता ने कहा, कुछ लोग मेरी कुर्सी चाहते हैं. मैं न्याय के लिए इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं. मुझे सत्ता की भूख नहीं है.

-विस्तृत खबर पेज 12 पर

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न जाति गिनवा ली जाये

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठ रही है, वह पूरी तरह गलत है.

प्रसंगवश

जातीय जनगणना के कोलाहल में एक नया आयाम जुड़ गया है. यह जुड़ा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के एक बयान से. उन्होंने संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के बाद संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा कि समाज के कल्याण के लिए सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है. इसके लिए जातीय जनगणना करायी जा सकती है. लेकिन इसका चुनावी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. मोटे तौर पर देखें तो यह बयान संतुलित और संयमित है. इसे थोड़ा खींचें तो मतलब यह निकलता है कि संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठाई जा रही है वह गलत है. संघ का बयान एक सुविचार हो सकता है, लेकिन सुविचारों से हमारे नेताओं को कुछ लेना-देना नहीं है. यानी जातीय जनगणना हो या न हो, राजनीति तो इस पर होगी और जमकर होगी. संघ के बयान के बाद सवाल यह उठता है कि क्या मोदी सरकार जातीय जनगणना करायेगी ? अभी तक भाजपा के किसी बड़े नेता या मंत्री ने नहीं कहा है कि पार्टी जातीय जनगणना के खिलाफ है या इसके लिए तैयार है. हो सकता है कि पार्टी और सरकार के अंदर इस पर मंथन चल रहा हो. करीब दो हफ्ते पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में अमित शाह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि जब जनगणना की घोषणा होगी, तब सब स्पष्ट हो जायेगा. संघ के बयान पर कांग्रेस या उसके सहयोगी दलों ने उत्साह से लबरेज कोई बयान नहीं दिया है. उनके बयानों में कुछ बेतुके सवाल हैं, कुछ तंज हैं और कुछ संदेह हैं. शायद उन्हें लग रहा होगा कि संघ ने भाजपा को कुछ ऐसा सुझाव दिया हो, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे. लेकिन टूलकिट गैंग और इकोसिस्टम ने संघ के बयान को राहुल गांधी का समर्थन बताना शुरू कर दिया है. कुछ ने तो यहां तक लिख दिया कि संघ ने राहुल गांधी के सामने घुटने टेक दिये हैं. इन महानुभावों को कौन समझाये कि तीन बार प्रतिबंधित होने के बावजूद संघ न रुका है, न झुका है, न टूटा है. वह अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है. वह भी ऐसे समय में जब उसका एक प्रचारक लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजमान है. फिर भी जाकी रही भावना जैसी.

बहरहाल दलितों, आदिवासियों को आरक्षण तो बाबा साहब दे गये हैं. वे संविधान में अनुसूचित हैं. लेकिन पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा किसी पुनीत उद्देश्य से नहीं की गयी थी. वीपी सिंह ने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए हारे को हरिनाम की हड़बड़ी में वह घोषणा की थी. उन्हें प्रधानमंत्री बनानेवाले देवीलाल ने उस समय बगावत का झंडा उठा लिया था. उसकी धार कुंद करने के लिए कुछ सहयोगियों के दबाव में वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा कर दी. इस मुद्दे पर संसद में बहस के दौरान राजीव गांधी ने बतौर नेता प्रतिपक्ष आरक्षण के प्रावधानों की कटु आलोचना की थी. आज तक कोई भी खांटी मंडलवादी पार्टी या समूह अपने बूते दिल्ली में सरकार नहीं बना सका है. इसके विपरीत इसके मुखर विरोधी राजीव गांधी की कांग्रेस ने 1991 में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं. उसके बाद भी ये मंडलवादी दल और नेता भाजपा या कांग्रेस के पिछलग्गू ही बने रहे और आज भी हैं. इससे स्पष्ट है कि संकीर्णताओं और क्षुद्रताओं से राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सफलता हासिल नहीं की जा सकती. फिर राहुल गांधी जाति की माला जपते हुए जातीय जनगणना के लिए इतने आक्रामक क्यों हैं ?

-शेष पेज 11 पर

भाजपाई राहुल को मारने की धमकी दे रहे : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेता विपक्षी नेताओं को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं.

भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह ने बुधवार को एक धरना-प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था. उन्होंने कहा, राहुल गांधी संभल जाओ, नहीं तो आने वाले समय में तुम्हारा भी वही हाल होगा, जो तुम्हारी दादी का हुआ था. तुम अपने पिता, दादी का इतिहास जान लो. मारवाह के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. धरना-प्रदर्शन से जुड़े कुछ सेकेंड के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, जब तरविंदर सिंह मारवाह कांग्रेस में थे, तब उनकी इस तरह की मानसिकता नहीं थी. वह इस तरह की भाषा नहीं बोलते थे. उन्होंने कहा कि अब वह भाजपा में जाकर ऐसे बयान दे रहे हैं, तो सवाल उठता है कि देश चलाने वाली पार्टी क्या विपक्ष के नेता को सार्वजनिक तौर पर मारने की धमकी दे सकती है क्या. पूरा विश्व देख रहा है, इस बयान से अब भारत की हंसी उड़ रही है. भारत को लोग हैरानी से देख रहे हैं कि भारत ऐसा कैसे हो गया, जहां सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के नेता को जान से मारने की धमकी दे देती है. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाल ही में अमेरिका दौरे पर थे.

ब्रीफ खबरें

घाटशिला थाना में शांति समिति की बैठक आज

घाटशिला । घाटशिला, गालूडीह थाना एवं मऊभंडार ओपी क्षेत्र की शांति समिति की बैठक ईद मिलाद उल नबी के त्योहार को लेकर एक साथ शुक्रवार को अपराह्न पांच बजे घाटशिला थाना प्रांगण में आयोजित की जाएगी. थाना स्तरीय शांति समिति की बैठक अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो की अध्यक्षता में आयोजित होगी. बैठक एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, प्रखंड विकास पदाधिकारी घाटशिला युनिका शर्मा एवं अंचलाधिकारी निशांत अंबर की उपस्थिति में होगी. यह जानकारी पुलिस निरीक्षक सह घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन ने दी है.

साकची मॉर्डन स्कूल के पूर्व सचिव महेंद्र सिंह का निधन

जमशेदपुर । गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, साकची के अंतर्गत चलने वाले अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय मॉर्डन स्कूल के साबका (पूर्व) सचिव व सिख समाज से संबंधित वस्तुओं की एकमात्र दुकान 52 नंबर शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी स्वर्गीय वसावा सिंह के ज्येष्ठ पुत्र महेंद्र सिंह का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया. गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, साकची के प्रधान सरदार निशान सिंह ने शोक जताते हुए इसे अपूर्णीय क्षति बताया है. उनकी दो पुत्रियां विदेश में रहती हैं. उनके आने के उपरांत अंतिम संस्कार 14 सितंबर को किया जाएगा.

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम मामले से असगर अली बरी

जमशेदपुर । जमशेदपुर की एक अदालत ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन करने के मामले के आरोपी जुगसलाई काली स्थान रोड निवासी असगर अली को गुरुवार को बरी कर दिया. न्यायिक दंडाधिकारी अदनान अकीब की अदालत में अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू एवं बबिता जैन ने असगर का पक्ष रखा. सुधीर कुमार पप्पू का तर्क रहा कि जब्त सामग्री अदालत में प्रदर्श के रूप में प्रस्तुत नहीं की गई. जब्ती सूची में अभियुक्त का हस्ताक्षर नहीं था, जबकि मौका-ए-वारदात पर उसे पकड़ा गया था. अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने के कारण उसे बरी कर दिया.

दुर्गा पूजा कमेटी सांढ़पुरा के पंडाल का भूमि पूजन

घाटशिला । श्री श्री सर्वोदया दुर्गा पूजा कमेटी सांढ़पुरा द्वारा गुरुवार को दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण के लिए डाक बंगला मैदान में भूमि पूजन की गई. पुजारी सुव्रत शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की. कमेटी के केवी सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार सर्वोदया दुर्गा पूजा कमेटी दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है. पूजा के लिए पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन के साथ पूजा की तैयारी शुरू कर दी गई है. भव्य आयोजन के लिए कमेटी के सभी लोग का सहयोग मिल रहा है.

केयू के सिंडिकेट सदस्यों से मिले वोकेशनल शिक्षक

आदित्यपुर । कोल्हान वोकेशनल शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने 12 सितंबर को कोल्हान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्यों से मुलाकात की. इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य आगामी सिंडिकेट बैठक में कोल्हान विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रम के शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने के संबंध में चर्चा करनी है. संघ ने इससे पूर्व 9 सितंबर को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी, जिसमें संविदा नवीनीकरण में विलंब, लंबित वेतन और मानदेय वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई थी. मुख्यमंत्री ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया था.

गोलपहाड़ी दुर्गा पूजा पंडाल का हुआ भूमिपूजन

जमशेदपुर। गोलपहाड़ी स्थित श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति (महिला ग्रुप) के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य दुर्गा पूजा करने की तैयारी कर ली गई है. गुरुवार को पूजा समिति द्वारा भूमि पूजन किया गया. मौके पर अध्यक्ष उज्जल सानी, उपाध्यक्ष संतु गोप, कोषाध्यक्ष समेत काफी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित थीं. इस पूजा की सबसे खास बात यह है कि यहां पूजा पंडाल से लेकर, पूजा-अर्चना, भोग वितरण व विसर्जन तक सभी तरह के कार्य स्थानीय घरेलू महिलाओं द्वारा की जाती हैं. चंदा काटने से लेकर कार्यक्रम तक की जिम्मेदारी महिलाएं उठाती हैं.

घाटशिला में 130वीं जयंती पर याद किए गए पाथेर पांचाली के रचियता विभूतिभूषण बंदोपाध्याय

समाज में साहित्य एवं संस्कृति का बोध इंसान को होना चाहिए : एसएस शेट्टी

संवाददाता । घाटशिला

कॉलेज रोड स्थित घाटशिला विभूति स्मृति सांसद परिसर में गुरुवार को विभूतिभूषण बंदोपाध्याय की जयंती मनाई गई. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप से आईसीसी कंपनी के कार्यपालक निदेशक एसएस शेट्टी ने विभूति बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया. विभूति मंच पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि विभूति भूषण बंदोपाध्याय की रचना से लोगों को प्रेरणा लेने की जरूरत है. उन्होंने घाटशिला के जंगल नदी में बैठकर कई रचनाएं लिखीं, उनके सबसे चर्चित रचना पाथेर पांचाली थी. समाज में साहित्य एवं संस्कृति का बोध इंसान को होना चाहिए.

इसके अलावा अन्य अतिथियों ने भी विभूतिभूषण बंधोपाध्याय की जीवनी पर प्रकाश डाला. तत्पश्चात साहित्य सभा आयोजित की गई जिसमें कई साहित्यकारों ने साहित्य पर विस्तृत चर्चा किया. विभूति बाबू की जयंती पर कई रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है इसमें हेजैक बाती नामक नाटक का मंचन किया गया.

इस मौके पर मुख्य रूप से ओम प्रकाश सिंह, वीरेंद्र नारायण सिंहदेव, प्रशांत कुमार, घाटशिला विभूति संस्कृति संसद के अध्यक्ष देवी प्रसाद मुखर्जी, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत व कई अन्य लोग शामिल थे.

विभूति बाबू की कर्मभूमि होने के कारण देश व दुनिया में घाटशिला की पहचान

संवाददाता । घाटशिला

पश्चिम बंगाल के साहित्यकार विभूतिभूषण बंदोपाध्याय की 130वीं जयंती गुरुवार को गौरी कुंज उन्नयन समिति दाहीगोडा की ओर से गौरीकुंज परिसर में मनाई गई. मुख्य अतिथि रविंद्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता के प्रोफेसर सुरंजन ने विभूति बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इसके बाद अन्य अतिथि एवं समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने माल्यार्पण किया.

जयंती के अवसर पर विभिन्न विद्यालय के बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हर वर्ग के प्रतिनिधियों को अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि किसी भी समाज के लिए साहित्य और संस्कृति काफी मायने रखती है. साहित्य और संस्कृति का ज्ञान होने से एक अच्छे इंसान बन सकते हैं. विभूति बाबू की यह कर्मभूमि रही है. इसके कारण घाटशिला की पहचान देश और दुनिया में है. समिति के अध्यक्ष ने बताया कि शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन गौरीकुंड परिसर में आयोजित की जाएगी. मौके पर आईसीसी कंपनी के ईडी श्याम सुंदर शेट्टी, काबू दत्ता, डॉ सुनीता देवदूत सोरेन, सुजान सरकार, आनंद अग्रवाल, शिल्पी सरकार, साधु चरण पाल सहित समिति के तमाम सदस्य उपस्थित थे.

नई दिल्ली में अधिवक्ता से मिले विधायक सरयू राय

जिला प्रशासन की नोटिस के पहलुओं पर हुआ विचार

भुइयांडीह से सटे कल्याणनगर व इंद्रानगर बस्ती का मामला

- राजनीतिक हित साधने के लिए बस्तीवासियों को भड़का रहे लोग : विधायक

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता संजय कुमार उपाध्याय से विचार विमर्श करते जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय.

भुइयांडीह से सटे कल्याणनगर व इंद्रानगर बस्ती के करीब 150 घरों को तोड़ने से जुड़े मामले को लेकर विधायक सरयू राय ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता संजय कुमार उपाध्याय से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा दी गई नोटिस के विविध पहलुओं पर पर गहराई से विचार किया.

अधिवक्ता ने उन्हें बताया कि जिला प्रशासन द्वारा नया शपथ पत्र दायर करने के बाद बस्तीवासियों की ओर से उसका प्रत्युत्तर एनजीटी की बेंच के समक्ष दायर किया जाएगा. एनजीटी में उक्त मामले की सुनवाई 20 अक्टूबर को होनी है. विधायक सरयू राय ने बताया कि अभी तक जिला प्रशासन की ओर से पठनीय शपथ पत्र दायर नहीं किया गया है. वहीं मुख्य सचिव को भी अपना निजी शपथ पत्र इस मामले में एनजीटी के सामने दायर किया जाना है. उन्होंने कहा कि अगली तिथि पर पूर्वी सिंहभूम जिला के उपायुक्त से पूछा जाएगा कि उन्होंने किस आधार पर एनजीटी मुकदमे का हवाला देकर बस्तीवासियो के घरों को तोड़ने की नोटिस दिया है.एनजीटी द्वारा इस मामले में जितने भी आदेश अब तक पारित किये गये हैं उनमें से किसी में उक्त बस्तियों के घरों को तोड़ने अथवा तोड़ने की नोटिस देने के बारे में निर्देश नहीं दिया गया है.

विधायक ने कहा कि कुछ निहित स्वार्थी लोग अपना राजनीतिक हित साधने के लिए बस्तीवासियों के सामने गलत तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं और निरर्थक बयानबाजी कर रहे हैं. जो बयान वे बस्तीवासियों को भड़काने के लिए दे रहे हैं उस बात को उन्हें एनजीटी के सामने रखना चाहिए. परंतु वे एनजीटी के सामने नहीं आ रहे हैं.

इन्होंने सार्वजनिक घोषणा की थी कि इस बारे में वे एनजीटी के सामने बस्तीवासियों के पक्ष मे बड़े वकील खड़ा करेंगे परंतु आजतक उन्होंने वैसा नही किया.

उत्पाद सिपाही बहाली के लिए 899 ने लगाई दौड़, 646 चयनित

- एक घंटा में 10 किलोमीटर दौड़ की तय सीमा घटाने की जरूरत : विजय कुजूर

संवाददाता । जादूगोड़ा

जादूगोड़ा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में चल रही उत्पाद सिपाही बहाली में प्रतिभागियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. आज गुरुवार तीसरे दिन 899 प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई. इसमें 504 लड़के और 142 लड़कियां चयनित की गईं. इसके पहले बुधवार को 760 युवक-युवतियों ने दौड़ में हिस्सा लिया था. पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के एसपी विजय आशीष कुजूर ने बताया कि लड़कों को एक घंटा में 10 किलोमीटर दौड़ लगानी है जबकि लड़कियों के लिए 40 मिनट में पांच किलोमीटर की दौड़ तय की गई है. उन्होंने कहा कि इसे कम करने के लिए जरूरत है. जिसको लेकर उन्होंने सरकार के पास प्रस्ताव भेजा है. इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो प्रतिभागियों को ज्यादा सहूलियत होगी और दौड़ को लेकर हो रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी. उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के तीसरे दिन प्रतिभागियों में दौड़ने को लेकर मोटिवेशन लेबल अच्छा दिखा व उनमें गजब का उत्साह पाया गया.

पूर्व आजसू नेता छबि महतो भाजपा में शामिल

आदित्यपुर । पूर्व आजसू नेता छबि महतो आज विधिवत भाजपा में शामिल हो गए हैं. उन्हें पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव ने पार्टी में शामिल कराया है. मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विजय महतो भी मौजूद रहे. बता दें कि छबि महतो आजसू के सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष के साथ प्रदेश सचिव भी रह चुके हैं. छबि महतो आज गुरुवार को घोड़ाबांधा स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के आवास पर समर्थकों के साथ पहुंचे और भाजपा का दामन थामा. छबि महतो पूर्व में भी भाजपा में रह चुके हैं और अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में काफी अरसे तक काम करने का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि वर्तमान में वे भाजपा के सर्वमान्य नेता और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीति सिद्धान्तों से प्रभावित होकर पुनः भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया. बता दें कि छबि महतो ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से एक बार फॉरवर्ड ब्लॉक की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं.

सरायकेला पुलिस ने पकड़ा अवैध बालू लदा ट्रैक्टर

आदित्यपुर । सरायकेला जिले में बालू खनन का अवैध कारोबार थम नहीं रहा है. एनजीटी की रोक के बावजूद यहां के बालू माफिया सक्रिय हैं. इस बात का खुलासा सरायकेला पुलिस की कार्रवाई से हुई है. सरायकेला पुलिस ने छापेमारी कर अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया है. गुरुवार की सुबह सरायकेला थाना की पुलिस टीम ने एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को माजना घाट से जब्त किया है.

सरायकेला थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल ने बताया कि माजना घाट से एनजीटी की रोक के बावजूद बालू माफिया बालू का खनन कर रहे हैं. उक्त ट्रैक्टर के मालिक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे खनन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि सरायकेला थाना की गश्ती दल ने उक्त ट्रैक्टर को अवैध बालू ले जाते पकड़ा है. ट्रैक्टर के चालक से बालू के कागजात मांगने पर कोई कागजात नहीं दिखा पाया.

ग्रामीणों की शिकायत पर अभियंता ने किया निरीक्षण

ढलाई के एक दिन बाद ही पीसीसी सड़क में आ गई दरार

संवाददाता । डुमरिया

डुमरिया प्रखंड के भागाबांदी से काहूतुका ओडिशा सीमा तक पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़क का निरीक्षण गुरुवार को सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार मिश्रा और कनीय अभियंता सतीश उपाध्याय ने किया. आठ सितंबर को ग्रामीणों ने पीसीसी ढलाई के एक दिन बाद ही दरार पड़ने की शिकायत की थी. सहायक अभियंता व कनीय अभियंता ने जांच के बाद कहा कि कड़ी धूप में पीसीसी ढलाई के कारण हल्की दरारें पड़ सकती हैं. उन्हें उसी दिन भर दिया जाना चाहिए. इसपर ठेकेदार के कर्मी सोनू कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने जांच होने तक दरार नहीं भरने के लिए कहा था. ग्रामीणों ने बताया कि ढलाई में स्लैग का उपयोग किया गया है. अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि निर्माण सामग्री मिलाने के दौरान नजर बनाए रखें, बाद में मिलावट की जांच नहीं की जा सकती है. साथ ही ठेकेदार के कर्मियों को मानक के अनुसार निर्माण सामग्री उपयोग करने का निर्देश दिया.

मिलकर काम करेंगे यंग इंडियंस व एनर्जी स्वराज फाउंडेशन

- ऊर्जा साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एमओयू

जमशेदपुर । जमशेदपुर में स्थिरता और ऊर्जा साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीआईआई यंग इंडियंस जमशेदपुर चैप्टर ने प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी के नेतृत्व में एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है. इस एमओयू का उद्देश्य दो प्रमुख कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऊर्जा जागरूकता पहलों के लिए एक सहयोगी ढांचा स्थापित करना है. इनमें पहला है ऊर्जा साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम, और दूसरा है सोलर 101 प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो सौर ऊर्जा के बारे में व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. वाईआई जमशेदपुर के अध्यक्ष उदित अग्रवाल ने इस पहल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह युवाओं को ऊर्जा संरक्षण और स्थिरता में अग्रणी बनने को लेकर सशक्त बनाएगा. वहीं प्रोफेसर सोलंकी ने कहा कि आज की दुनिया में ऊर्जा साक्षरता महत्वपूर्ण है.

सुविधा बिजली के नंगे तार को एरियल बंच किया जा रहा, ट्रांसफार्मर का लोड घटाया जा रहा

आरडीएसएस स्कीम से विद्युत सुदृढ़ीकरण का कार्य आदित्यपुर में शुरू

संवाददाता । आदित्यपुर

आरडीएसएस स्कीम के तहत विद्युत सुदृढ़ीकरण का कार्य आदित्यपुर में शुरू हो गया है. पहले फेज में भीड़भाड़ वाले इलाकों में बिजली के नंगे तार को एरियल बंच में तब्दील किया जा रहा है. साथ ही अधिक लोड वाले ट्रांसफार्मर के भार कम करने का काम किया जा रहा है. यह जानकारी विद्युत अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार ने दी.

उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व ही इस स्कीम पर कार्य शुरू हुआ है. आने वाले फेस्टिवल सीजन को ध्यान में रखते हुए पूजा पंडाल के आसपास लगने वाले भीड़ को देखते हुए उस एरिया के नंगे तार को बदलने और ट्रांसफार्मरों के लोड को कम करने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किया जा रहा है. बता दें कि रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम फेज 1 (आरडीएसएस) के तहत बिजली सुधार पर भविष्य में काम होना है. इसके तहत एलटी वायर को एलटी-एवी केबल में बदला जाएगा. शहर के गली-मोहल्लों में करीब 3500 किलोमीटर लो टेंशन वायर को एलटी-एवी केबल में बदला जाएगा. जमशेदपुर में करीब 470 किलोमीटर बिजली के अंडरग्राउंड एरियल बंच केबल (कवर्ड तारों) का जाल बिछा है.

प्रीपेड मीटर भी लगाये जाने की योजना

जसवे-टू के तहत करीब 5000 किलोमीटर 11 हजार और 440 वोल्ट के खुले तारों को भूमिगत और कवर्ड करने की योजना है. भारत सरकार ने तकनीकी रूप से उन्नत करने, बिजली की क्षति रोकने और घाटा कम करने के लिए यह योजना शुरू की है. आरडीएसएस फेज 1 के तहत राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश में 20.46 करोड़ प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने हैं, जिसमें झारखंड में 3.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाने की मंजूरी दी है. आने वाले कुछ सालों में इसे पूरा किया जाना है. साथ ही इस योजना के तहत ही दूसरे चरण में प्रीपेड मीटर भी उपभोक्ताओं के घरों में लगाये जाने की योजना है.

दीपक कुमार, विद्युत अधीक्षण अभियंता.

न्यूज अपडेट

बागबेड़ा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आज

जमशेदपुर । बागबेडा कॉलोनी पंचायत भवन में शुक्रवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. उक्त कार्यक्रम में पोटका विधायक संजीव सरदार मौजूद रहेंगे. साथ ही प्रखंड स्तरीय सारे पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गुरुवार को उप मुखिया संतोष ठाकुर के आवास पर पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक हुई. इसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने का निर्णय लिया गया. बैठक में पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, वार्ड सदस्य सीमा पांडे, उमेश पांडे, कुमोद रंजन सिंह, प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, अरविंद पांडे सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे.

झाड़ियों से घिरा माटिहाना का यात्री प्रतीक्षालय

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 49 पर माटिहाना सड़क किनारे स्थित यात्री प्रतीक्षालय झाड़ियों से घिर गया है. वहीं यात्रियों का कहना है कि एनएचआई द्वारा निर्मित यात्री प्रतीक्षालय झाड़ियों से घिर जाने के कारण वहां प्रतीक्षा करने में सांप बिच्छू का डर सताता रहता है. साथ ही प्रतीक्षालय निर्माण तो किया गया लेकिन कहीं भी शौचालय तथा पेयजल की व्यवस्था नहीं रहने के कारण आने जाने वाले लोगों के साथ-साथ महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. उधर लोगों का कहना है कि स्थानीय प्रतिनिधि तथा संबंधित विभाग के अधिकारी का हमेशा आना-जाना लगा रहता है, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं रहने के कारण लोग काफी नाराज हैं.

सोना देवी विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण

घाटशिला । सोना देवी विश्वविद्यालय परिसर घाटशिला, में भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र कदमा, जमशेदपुर की ओर से गुरुवार को पौधरोपण किया गया. एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 10 विश्वविद्यालय, 10 महाविद्यालय और 10 स्कूलों में लगभग 100 पौधे लगाए जा रहे हैं . इस कार्यक्रम में एलआईसी के वरिष्ठ डीएम कुंटल राव, प्रशासनिक अधिकारी ए. कुमार, सेवानिवृत्ति डीएम बी एन पी गुप्ता, प्राचार्य शकुंतला मुर्मू, सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह के अलावा कई गणमान्य अतिथि, शिक्षक एवं शिक्षककेत्तर कर्मचारियों के अलावा अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित थे.

स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ देने की मांग

जमशेदपुर। पोटका के पूर्व पार्षद करूणामय मंडल ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से मिलकर प्रखंड क्षेत्र के चार नाबालिग को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ देने की मांग की. इससे जुड़ा आवेदन उन्हें सौंपा. जिसमें पिछली गांव के स्व.लक्ष्मी पात्र उर्फ लखी पात्र की दो नाबालिग पुत्री क्रमशः चांदना पात्र एवं जुसना पात्र शामिल है. इसके अलावे कोवाली थाना क्षेत्र के छातना गांव के रहने वाले मोनीमय महतो की पुत्री शिला महतो एवं पुत्र रवीन्द्र महतो शामिल हैं. उन्होंने बताया कि चांदना एवं जुसना पात्र की मां संगीता पात्र दिव्यांग है. जिसके कारण बच्चियों की परवरिश ठीक ढंग से नहीं हो पा रही है. इसी तरह शिला महतो एवं रवींद्र महतो के पिता की मृत्यु के बाद दोनों की पढ़ाई बाधित हो गई है.

जहांगीर आर्ट गैलरी में कलाकृतियां प्रदर्शित

जमशेदपुर । जमशेदपुर के दो कलाकार प्रवीर शॉ और उत्तम मल्लिक की कलाकृतियां मुंबई स्थित जहांगीर आर्ट गैलरी में प्रदर्शित हुई. इन दोनों के अलावे रांची निवासी प्रवीण कर्मकर एवं कोलकाता के संजय बनर्जी की भी कलाकृतियां वहां प्रदर्शित हुईं. प्रदर्शनी 16 सितंबर तक चलेगी. कलाकारों ने बताया कि प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलरी की ओर से बुलावा आना उनके लिए काफी सम्मानजक है. उक्त आर्ट गैलरी अपनी कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विश्व प्रसिद्ध है. प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी कलाकारों के लिए यह मौका न केवल उनके कला के प्रति समर्पण को दर्शाता है, बल्कि उनके करियर के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा. कलाप्रेमियों और कलाकारों के बीच यह प्रदर्शनी बड़े उत्साह के साथ देखी जा रही है. यह उम्मीद की जा रही है कि इसे व्यापक प्रशंसा प्राप्त होगी

वीमेंस यूनिवर्सिटी में टेबल टेनिस प्रतियोगिता

जमशेदपुर । जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के पहले स्पोर्ट्स मीट के तहत बिष्टुपुर कैंपस के इनडोर स्टेडियम में टेबल टेनिस की प्रतियोगिता हुई. इस प्रतियोगिता में कुछ 23 प्रतिभागी सम्मिलित हुए. जिसमें खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया. प्रथम स्थान पर बीपीएड द्वितीय वर्ष की निधि गुप्ता, द्वितीय स्थान पर दीक्षा कुमारी एवं तृतीय स्थान पर बायोटेक तृतीय वर्ष की खुशी कुमारी अग्रवाल रही. कुलपति प्रो. डॉ. अंजिला गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रतिभावान छात्राएं हैं. इनके लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यता है. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सनातन दीप, सुश्री तेजा, प्रभात महतो एवं स्पोर्ट्स कमिटी के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही.

भाजपा कार्यालय में बाबूलाल सोरेन का स्वागत

घाटशिला । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय घाटशिला में गुरुवार को जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव की अध्यक्षता में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन एवं धालभूमगढ़ जिला परिषद हेमंत मुंडा का जिला कार्यालय में अंग वस्त्र, गुलदस्ता व पुष्प गुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया. बाबूलाल सोरेन ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो सम्मान भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में दी गई है इसके लिए सभी को बधाई. इस तरह एकजुटता के साथ आगे बढ़ना है ताकि पूरे राज्य में पार्टी की जीत सुनिश्चित हो. मौके पर मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश साव, जिला महामंत्री सत्या तिवारी, हराधन सिंह, जिला उपाध्यक्ष विश्वनाथ बेहरा, मनोज प्रताप सिंह, हेमंत नारायण देव, जिला मंत्री राहुल पांडेय, गीता मुर्मू, गौर पत्र, कृष्ण शर्मा, सहित काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in जमशेदपुर, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 156 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

कांग्रेस सह प्रभारी 15 को सरायकेला आएंगे

आदित्यपुर । ओडिशा से कांग्रेस सांसद व झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सांसद सप्त गिरी शंकर उल्का 15 सितंबर को सरायकेला खरसावां जिला का एक दिवसीय दौरा करेंगे. सरायकेला परिसदन में सप्त गिरी शंकर उल्का जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, सभी कांग्रेस प्रखंड अध्यक्षों, मंच मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों से मिलेंगे. जिला अध्यक्ष अंबुज कुमार ने यह जानकारी दी.

हुरलुंग पंचायत में सरकार आपके द्वार का आयोजन

जमशेदपुर । जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत हुरलुंग पंचायत भवन में और जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत पश्चिम घोड़ाबांधा पंचायत भवन में आज आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उन्होंने विभिन्न विभागों के लगाए स्टॉल का निरीक्षण किया.

बिष्टुपुर में नारायण उत्सव कार्यक्रम 29 सितंबर को

जमशेदपुर । मोटिवेशनल स्पीकर नारी रत्न राजेश्वरी मोदी अपने विचार और सुमधुर वाणी से सबके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए 29 सितंबर को जमशेदपुर आ रही है. सामाजिक संस्था नारायण रेकी सत्संग परिवार जमशेदपुर द्वारा नारायण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बिष्टुपुर स्थित नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल परिसर के कुसुम कमानी ऑडिटोरियम में होगा.

शिविर में अबुआ आवास के लिए 736 आवेदन हुए जमा

चक्रधरपुर । सोनुआ प्रखंड के गोलमुंडा पंचायत के मदांग जाहिर स्कूल मैदान में गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन उप प्रमुख रचना महतो ने दीप जलाकर किया. शिविर में सबसे ज्यादा अबुआ आवास योजना को लेकर 736 आवेदन जमा किये गये. मौके पर काफी संख्या में कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित थे.

गोइलकेरा के पराल गांव में शिविर आयोजित

गोइलकेरा । गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत गम्हरिया पंचायत के पराल गांव में गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शिविर लगाया गया.इस मौके पर उपस्थित बीडीओ विवेक कुमार,बीस सूत्री अध्यक्ष अकबर खान, मुखिया उदय चेरवा, पंचायत समिति सदस्य चंदू अगरिया ने दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया.

प्रधानमंत्री के जमशेदपुर आगमन को लेकर बैठक

चक्रधरपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जमशेदपुर आगमन को लेकर कराईकेला बाजार परिसर में मंडल अध्यक्ष बीजू प्रमाणिक की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने को कहा गया. मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा देश का तेजी से विकास किया जा रहा है. हम सभी को मिलकर भाजपा को मजबूत बनाना है.

कोरोना काल में बंद रेल की सेवाएं बहाल करने की मांग

जमशेदपुर । कोरोना संक्रमण काल में भारतीय रेल के परिचालन पर रोक एवं सेवाओं में कटौती को पुनः बहाल करने की मांग समाजसेवी बच्चेलाल भगत ने की. इस आशय का एक ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम चक्रधरपुर मंडल के रेल प्रबंधक को सौंपा. जिसमें कहा कि कोरोना संक्रमण काल के पहले टाटा-छपरा ट्रेन प्रतिदिन रात्रि 9:25 बजे जमशेदपुर से प्रस्थान करती थी. जिसे घटाकर सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया.

झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को तकनीकी गड़बड़ी के कारण गुल रही बिजली, कामकाज प्रभावित

नाराज हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव व ऊर्जा सचिव को कोर्ट में बुलाया

- दिया मौखिक आदेश, कोर्ट में बिजली के लिए हो वैकल्पिक व्यवस्था
- ऊर्जा सचिव ने किया आश्वस्त, अब आगे से कोई दिक्कत नहीं होगी

संवाददाता । रांची

झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को सुबह 9:15 बजे से लेकर लगभग 11:00 बजे तक बिजली की सप्लाई पूरी तरह गुल रही. इस कारण अदालती कार्यवाही प्रभावित हुई हाईकोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य के मुख्य सचिव और ऊर्जा सचिव को तत्काल तलब किया. दोनों शीर्ष अधिकारी चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने हाजिर हुए.

कोर्ट ने मुख्य सचिव और ऊर्जा सचिव से कहा कि हाईकोर्ट में अगर किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से पावर कट होता है, तो तत्काल किसी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बिजली बहाल हो सके और अदालती कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए.

दोनों शीर्ष अधिकारियों ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि बिजली के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा. बताया गया कि केबल में फॉल्ट की वजह से बिजली की सप्लाई ठप हो गई थी. इसकी वजह से कोर्ट रूम सहित अन्य जगहों पर अंधेरा छा गया. उल्लेखनीय है कि लगभग 600 करोड़ की लागत से बना झारखंड हाईकोर्ट का भवन देश का सबसे बड़ा न्यायिक परिसर है. इसका क्षेत्रफल सुप्रीम कोर्ट के कैंपस से भी साढ़े तीन गुना ज्यादा है. इसके लिए झारखंड सरकार की ओर से 165 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई. इसका उद्घाटन पिछले साल 24 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था.

बिजली विभाग ने दी सफाई

इस बीच, हाईकोर्ट में सुबह डेढ़ घंटे तक बिजली नहीं रहने पर ऊर्जा विभाग ने अपना पक्ष रखा है. विद्युत कार्य प्रमंडल के विद्युत कार्यपालक अभियंता जयकांत कुमार ने बताया कि यह समस्या बिजली वितरण या बिजली आपूर्ति सिस्टम के कारण उत्पन्न नहीं हुई. दरअसल हाईकोर्ट में थडरिंग से बचने के लिए तड़ित चालक सिस्टम लगाया गया है, जो बीती रात तेज थडरिंग के कारण उड़ गया. इसके कारण बिजली आपूर्ति और जेनरेटर का ऑटोमेटिक सिस्टम में काम करना बंद कर दिया. हाईकोर्ट में पावर कट होने पर जेनरेटर स्वतः चालू हो जाता है, मगर तड़ित चालक में आयी खराबी के कारण जेनरेटर का ऑटोमिटेक सिस्टम में आयी खराबी के कारण काम करना बंद दिया. बाद में इसे दुरुस्त करके जेनरेटर चालू किया गया और बिजली बहाल हो पाई. देर शाम तक आई खराबी को ठीक करने में अफसर एवं कर्मी जुटे रहे.

पावर कट के कारण कॉरिडोर में बैठे रहे अधिवक्ता

कोर्ट के निर्धारित समय सुबह 10 :30 बजे अधिवक्ता सुनवाई के लिए पहुंचे थे. लेकिन पावर कट होने की वजह से सभी अधिवक्ता हाईकोर्ट के कॉरिडोर में बैठे रहे. हालांकि कुछ अधिवक्ता कोर्ट की कार्यवाही में भाग लेते दिखे. लंबे समय तक बिजली बाधित होने के कारण कोर्ट की कार्रवाई वैकल्पिक व्यवस्था के जरिये शुरू की गई. इसके पहले बत्ती गुल होने के बाद कोर्ट रूम सहित अन्य जगहों पर अंधेरा छा गया. जानकारी के अनुसार, टेक्नीकल फॉल्ट की वजह से बिजली कटी थी. बिजली सप्लाई नहीं होने के कारण मुकदमों की सुनवाई कुछ देर के लिए प्रभावित रही. कई कोर्ट रूम में अधिवक्ता मोबाइल का फ्लैश जला कर रौशनी करते दिखे .वहीं बिजली नहीं रहने के कारण एस्केलेटर भी निष्क्रिय हो गया. करीब 11 बजे हाईकोर्ट में बिजली की सप्लाई शुरू हुई, जिसके बाद कोर्ट का कार्य शुरू हुआ.रांची.

चकाचक हो रहीं सड़कें, पीएम के स्वागत की तैयारियों में जुटा शहर

स्टेशन जाने वाली सड़कों की मरम्मत, डीसी ने की मैराथन बैठक

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर के आगमन को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं. खासकर उनका जहां-जहां कार्यक्रम है, वहां एसपीजी की निगरानी में कार्य कराए जा रहे हैं. रेलवे प्रशासन के अलावा जिला प्रशासन भी अपने स्तर से सक्रियता से जुटा हुआ है. पीएम के दौरे को लेकर साफ-सफाई एवं सड़क मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. डीआरएम अरुण राठौड़ के निर्देश पर जुगसलाई टाटा पिगमेंट गेट रोड की मरम्मत कराई गई. यह सड़क पहले जर्जर थी और कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे उभर आये थे. इसी तरह पिगमेंट गेट से टाटानगर स्टेशन जाने वाली सड़क के बाईं ओर रखी गई रेलवे की सामग्री को दुरुस्त एवं व्यवस्थित किया जा रहा है.

रेलवे एवं जिला प्रशासन की ओर से युद्धस्तर पर की जा रही तैयारियों की लोग सराहना भी कर रहे हैं. क्योंकि उक्त सड़क पहले चलने लायक नहीं थी. फुटपाथ पर दुकानदारों का कब्जा रहता था. साथ ही लोग सड़क पर वाहनों की पार्किंग करते थे. जिसके चलते अक्सर सुबह एवं शाम को सड़क जाम हो जाती थी. अब सड़क चौड़ी हो गई है. जिसके चलते सड़क जाम की समस्या फिलहाल नहीं है.

पीएम का टाटानगर में कार्यक्रम नजदीक है. लेकिन अभी तक स्टेशन ओवरब्रिज की मरम्मत नहीं करवाई गई है. यातायात दबाव के कारण दिन में मरम्मत कार्य कराए जाने से सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. इस संबंध में भाजपा नेता अंकित आनंद ने सोशल मीडिया एक्स पर सड़क की मरम्मत करने की मांग की है. उन्हें आश्वासन मिला है कि जल्द ही सड़क की मरम्मत करवायी जाएगी. रेलवे के वरीय अधिकारियों के आश्वासन से ओवरब्रिज रोड की मरम्मत की आस जगी है.

पिगमेंट गेट के समीप खराब सड़क की हो रही मरम्मत.

यातायात नियंत्रण में ट्रैफिक पुलिस को लगाया

पीएम के टाटानगर दौरा को देखते हुए यातायात पुलिस की ओर से एहतियातन कार्रवाई शुरू कर दी गई है. सड़क मरम्मत एवं अन्य कार्यों के कारण यातायात अवरूद्ध नहीं हो, इसके लिए जुगसलाई वीर कुंअर सिंह चौक, टाटानगर स्टेशन चौक एवं आउट गेट चाईबासा बस स्टैंड के पास यातायात पुलिस की तैनाती की गई है. जिसके कारण सड़कों पर वाहनों का जाम नहीं लग रहा है.

कार्यक्रम के तय रूट पर ड्राई रन 14 को

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

प्रधानमंत्री के जमशेदपुर दौरे की आधिकारिक सूचना आने के बाद जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया. पीएम के दौरे को लेकर बृहस्पतिवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल ने अधिकारियों की मैराथन बैठक बुलायी. जिसमें अधिकारियों को अलग-अलग टास्क दिया गया. साथ ही टास्क पूरा करने के लिए अभी से युद्धस्तर पर जुट जाने का निर्देश दिया गया. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर 14 सितंबर को ड्राई रन किया जाएगा. इस दौरान प्रोटोकॉल के तहत उनके कारकेड में शामिल वाहनों के साथ जिस-जिस रूट से पीएम गुजरेंगे उस रूट पर रिहर्सल किया जाएगा. प्रधानमंत्री 15 सितंबर को टाटानगर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे. वहीं स्टेशन परिसर में ही आयोजित सभा में लाभुकों को संबोधित करेंगे तत्पश्चात वोल्टास गोलचक्कर से गोपाल मैदान तक रोड शो एवं गोपाल मैदान में आयोजित जनसभा में शामिल होंगे.

इसी क्रम में प्रॉक्सिमिटी पास, वर्क फोर्स पास व प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी के पास को लेकर संबंधित पदाधिकारी को उपायुक्त ने दिशा-निर्देश दिया. पीएम के कार्यक्रम को लेकर सिविल सर्जन को हॉस्पिटल को स्टैंड बाई मोड पर रखने व एंबुलेंस की व्यवस्था, फूड सेफ्टी ऑफिसर, फायर सेफ्टी ऑफिसर को भी उनके क्षेत्र से संबंधित कई टास्क सौंपे गये.

पीएम के कार्यक्रम को लेकरबैठक करते डीसी व मौजूद अन्य अधिकारी

अधिकारियों को सौंपा गया टास्क

बैठक में सोनारी एयरपोर्ट स्थित हेलीपैड पर प्रधानमंत्री के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग, टाटानगर स्टेशन, स्टेशन परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल, रोड शो, गोपाल मैदान स्थित सभा स्थल, अतिथियों की सूची आदि पर विस्तार से चर्चा की गई. इस दौरान प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से पदाधिकारियों को अलग-अलग टास्क सौंपे गए. भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा के दृष्टिकोण से कहां-कहां बैरेकेडिंग की जानी है, इसका आकलन किए जाने, भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता को स्टेज के साइज का आकलन करते हुए प्रोटोकॉल व नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया. इसी तरह स्थल के चारों ओर व विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट का प्रतिनियुक्त करने की जिम्मेदारी दी गयी.

गोलमुरी में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जमशेदपुर । गोलमुरी थानान्तर्गत 46, नामदा बस्ती के रहने वाले हरजीत सिंह के 26 वर्षीय पुत्र विशाल सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना अपराह्न 3.30 बजे हुई. घटना की जानकारी परिजनों को होने के बाद उसे तुरंत फंदे से उतारकर टिनप्लेट अस्पताल ले जाया गया. जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

मिली जानकारी के अनुसार विशाल टाटा स्टील परिसर में निजी सिक्यूरिटी का काम करता था. आज वह ड्यूटी नहीं गया. बताया जाता है कि उसका किसी युवती से अफेयर चल रहा था. इसको लेकर वह कुछ दिनों से तनाव में रहता था. बृहस्पतिवार को घर में स्वयं को अकेला पाकर रस्सी से पंखे के हुक के सहारे लटक गया.

दूसरी ओर टिनप्लेट अस्पताल प्रबंधन की ओर से गोलमुरी पुलिस को इसकी जानकारी दी गई. जिसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर उसका पंचनामा तैयार किया तथा पोस्टमार्टम के लिए शव को भिजवा दिया. पुलिस मामले की हर एंगल से तहकीकात कर रही है.

ईवीएम व वीवीपैट के एफएलसी का डीसी ने किया निरीक्षण

संवाददाता । आदित्यपुर

विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर सामुदायिक भवन, सरायकेला स्थित ईवीएम वेयर हाउस में भंडारित ईवीएम व वीवीपैट का संचालित प्रथम स्तरीय चेकिंग (एफएलसी) कार्य का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने जायजा लिया. मौके पर प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे. उपायुक्त ने एफएलसी कार्य के प्रगति के संबंध में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी से जानकारी ली. उन्होंने आयोग द्वारा जारी स्टैंडिंग ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किए जाने पर संतोष जताया. उपायुक्त ने कहा कि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन दल एवं चिकित्सा सहायता दल की उपस्थिति आदि का जायजा लें.

डीसी ने संबंधित इंजीनियर्स, प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं एफएलसी सुपरवाइजर समेत अन्य पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने एफएलसी के कार्य में लगे कर्मियों को पूरी तन्मयता से काम करने को कहा. बता दें कि वेयर हाउस में ईवीएम-वीवीपैट का आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त ईसीआइएल के इंजीनियर्स द्वारा एफएलसी का कार्य किया जा रहा है. इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे.

पूर्व आजसू नेता मुन्ना सिंह फिर गिरफ्तार

केस करने वाली आदिवासी महिला को धमकाने का मामला

- बुधवार को गिरफ्तार होने के बाद मिल गयी थी जमानत

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कदमा की आदिवासी महिला व उसकी बच्ची के साथ मारपीट करने वाला पूर्व आजसू नेता मुन्ना सिंह गुरुवार को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया. इस बार उसे केस करने वाली महिला को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. कदमा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुन्ना सिंह को कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया.

उसे 11 जुलाई को महिला के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. लेकिन नियम संगत गिरफ्तारी नहीं होने के कारण अदालत ने उसे राहत देते हुए निजी मुचलके पर छोड़ दिया.

जेल से छुटने के बाद मुन्ना सिंह फिर उस महिला को धमकाने लगा. जिसकी शिकायत महिला ने कदमा थाना में की. इस बार पुलिस ने बिना देर किए प्राथमिकी दर्ज की. साथ ही मुन्ना सिंह को उसके मंगल सिंह आखाड़ा से गिरफ्तार कर लिया. दूसरी ओर आदिवासी उत्पीड़न के तहत केस होने के बाद उसे जमानत मिलना चर्चा का विषय बना रहा. आम लोग उसकी दबंगयी एवं पैसे के बल पर छुटने की चर्चा करने लगे. हालांकि सच्चाई इससे उलट थी. पुलिस ने अनुसूचित जनजाति उत्पीड़न के तहत केस दर्ज किया. लेकिन गिरफ्तारी के दौरान दस्तावेज का एक कॉलम नहीं भर पायी. जिसका लाभ आरोपी को मिला.

परंपरा चक्रधरपुर में निकाली गई करम जाउआ की विशाल शोभा यात्रा

भाषा, संस्कृति, सभ्यता को जीवित रखना सभी का कर्तव्य : कुड़मी समाज

- डीजे व पारंपरिक गाजे-बाजे के साथ 50 गांव के लोग करते रहे नृत्य

संवाददाता । चक्रधरपुर

प्रकृति का पर्व करमा को लेकर गुरुवार को चक्रधरपुर में करम जाउआ की विशाल शोभा यात्रा निकाली गई. इस शोभा यात्रा में चक्रधरपुर व आसपास क्षेत्र के अलावे विभिन्न जगहों से पहुंचे बड़ी संख्या में कुड़मी समाज के महिला-पुरुष शामिल हुए. छोटा नागपुरी कुड़माली भाखि चारि जागरन आखड़ा के तत्वावधान में निकाली गई इस शोभा यात्रा में महिलाएं सिर पर जाउआ लिए हुए चल रही थीं. गुरुवार को सबसे पहले चक्रधरपुर के पोटका उलीडीह मोड़ के पास विभिन्न जगहों से पहुंचे कुड़मी समाज के लोगों का जुटान हुआ. यहां से डीजे व पारंपरिक गाजे-बाजे के साथ सभी नृत्य करते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए. खास बात यह रही कि शोभायात्रा में शामिल कुड़मी समाज के सभी लोग पारंपरिक परिधान में नजर आए. शोभायात्रा एनएच-75 (ई) सड़क मार्ग के पोटका उलीडीह से शुरू होते हुए पोटका चर्च, प्रेम निवास, इतवारी बाजार, एलआइसी बिल्डिंग, ओवरब्रिज, भगत सिंह चौक, चेक नाका, प्रखंड कार्यालय, मारवाड़ी स्कूल से गुजरते हुए आसनतालिया मैदान पहुंची. इसी बीच पवन चौक पर सभी जमकर थिरके. इस मौके पर पूर्व विधायक शशि भूषण सामड ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. कुड़मी समाज के लोगों ने बताया कि अपनी भाषा, संस्कृति, सभ्यता को जीवित रखना हम सभी का कर्तव्य है. संस्कृति व सभ्यता के बारे में आने वाली युवा पीढ़ी भी जाने, इसलिए प्रत्येक वर्ष इस तरह के आयोजन किए जाते हैं. इस अवसर पर शोभा यात्रा में शामिल लोगों के बीच जगह-जगह चना, गुड़, शरबत, पानी भी बांटे गए. मौके पर जेबीकेएसएस के जिलाध्यक्ष करण महतो, आजसू पार्टी युवा मोर्चा के कोल्हान प्रभारी अमित महतो, कुड़मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार, चंदन महतो, जितेंद्र महतो, शत्रुघ्न महतो, रवि महतो, दिनेश महतो, सूरज कटियार, शुभम महतो, यथार्थ महतो, झारखंड पिछड़ी मोर्चा की महिला नेत्री दमयंती नाग के अलावे टोटेमिक कुड़मी समाज के जुड़े सदस्य, लगभग 50 गांवों के बड़ी संख्या में कुड़मी समाज के महिला-पुरुष शामिल थे.

चक्रधरपुर में करम जाउआ की शोभा यात्रा में शामिल कुड़मी समाज के महिला पुरुष

कोल्हान में बदलेगा मौसम 16 तक बारिश का अलर्ट

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कोल्हान समेत पूरे झारखंड में एक बार फिर मौसम बदलने की संभावना है. इस दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में 16 सितंबर तक बारिश की संभावना व्यक्त की गई. इस संबंध में मौसम विभाग ने पूर्वानुमान अलर्ट जारी किया. पूर्वानुमान अनुसार राज्य के 8 जिलों में तेज बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इसमें धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम शामिल है. दूसरी ओर बृहस्पतिवार को जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग के अनुसार इस हफ्ते गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान है. वहीं 14 और 15 सितंबर को धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम में तेज बारिश के साथ वज्रपात की आशंका है. इसे लेकर राज्य में येलो अलर्ट जारी किया गया है. जबकि 16 सितंबर को राज्य के गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में बारिश का येलो अलर्ट जारी है.

धर्म-कर्म : महापर्व दसलक्षण के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया

'चैतन्य स्वरूप ही रहा है और रहेगा, उसका अंत नहीं हो सकता, यही सत्य है'

संवाददाता। हजारीबाग

परम पूज्याचार्या शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं छुल्लक श्री 105 श्रेय सागर जी महाराज के सानिध्य में दस दिनों तक चलने वाले महापर्व दसलक्षण के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया.

बृहस्पतिवार को उत्तम सत्य पर्व दसलक्षण के पांचवें दिन कई स्रावकों के दस दिवसीय उपवास व्रत पूरे हर्षोल्लास, उमंग और भक्ति भरे माहौल में मुनि श्री के सानिध्य में चल रहे हैं. दस दिनों के तप साधना से ओतप्रोत दस लक्षण महापर्व में सुबह से ही पूजा,

उत्तम सत्य धर्म पर्व भक्तिभाव के साथ मनाने के साथ जैन धर्म के धामिर्क विधान करते मुनिश्री व अन्य शिष्य.

आराधना, विधान आदि की धार्मिक क्रियाएं शहर के दोनों जैन मंदिरों में हो रहे हैं. सभी बड़े ही अनोखे अंदाज में आनंदपूर्वक पूजन अभिषेक करते नजर आ रहे हैं. दिगंबर जैन भवन बड़ा बाजार में भी सुबह से ही सामूहिक कलश, अभिषेक, शांति धारा और विधान के कार्यक्रम चल रहे हैं. सभी कार्यक्रम पूर्व निर्धारित समय पर हुए और सुबह नौ बजे मुनिश्री का प्रवचन शुरू हुआ. उत्तम सत्य के दिन मुनिश्री ने बताया कि जो जैसा है, उसको वैसा ही जानना उसको वैसा ही देखना, उसको वैसा ही कहना और उसको वैसा ही मानना सत्य होता है. हम जैसे हैं वैसे ही अपने आप को जानें, वैसे ही अपने आप को मानें और वैसा ही अपना आचरण करें यही सत्य कहलाता है. इसमें पहला है श्रद्धा का सत्य. जो जैसा है वैसा ही श्रद्धा करना, वैसा ही विश्वास करना. लोक तो तीन है पर दिख क्या रहा है ? एक ही लोक हम देख पाते हैं. मन के नेत्रों से जो हम देख पाते हैं वह थोड़ा है पर जिन्होंने सत्य को पूर्ण रूप से देख लिया है, पूर्ण रूप से जान लिया है, जो सत्य रूपी ही हो गए हैं, ऐसे परम परमेष्ठी हमको सत्य बताते हैं. असत्य भी बिना सत्य के रह नहीं सकता. अगर असत्य से सत्य हटा दे तो केवल अ ही बचता है. सत्य तो सत्य ही है, सत्य में ही अलग से अ आ गया है. अ का मतलब अस्थाई है. असत्य का कोई अस्तित्व नहीं है, अस्तित्व तो सत्य का ही है. ऐसे में वास्तव में हमारा भव्य आत्मा स्वरूप ही सत्य है, जितने भी विकारी परिणाम है वह अस्थायी है. अल्प समय के लिए है, लेकिन जो हमारा चैतन्य स्वरूप है वह है रहा है और रहेगा, उसका अंत नहीं हो सकता. यही सत्य है. हजारीबाग के नगर गौरव तरुणाई के प्रखर वक्ता, शंका समाधान प्रणेता मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज, जो अभी इंदौर में विराजमान है और उनका वहां चातुर्मास चल रहा है, ने भी उत्तम सत्य धर्म के दिन उत्तम सत्य पर प्रकाश डाला.

बीडीओ और सीओ ने काला बिल्ला लगाकर काम किया

विधायक अंबा प्रसाद को ज्ञापन सौंपते प्रशासनिक अधिकारी.

संवाददाता। केरेडारी

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के पदाधिकारियों ने संघ की केंद्रीय इकाई रांची के आह्वान पर गुरुवार को अपनी 13 सूत्री मांगों के समर्थन में काला बिल्ला लगाकर कार्य किया. प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी ने भी काला रिबन लगाकर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम और कार्यालय के अन्य कार्यों का निष्पादन किया. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अमीत कुमार और अंचलाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने विधायक अंबा प्रसाद को ज्ञापन सौंपा.

ब्रीफ खबरें

बाइक व साइकिल की टक्कर में एक की मौत

विष्णुगढ़। थाना अंतर्गत विष्णुगढ़ - गोमिया सड़क पर गरहमुर्गी के पास बाइक और साइकिल की भिड़ंत में साइकिल सवार की मौत हो गयी. यह दुर्घटना बुधवार शाम को घटी है. इस हादसे में दो बाइक सवार भी घायल हो गए हैं. इनमें से एक को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है. बाइक सवार थाना क्षेत्र के बलकमक्का के बताए जाते हैं. वहीं मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. सूचना पाकर मौके पर पहुंची विष्णुगढ़ थाना पुलिस सभी घायलों को लेकर विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची.

अभियान के सफल आयोजन का निर्देश

रामगढ़। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, जेएसएलपीएस, पंचायती राज, मनरेगा, नगर परिषद सहित अन्य विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान का सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

सेवई दक्षिणी में हुआ आपके द्वार कार्यक्रम

रामगढ़। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गुरुवार को चितरपुर प्रखंड के सेवई दक्षिणी पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुखिया किरण कुमारी द्वारा उद्घाटन किया गया. इस दौरान आयोजित शिविर में उन्होंने आमजनों की समस्याओं को सुना और समस्या का निदान करने की बात कही. मुखिया द्वारा आमजनों को सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया.

मृत तीन बच्चियों परिजनों को मिली सहायता राशि

चौपारण। बीते वर्ष 26 सितंबर को प्रखंड की बच्छई पंचायत के ओबरा गांव के तीन बच्चियों की मौत बराकर नदी में करम की डाली विसर्जन के दौरान हो गई थी. अब परिजनों को चार-चार लाख रुपये सहायता राशि मिल गई है. इनमें से एक दिव्या कुमारी (17), पिता सिकंदर यादव का शव काफी मशक्कत के 4-5 घंटे बाद हडाही में मिला था. वहीं सपना कुमारी (16), पिता सुरेंद्र यादव और सरस्वती उर्फ प्रेमा कुमारी (14), पिता नारायण राणा का पता नहीं चल पाया था, जिसका शव दूसरे दिन 24 घंटे बाद कोयला नदी में मिला था.

बरही निबंधन कार्यालय में अधिकारियों को आम आदमी का काम करने में रुचि नहीं

मनमानी : तीन बजे तक लेट नहीं और छह के बाद भेंट नहीं

संवाददाता। हजारीबाग

- सरकार को लाखों का राजस्व देने वाले कार्यालय में आम आदमी का हाल भेड़ बकरी से भी बदतर
- विकास का दंभ भरने वाले जनप्रतिनिधियों के मुंह पर तमाचा है बरही का निबंधन कार्यालय
- अंचलाधिकारी बरही के प्रभार में, भगवान भरोसे होती है जमीन की रजिस्ट्री

जिले में अधिकारियों की मनमानी से जनता त्रस्त है. सरकार को लाखों को राजस्व देने वाले निबंधन कार्यालय में आम आदमी की सुध लेने वाला कोई नहीं होता है. अधिकारियों के न आने का समय निर्धारित किया गया है और न ही जाने का. ऑफिस आते हैं तो घड़ी देखते रहते हैं. जैसे ही लंच ब्रेक का समय होता कुर्सी छोड़कर चले जाते हैं और ड्यूटी का समय खत्म होते ही पल झपकते गायब हो जाते हैं. अपनी मर्जी से कभी 11:00 बजे तो कभी 12:00 बजे कार्यालय आते हैं. ऐसे में दूर-दराज आने वाले लोगों की अधिकारियों से मुलाकात नहीं हो पाती है. मजबूरन वे बिचौलिये से काम करने के लिए मजबूर होते हैं.

बता दें कि हजारीबाग में प्रमंडल, आर यू ऑफिस, डीटीओ ऑफिस, शिक्षा विभाग, भवन प्रमंडल, कार्यालय, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, नजारत सहित कई कार्यालय हैं, जहां कई कार्यालय हैं, जहां आम आदमी का कम और बिजोलिया का ज्यादा होता हैं. अधिकारी घर में बैठे रहते हैं. समय पर नहीं आने के बारे में पूछने पर अधिकारी तरह-तरह का बहाना बनाते हैं. कोई फील्ड में होने की बात करता है तो कोई दो जगह प्रभार में होने की बात करता है. अधिकारी अगर 12:00 बजे तक कार्यालय आते हैं तो फिर आम लोगों

बरही निबंधन कार्यालय में अधिकारियों के इंतजार में बैठे आम लोग.

का काम नहीं हो पाता है. अधिकारी बस इस इंतजार में रहते हैं कि कब उनकी ड्यूटी खत्म हो और वे कार स्टार्ट कर निकले. आम जनता के काम से इनका कोई लेना देना नहीं होता है. यही कारण है कि कई विभागों में वर्षों से फाइलें अटकी हुई हैं. इसके कारण कई संवेदक भी परेशान हैं. ऐसा ही मामला गुरुवार को बरही में देखा गया.

सरकार आपके द्वार और अन्य कार्यक्रमों द्वारा जनता को सहूलियत देने का दावा करने वाली राज्य सरकार बरही निबंधन कार्यालय में एक स्थायी निबंधक की पदस्थापना करवाने में भी असफल साबित हो रही है. मालूम हो कि बरही विधानसभा क्षेत्र का एक मात्र निबंधन कार्यालय अंचलाधिकारी बरही के प्रभार में भगवान भरोसे चल रहा है. जमीन खरीद बिक्री करने वाले लोग सुबह 10 बजे से साहब के इंतजार में भूखे प्यासे कार्यालय परिसर में बैठे रहते हैं. इस कार्यालय में बिचौलियों का बोलबाला रहता है और आम लोग भेड़ बकरी से भी बदतर हालात में अपनी बारी का इंतजार करने को अपनी नियति मान लेते हैं. सबसे ज्यादा शर्मिंदगी महिलाओं को उठानी पड़ती है. उन्हें शौच के लिए बाहर खुले में जाना पड़ता है और उनके लिए स्वच्छ भारत अभियान बेमानी हो जाता है. इस संदर्भ में बरही अंचलाधिकारी सह रजिस्ट्रार रामनारायण खलखो से बात करने पर उन्होंने कहा कि मैं सरकार आपके द्वार और कानून व्यवस्था के कार्यों में व्यस्त रहता हूं. निबंधन कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार संभालने के कारण समय का अभाव रहता है, फिर भी लगातार कोशिश कर रहा हूं कि तीन बजे से निबंधन का काम भी कर सकूं. वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि और पक्ष विपक्ष के स्थानीय नेता भी जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर मजबूर और खामोश नजर आते हैं. आम जनता के बीच यह चर्चा आम है कि जब राजस्व देने वाले कार्यालय का इतना बुरा हाल है तो लाभकारी योजनाओं का क्या हश्र होगा.

पुनरावृत्ति होने पर संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने की दी चेतावनी

गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने पर आर्थिक दंड

संवाददाता। रामगढ़

डीएमएफटी के तहत कार्यकारी एजेंसी ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा रामगढ़ जिला अंतर्गत दुलमी प्रखंड में दो योजनाओं ईचातु पंचायत में 98 लाख 96 हज़ार 712 रुपये की राशि से धीमन मुंडा के घर से हुडगू पत्थर तक पीसीसी पथ व कलभर्ट निर्माण तथा उसरा पंचायत अंतर्गत ग्राम कोरचे में 78 लाख 24 हज़ार 10 रुपये की राशि से करमाली टोला से लावालौंग होते हुए पहाड़ी आरईओ रोड तक पीसीसी व गार्ड वाल निर्माण योजना में डीएमएफटी पीएमयू टीम द्वारा की गई. जांच के आलोक में गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने पर संवेदक पंकज

इसी सड़क के निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती गई.

प्रसाद तिवारी, रामगढ़ एवं संत कुमार गुप्ता लातेहार पर योजना की मापी पुस्त राशि का 10 प्रतिशत, 17 लाख 72 हज़ार 72 रुपये का आर्थिक दंड लगाया है. साथ ही उपायुक्त ने अन्य कार्यों में इस तरह की पुनरावृत्ति होने पर संवेदकों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने एवं कार्यकारी एजेंसी के अभियंताओं के विरुद्ध अनुशंसात्मक कार्रवाई करने की कड़ी चेतावनी दी है.

करम परब हमारी संस्कृति की धरोहर : जयराम महतो

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने गुरुवार को विभिन्न करम परब महोत्सव में उपस्थित होकर लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी. करम परब की परंपरा की विशेषताएं एवं करम परब से होने वाले गुण, फायदे भाषा संस्कृति के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी. कहा कि करम परब को जीवंत रखने के लिए सभी लोगों को एकजुट होने की जरूरत है. करम परब महोत्सव को लेकर मुख्य रूप से रूप से खपिया, गिद्दी सी. के. बी .हाई स्कूल लारी, किसान हाई स्कूल डभातु गोला तथा दुलमी बाजार टांड में लोगों को संबोधित कर करम परब की महत्वपूर्ण जानकारी दी. महतो ने कहा कि प्रकृति के महापर्व करम परब हमारी संस्कृति की धरोहर हैं. भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है.

दारू प्रखंड में फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित, 32 टीमों ने भाग लिया

संवाददाता। हजारीबाग

नव झारखंड फाउंडेशन के तत्वाधान में दारू प्रखंड के हर्ली फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. इसमें 32 टीमों ने भाग लिया. नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा का आगमन हुआ. कार्यक्रम में राणा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश के कर्णधार हैं. युवाओं में देशभक्ति की भावना का संचार होना समाज को एक अद्भुत अनुभूति देता है. देश सेवा के लिए युवा दृढ़ और संकल्पित हो. युवा देश का ही नहीं विदेशों में भी भारत का प्रतिनिधित्व एवं परचम लहरा रहा है. राणा द्वारा खिलाड़ियों को जर्सी दिया गया. कर्यक्रम में उमेश यादव, धनजय पांडेय, सतीश पांडेय, जगदेव राणा, अनुज यादव, विक्की सिंह संजय, समीर आदि उपस्थित थे.

रामगढ़ क्षेत्र से भाजपा के टिकट के लिए राजेश ठाकुर की दावेदारी

संवाददाता। रामगढ़

विधानसभा चुनाव में रामगढ़ विधानसभा में भाजपा से टिकट के लिए राजेश ठाकुर ने अपनी दावेदारी पेश की है. राजेश ठाकुर ने कहा है कि वे संघ के बाल स्वयंसेवक रहे हैं. विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं भाजपा युवा मोर्चा सहित कई महत्वपूर्ण सामाजिक संस्थाओं में अपना योगदान दिया है. वर्तमान में भाजपा के एक साधारण कार्यकर्ता हैं. एक कार्यकर्ता के रूप में आम जनता की आवाज बनकर कई अवसरों पर आंदोलन किया है. कई सहयोगी कार्यकर्ताओं के दुख सुख में सदैव शामिल रहे हैं.

संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. कभी अनुशासनहीनता का आरोप नहीं लगा. कई युवा कार्यकर्ताओं का समूह बनाकर संगठन हित में कार्य

भाजपा नेता राजेश ठाकुर.

करने का कई वर्षों का अनुभव है. वर्तमान समय में रामगढ़ विधानसभा से स्वच्छ छवि के युवा प्रत्याशी के रूप में है. पार्टी अगर रामगढ़ विधानसभा से अपना प्रत्याशी बनाएंगे तो यहां के युवाओं में अपार जोश आएगा और उनके सहयोग से भारतीय जनता पार्टी का कमल निशान रामगढ़ विधानसभा में खिलाएंगे और सीट पर विजय दिलाएंगे.

वक़्फ संशोधन बिल को लेकर गांवों का दौरा

रामगढ़। वक़्फ संशोधन बिल के खिलाफ खिदमत ए इंसानियत फेडरेशन रामगढ़ जेपीसी को ईमेल करवाने के लिए तीन टीमें ज़िला रामगढ़ के गढ़के, इचातू, जामसिंग, होन्हे, बोंगासोरी, खत्री, मारा, सिकनी, प्रियातू, उसरा, सोसो, बगरै, गोला, बरियातू, चाड़ी, मगनपूर, सोसो, जागी, बन्दह, भुचुंग्डिह, मरगमरचा, साड़म, कुज्जू, जरयो, बहातू, बेटुल कलां, बेटुल खुर्द आदि व हजारीबाग के दर्जनों गांव का दौरा किया. खिदमत ए इंसानियत फेडरेशन के रामगढ़ के महासचिव मुनौवर सैफी ने कहा कि रामगढ़ जिला के विभिन्न गांव का दौरा चल रहा है और उम्मीद है कि रामगढ़ जिला से दो लाख से भी ज्यादा लोग ईमेल करेंगे. इस मौके पर डॉ मौलाना वाजिद अली, सकाफी तारीफ्तेखार रजवी, मौलाना इकबाल अहमद मिस्बाही, मौलाना सज्जाद बरकाती, एजाज अर्शी, हाफिज मजार रिजवी आदि मौजूद रहे.

कर्जन मैदान में खेलो झारखंड के तहत दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

बालक अंडर 19 की 200 मीटर दौड़ में संदीप रहा प्रथम

खास बातें

- अंडर 17 बालक में जितेंद्र कुमार ने मारी बाजी
- अंडर 17 बालिका वर्ग में स्वाती धान रहीं अव्वल

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग के जिला कर्जन मैदान में जिला स्तरीय खेलो झारखंड खेल प्रतियोगिता का खेल आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार ने किया. बालक अंडर 19 की 200 मीटर में प्रथम संदीप कुमार चौपारण, द्वितीय सुमीत कुमार सदर, अंडर 19 बालिका में ऊषा कुमारी प्रथम बड़कागांव, द्वितीय पूजा कुमारी बरही, अंडर 17 बालक में जितेंद्र

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी और आयोजक.

कुमार विष्णुगढ़ प्रथम, द्वितीय विकास टुडू चुरचू, अंडर 17 बालिका वर्ग में स्वाती धान, द्वितीय माया कुमारी इचाक, अंडर 14 बालक में प्रथम विकास कुमार डांडी, द्वितीया स्थान अमीत दास चलकुशा,अंडर 14 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान रिया कुमारी बरकढढा, द्वितीय स्थान पर मोनिका कुमारी चौपारण, 400 मी दौड़ में अंडर 19 में बालक वर्ग में प्रथम स्थान आशीष यादव कटकमसाडी, द्वितीय स्थान धर्मनाथ कुमार बड़कागांव, बालिका वर्ग में प्रथम स्थान रबिना कुमारी कटकमसाडी, द्वितीय स्थान सावित्री कुमारी विष्णुगढ़ रही. इस दौरान शारीरिक शिक्षक मधूसूदन कुमार सिंह, सरोज मालाकार, सुनिल यादव, अश्विनी श्रीवास्तव, अनुप मेहता, पवन कुमार उपस्थित रहे. खो-खो प्रतियोगिता को सफल बनाने में डी ओ प्रवीण रंजन, डी एस सी, आकाश कुमार, ए डी पी ओ सुनिला लकड़ा, ए पी ओ, संजय तिवारी, अजय नारायण दास, लेखा पदाधिकारी रवि कुमार, विकास कुमार, प्रवीण पांडेय, कौलेशर कुमार, रामचंद्र राम, प्रमोद कुमार मेहता, राजेश कुमार सिंह, बागीश पांडे सी आर पी, परविंद कुमार सिंह, ओम प्रकाश कुमार, श्रीकांत कुमार, कुलदीप कुमार, संतोष कुमार गौतम, दीपक कुमार मेहता, अनुरूद राणा, सोनू कुमार, भोला साव, ओमप्रकाश कुमार, भीम गोस्वामी, उमेश दास, राजन गुरूंग, राहुल कुमार, कुंवर प्रसाद, संजू कुमारी, प्रिया कुमारी, अभिनव, गुप्ता प्रमोद दास, विशाल यादव, त्रिवेणी कुमार, मनसूर आलम, गोपाल राम, हरिकांत कुमार, सुरेंद्र कुमार, मृत्युंजय वैष्णव ने अहम भूमिका निभाई.

राहत स्थानीय लोगों को मिली राहत, समाजसेवी के प्रयासों की सभी कर रहे हैं सराहना

संजर मलिक की मुहिम ने दिलाया जलजमाव से छुटकारा

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग से चतरा जाने वाली सड़क पर पगमिल मोहल्ले में जलजमाव की समस्या ने स्थानीय जनता को लंबे समय से परेशान कर रखा था. खासकर फ्रेंड्स कॉलोनी रोड की स्थिति गंभीर थी. इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय समाजसेवी और शांति समिति के सदस्य फहीमउद्दीन अहमद उर्फ संजर मलिक ने लगातार प्रयास किए. उन्होंने संबंधित अधिकारियों और विभागों को लिखित और मौखिक रूप से सूचित किया, धरना-प्रदर्शन किए, और आंदोलन चलाए. संजर मलिक की अथक कोशिशों के कारण स्कूली

बदहाल सड़क से स्थानीय लोगों को अब निजात मिल गई है.

बच्चों, मस्जिद में नमाजियों, और अस्पताल जाने वाले हजारों लोगों को जल जमाव की वजह से होने वाली परेशानियों से राहत मिली है. बता दें कि जलजमाव की समस्या के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे, गिरने और चोटिल होने का खतरा बना रहता था.

संजर मलिक ने इस समस्या को जिला प्रशासन, पीडब्ल्यूडी कार्यपालक अभियंता, नगर निगम आयुक्त सहित सभी संबंधित विभागों तक पहुंचाया. रक्षा बंधन के दिन जल सत्याग्रह कर उन्होंने प्रशासन और झारखंड मंत्रिमंडल का ध्यान इस समस्या की ओर खींचा. उनके प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि युद्धस्तर पर काम शुरू हुआ और अभी भी चल रहा है, जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा. इस कार्य के पूरा होने से लोगों में बेहद खुशी है.

इस संबंध में संत अगस्टिन स्कूल की डायरेक्टर पूर्णिमा शाह ने कहा कि इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाने में संजर मलिक ने अहम भूमिका निभाई है. हम सभी उनकी जितनी भी प्रशंसा करें, वह कम होगी. प्राइमरी स्कूल की प्रधान अध्यापिका नौशाबा ख़ातून ने कहा कि मैं इस रोड से हर दिन स्कूल जाती थी. जलजमाव के कारण कपड़े खराब हो जाते थे और गिरने का डर बना रहता था, लेकिन संजर मलिक के प्रयास से अब हमें इस समस्या से निजात मिल गई है. एडुका वैली पब्लिक स्कूल की संचालिका सगुफता नाज़ ने कहा कि इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से हमें दिली खुशी हुई है. किड्स कैंपस की प्रोप्राइटर हेना तसनीम ने कहा कि इस बेहद खराब हो चुकी सड़क का निर्माण हो रहा है. शोएब सिद्दीकी (रिटायर्ड सिविल कोर्ट ओएस), एडुका वैली स्कूल के संचालक मो शाहिद, नाहीद प्रवीन (पैथोलॉजिस्ट), इमाम अब्दुल वाहिद मिसबाही, मो बदरुज्जमा, सयद तबरेज़ एजाज खान आदि ने भी संजर मलिक की तारीफ की.

भुईयां समाज के 'झकझोर-झूमर' में शामिल हुईं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति की ओर से सांस्कृतिक धरोहर करमा पूजा के उपलक्ष्य पर सदर प्रखंड स्थित अमृतनगर उच्च विद्यालय के मैदान में दिन गुरुवार को "झकझोर-झूमर" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें बतौर विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता शामिल हुईं तथा प्रतिभागियों का हौसला बढाया. इस दौरान वह भी प्रतिभागियों के साथ मांदर की थाप पर थिरकीं. मौके पर अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति के केंद्रीय उपाध्यक्ष नुनुलाल भुईयां, जिलाध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, स्टेरिंग कमेटी के

प्रतिभागियों के साथ मांदर की थाप पर थिरकतीं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता.

जिलाध्यक्ष रामचंद्र राम, जिला उपाध्यक्ष अशोक राम, भोला राम, जिला महासचिव रंजीत कुमार, जिला सचिव हीरा राम, जिला उपसचिव भिखु राम, जिला प्रवक्ता बुधन राम, जिला महामंत्री सियाचरण राम, जिला कोषाध्यक्ष प्रेम राम, महिला जिला अध्यक्ष रीना देवी, महिला जिला सचिव लक्ष्मी देवी, जिला युवा अध्यक्ष राजु राम, जिला युवा सचिव हिरामन राम एवं युवा उपाध्यक्ष कुलदीप राम आदि मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

स्कूल से भाग जंगल में गांजा पीते हैं विद्यार्थी

किरीबुरु । अपग्रेड उच्च विद्यालय प्रोस्पेक्टिंग, किरीबुरु के कुछ स्कूली छात्र पढ़ने के लिये तो घर से स्कूल के लिये निकलते हैं, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचते हैं. स्कूल के समीप जंगल में घंटों नशा कर छुट्टी समय घर के लिये रवाना हो जाते हैं. ऐसे बच्चे गलत संगत में पड़कर न सिर्फ अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि अपने अभिभावकों का विश्वास व सपना भी चकनाचूर कर रहे हैं. ये बच्चे उक्त स्कूल के बगल में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैम्प के नीचे आवासीय क्षेत्र के समीप जंगल में गांजा पी रहे थे. 12 सितम्बर की दोपहर लगभग एक बजे चार स्कूली बच्चे गांजा का सेवन करते नजर आये. नशे की लत इन्हें चोरी या अन्य अपराध की ओर धकेल सकता है.

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ ने मांगें पूरी नहीं करने पर किया राज्य सरकार का विरोध

प. सिंहभूम में पदाधिकारियों ने काला बिल्ला लगा किया काम

संवाददाता । चाईबासा

काला बिल्ला लगाकर काम करते प्रशासनिक पदाधिकारी.

केंद्रीय कार्यकारिणी, झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के निर्णय के आलोक में पश्चिमी सिंहभूम के पदाधिकारी ने 12 सितंबर को काला बिल्ला लगाकर कार्य किया. 13 सितंबर को भी पदाधिकारी काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे. इस संबंध में झारखंड प्रसाशनिक सेवा संघ पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन में कहा है कि झारखंड प्रशासनिक सेवा के लम्बित मुद्दों के संबंध में राज्य सरकार द्वारा उदासीन रवैया अपनाया जा रहा है. इसलिए सेवा संघ द्वारा 12 और 13 सितंबर को काला बिल्ला लगाकर कार्य करने निर्णय लिया है. पश्चिमी सिंहभूम के सभी झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी काला बिल्ला लगाकर कार्य किया. मालूम हो कि मुख्य सचिव झारखंड को भी इस बाबत ज्ञापन सौंपा था, जिसमें अपनी विभिन्न मांगों को रखा है. इसमें कहा गया है कि झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ ने अपनी सेवा के लंबित मुद्दों को समय-समय पर भवदीय एवं राज्य सरकार के विभिन्न पदाधिकारियों के समक्ष रखा है. लेकिन अब तक कुछ मांगों को छोड़कर हमारी प्रमुख मांग आश्वासन के अलावा कुछ प्राप्त नहीं हुआ है. सरकार के इस उदासीन रवैया से संघ के पदाधिकारी अत्यंत हतोत्साहित हैं. उनमें सरकार के प्रति आक्रोश है. झारखंड प्रशासनिक सेवा की सेवा पुनर्गठन के नाम पर बिहार प्रशासनिक सेवा का हू-ब-हू मॉडल हम पर थोपा जा रहा है. संघ झारखंड प्रशासनिक सेवा का पुनर्गठन चाहती है, लेकिन यह बिहार मॉडल पर आधारित नहीं होना चाहिए. संघ इसका पुरजोर विरोध करता है तथा कैबिनेट के निर्णय को निरस्त करने की मांग करता है. इन सेवाओं के पदाधिकारी अब मात्र 17 वर्ष में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत हो पाएंगे. राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को यह स्थान पाने में 25 वर्षों से भी अधिक का समय लग जाता है. 10 सितंबर को एसडीओ से अपर समाहर्ता एवं समकक्ष स्तर पर प्रोन्नति के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक होने वाली थी. उसे अचानक स्थगित कर दी गई.

प्रशासनिक प्राधिकारियों के मुख्य लंबित मांगे

- झारखण्ड प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सेवा घोषित करते हुए सम्पूर्ण कैडर संरचना को पुनर्गठित किया जाए।
- विभागाध्यक्ष तथा उपायुक्त के पदों को झारखण्ड प्रशासनिक सेवा हेतु कर्णाकित किया जाए.
- अपर सचिव के लिए L. 13A (लेवल-13A) और विशेष सचिव के लिए L-14 (लेवल-14) वेतनमान की स्वीकृति दी जाए.
- झारखण्ड प्रशासनिक सेवा संघ के कार्यालय हेतु राँची में तीन एकड़ भूमि एक रूपये टोकन पर उपलब्ध कराई जाए.
- वर्ष में दो बार नियमित रूप से विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक की जाए ताकि समय पर प्रोन्नति दी जा सके.
- प्रोन्नति पदाधिकारियों को नए पदों पर पदस्थापित करने के बजाए पदों को उत्क्रमित करने की प्रक्रिया तत्काल रोकें.

निरंतर दुर्घटना को आमंत्रित कर रही सड़कों पर बैठी दर्जनों गाय

मीना बाजार चौक, मुख्य सड़क पर बैठी दर्जनों गाय.

संवाददाता । किरीबुरु

मेघाहातुबुरु का सबसे मुख्य व व्यस्त सड़क मीना बाजार चौक से शॉपिंग सेंटर, मेघालया गेस्ट हाउस और ठेकेदार कॉलोनी जाने वाली सड़क पर दिन-रात दर्जनों गायें बैठी रहती हैं. ये प्रतिदिन बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रही है. इन गायों की वजह से अब तक कई लोग सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो चुके हैं. ये गायें सड़क पर गोबर आदि कर चारों तरफ गंदगी फैलाये रहती हैं.

सड़क से गुजरने वाली वाहनों का चक्का जब गोबर पर पड़ता है तो यह गोबर छिटक कर लोगों के कपड़े व शरीर को गंदा कर देते हैं. सबसे खराब स्थिति मीना बाजार चौक और ठेकेदार कॉलोनी की है. यहां से पैदल गुजरना तक मुश्किल है. सेल मेघाहातुबुरु के तमाम बडे.अधिकारी से लेकर सेलकर्मी, दुकानदार व आम लोग निरंतर परेशान हैं.

सभी ने इन पशु पालकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग करना प्रारम्भ कर दी है. उल्लेखनीय है कि किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के सैकड़ों लोग दूध के लिए गाय तो पाल लेते हैं, लेकिन गाय को रखने के लिए इनके पास कोई व्यवस्था नहीं है.

यह अपनी गायों का दूध सुबह और शाम में निकाल खुला छोड़ देते हैं. गाय दिनभर जंगल में चरने जाती है और शाम में वापस आकर मुख्य सड़कों पर ही आराम करने लगती है.

प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के बाद सड़क से हटे पुरुष और महिलाएं

सुबह 5 बजे शुरू ग्रामीणों का सड़क जाम 8 बजे खत्म

डेगची लेकर सड़क जाम कर बैठे ग्रामीण महिलाएं और पुरुष.

जाम स्थल पर ग्रामीणों से बात करते बीडीओ.

- 3 घंटे जाम रहा छोटानागरा-मनोहरपुर-बड़ाजामदा मार्ग
- पानी के लिए ग्रामीणों ने शुरू किया था आंदोलन

संवाददाता । किरीबुरु

पेयजल आपूर्ति व बिजली समस्या को लेकर छोटानागरा पंचायत के ग्रामीणों ने 12 सितंबर की सुबह पांच बजे से बाईहातु चौक के पास अनिश्चितकालिन सड़क जाम कर दिया था. जाम की सूचना मिलते ही वहां पुलिस, प्रशासनिक और विभागीय अधिकारी पहुंचे. उन्होंने आंदोलनकारी ग्रामीणों से वार्ता कर आंदोलन को समाप्त करवाया. ग्रामीणों सुबह आठ बजे सड़क जाम समाप्त कर दिया. सड़क जाम समाप्त होने के बाद बड़ाजामदा-छोटानागरा-मनोहरपुर मुख्य मार्ग पर आवागमन सामान्य हो गई. यह सड़क जाम मुखिया मुन्नी देवगम, सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम, जोजोगुटु मुंडा कानुराम देवगम, छोटानागरा मुंडा बिनोद बारिक, राजाबेड़ा मुंडा जामदेव चाम्पिया, जामकुंडिया मुंडा कुशु देवगम, बाईहातु मुंडा चिंतामणि चाम्पिया, उप मुखिया रमेश हंसदा, सुशेन गोप, मानसिंह चाम्पिया, अमित दास, नीशा व महिला समूह की महिलाएं आदि के संयुक्त नेतृत्व में किया गया था.

मनोहरपुर के बीडीओ शक्तिकुंज के नेतृत्व में पीएचईडी के जेई व एई सड़क जाम स्थल पर पहुंच ग्रामीणों से बात की. बीडीओ ने कहा कि अब बाईहातु गांव स्थित डब्लूटीपी से नियमित शुद्ध पेयजल आपूर्ति होगी. यहां जो भी समस्या है उसे दूर कर दिया जायेगा. बीडीओ ने राकाडबरा, जोजोपी आदि टोला में अधूरा सोलर चालित जलमीनार को ग्रामीणों साथ देखा और पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को जल्द काम पूरा करवा कर पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि छोटानागरा ग्वाला बस्ती स्थित उषा पर्व मनाया जाने वाला लगभग 500 मीटर सड़क की पीसीसी ढलाई जल्द करायी जायेगी. आंदोलन में शामिल ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 100 वर्षों से विभिन्न खदानों की लाल मिट्टी, लौह चूर्ण आदि से प्रदूषित होकर पूरी तरह से लाल हो चुकी छोटानागरा पंचायत के गांवों की तमाम प्राकृतिक नदी-नालों का लाल व दूषित पानी ग्रामीण वर्षों से पीकर बीमार होते व मारे जा रहे हैं. ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन ने कुछ वर्ष पूर्व लगभग 10-12 करोड़ रुपये की लागत से बाईहातु गांव में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर तथा पानी पाइप लाइन बिछाकर छोटानागरा पंचायत के 10 गांवों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति कर रही थी, लेकिन बारिश के मौसम में इस डब्लूटीपी से पिछले एक महीना से पेयजल आपूर्ति को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था. विभाग व प्रशासन को इसकी निरंतर शिकायत करने के बाद भी चालू नहीं किया जा रहा था, जिस कारण मजबूर होकर सड़क पर उतरना पड़ा. उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तमाम गांवों के ग्रामीणों के घर में पानी के लिए नल का कनेक्शन देना था, लेकिन आज तक नहीं दिया गया. कई गांवों में आज तक इस डब्लूटीपी का पानी नहीं पहुंच रहा है. विभिन्न गांव व उसके टोला में सोलर चालित जलमीनार देकर पेयजल समस्या का समाधान किया जाना था लेकिन वह कार्य भी आज तक पूरा नहीं हुआ. यहां की खदानों से प्रतिवर्ष अरबों रुपये डीएमएफटी फंड व राजस्व सरकार को मिल रहा है.

सेल, बीएसएल के निदेशक 13 को एसटीपी का करेंगे उद्घाटन

एसटीपी में तैयारियों को देखते सीजीएम आरपी सेलबम.

संवाददाता । किरीबुरु

सेल, बीएसएल के निदेशक बीरेन्द्र कुमार तिवारी का दो दिवसीय दौरा 13 और 14 सितम्बर को सेल, बीएसएल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, गुवा और चिड़िया खदानों का होगा. बीरेन्द्र कुमार तिवारी 13 सितम्बर को बोकारो से राउरकेला पहुंचेंगे. वहां से सड़क मार्ग से सेल की मेघाहातुबुरु स्थित मेघालया गेस्ट हाउस पहुंचेंगे. मेघाहातुबुरु में निर्मित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन करेंगे.

इस एसटीपी में किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु टाउनशिप स्थित सेलकर्मियों के आवासों के शौचालय से निकलने वाली दूषित पानी को इकठ्ठा कर उसे पुनः आधुनिक तकनीक से फिल्टर कर साफ कर इस्तेमाल विभिन्न कार्यों में किया जा सकेगा. इस तरह का दो और एसटीपी किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु में अलग-अलग बनाया गया है. इन तीन एसटीपी से शहर का गंदा पानी सारंडा जंगल में जाने से पूरी तरह रोका जा सकेगा. इससे वन स्वच्छ व शुद्ध रहेगा. निदेशक के आगमन से पूर्व मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम एसटीपी स्थल पहुंच तैयारियों का जायजा लिया और जरुरी निर्देश दिये. इसके अलावे निदेशक सेल द्वारा संचालित किरण व सौभाग्य स्वरोजगार केन्द्र, सारंडा सुवन छात्रावास, एकलव्य आर्चरी अकादमी, स्व. जयपाल सिंह मुंडा डे-बोर्डिंग हॉकी अकादमी आदि का निरीक्षण कर सेल के होनहार सेलकर्मियों को सम्मानित करेंगे. कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों के साथ बैठक एवं मेघालया गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे. 14 सितम्बर को सेल की गुवा व चिड़िया खदान क्षेत्र का दौरा कर अधिकारियों से वार्ता करेंगे. सभी स्थानों पर तैयारियां जोर शोर से प्रारम्भ हैं.

न्यूज अपडेट

सेल, गुवा प्रबंधन 18 सीएसआर गांवों में बांट रहा मच्छरदानी

किरीबुरु । सेल की गुवा खदान के मुख्य महाप्रबंधक कमल भास्कर के नेतृत्व में गुवा खदान के अंतर्गत आने वाले सीएसआर गांवों में अनिल कुमार, उप महाप्रबंधक (सीएसआर) द्वारा मच्छरदानी का वितरण शुरू किया गया. उन्होंने कहा कि 11 सितम्बर को 4 गांवों बड़ा जामकुंडिया, छोटा जामकुंडिया, दुइया, रोआम में ग्रामीणों के बीच मच्छरदानी वितरण किया गया है. शेष 14 सीएसआर गांवों में मच्छरदानी वितरण चार दिनों में किया जाएगा. गुवा खदान के अंतर्गत आने वाले सभी 18 सीएसआर गांवों में कुल 1100 मच्छरदानियां वितरित की जाएंगी. बारिश के मौसम में मच्छरों और मलेरिया का प्रकोप काफी बढ़ गया है. ऐसे में अपने 55 सीएसआर गांवों के ग्रामीणों को मलेरिया व मच्छरों के प्रकोप से बचाने हेतु यह प्रयास जारी है.

चक्रधरपुर के नए सीओ अनुज टेटे ने किया पदभार ग्रहण

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के नए अंचलाधिकारी (सीओ) अनुज टेटे ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया. इस मौके पर अंचलाधिकारी (सीओ) गिरिजानंद किस्कू ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें पदभार सौंपा. गिरिजानंद किस्कू का स्थानांतरण गिरिडीह जिला के पीरटांड़ हो गया है. गुरुवार को नए सीओ अनुज टेटे के पदभार ग्रहण करने पर प्रखंड व अंचल कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. वहीं बुधवार शाम विदाई समारोह का आयोजन कर सीओ गिरिजानंद किस्कू को विदाई दी गई थी.

परिवहन मंत्री ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन, ग्रामीण खुश

चाईबासा । टोंटो प्रखंड के डाउडांगुवा एवं सेरेंगसिया मुंडा टोली में गुरुवार को मंत्री दीपक बिरुवा ने ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया. मंत्री ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया. इसके बाद स्विच दबते ही फिर से दोनों गांव बिजली की रोशनी से जगमगा उठा. डाउडांगुवा में पिछले कई सालों से ट्रांसफार्मर खराब था. इसके कारण गांव के लोग अंधेरे में रहने को विवश थे. लंबे समय बाद गांव में पुनः बिजली आने से लोगों में हर्ष का माहौल है. गांव में लगे ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी गांव के लोगों ने मंत्री को दी थी. इसके बाद मंत्री ने नया ट्रांसफार्मर लगवाया.

जगन्नाथपुर पुलिस ने लूट की स्कूटी को किया बरामद

चाईबासा । जगन्नाथपुर पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में 11 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर चोरी गई स्कूटी एवं मोबाइल के साथ एक अपराधी को शिव मंदिर जगन्नाथपुर के पास गिरफ्तार किया. मालूम हो कि पुलिस अधीक्षक चाईबासा के निर्देशानुसार गठित टीम ने 11 अगस्त को जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत सुबह करीब 10 बजे कोलायसाई गांव के पास मुख्य सड़क से वादिनी कुनी गागराई, पति- सेलगल गागराई, ग्राम लुपुंगपी, थाना- कुमारडुंगी से अज्ञात अपराधी ने वादिनी का स्कूटी (ओडी09के-6062) एवं मोबाइल लूट लिया था. इस संबंध में जगन्नाथपुर थाना में मामला दर्ज किया गया था.

पारगामा में वार्षिक इंद मेला 15 को, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा

स्वपन चंद्र महतो, अध्यक्ष

चांडिल । चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकड़ प्रखंड क्षेत्र के पारगामा में आयोजित होने वाला इंद मेला इस वर्ष 15 सितंबर को होगा. इसकी जानकारी मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष स्वपन चंद्र महतो ने दी. उन्होंने बताया कि प्रत्येक साल एक दिवसीय प्रसिद्ध इंद मेला का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक किया जाता है.

इस वर्ष प्रसिद्ध झारखंडी इंद मेला में झूमर संस्कृतिक व नृत्य कार्यक्रम होगा. झूमर सांस्कृतिक कार्यक्रम में जंगल महल महिला झूमर दल ऊपर बाटरी, कोटशीला, पुरुलिया की महिला झूमर शिल्पी अंबिका महतो, गोविंदलाल महतो, झूमर उस्ताद भोलानाथ महतो व राजदूत महतो झूमर पेश करेंगे.

वहीं सोनारी जमशेदपुर के रघु एंड माही डांस ग्रुप द्वारा आदिवासी, बंगला एवं हिन्दी गानों में रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में परंपरा धूमिल होती जा रही है. युवाओं को अपनी परंपरागत सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने के लिए आगे आने की जरूरत है. हमारे क्षेत्र से नटुवा नाच, घोड़ा नाच समेत कई परंपरागत नृत्य शैली अब विलुप्त हो चली है.

मेला को लेकर पारगामा में तैयारी जोरों पर चल रही है. मेला देखने के लिए यहां दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं. मेला में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो समेत कई जनप्रतिनिधि और ग्राम प्रधानों को आमंत्रित किया गया है.

बंदगांव में प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता । चक्रधरपुर

बंदगांव प्रखंड के भगवान बिरसा मुंडा स्टेडियम में प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य जसमीन हमसाय, बीईईओ रंजना पांडेय एवं बीपीओ काली चरण गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर और हरी झंडी दिखा कर किया. बीईईओ रंजना पांडे ने कहा कि सहाय योजना के तहत राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है. स्कूली बच्चों के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है, इसलिए बच्चे पढ़ाई के साथ खेल में भी लगन और तन्मयता रखें. भविष्य बनेगा. जिप सदस्य ने कहा कि खेल भी जीवन का एक अभिन्न अंग है. हम खेल के माध्यम से भी अपना करियर बना सकते हैं. बीपीओ काली चरण गुप्ता ने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भी ध्यान दें. सरकार खेलाड़ियों को हरसंभव मदद कर रही है.

बाल लीला की कथा सुनकर झूमे श्रद्धालु

संवाददाता । चांडिल

कथा सुनाते कथावाचक पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री.

चांडिल बाजार के डैम रोड स्थित मुनका धर्मशाला में श्रीमद्भागवत कथा विशिष्ट प्रसंग गुरुवार को बाल लीला व गोवर्धन पूजा का महात्म्य बताया गया. भगवान श्री कृष्ण और श्री राम के बाल लीला की कथा सुनकर उपस्थित श्रद्धालु झुमने लगे. श्रीधाम वृंदावन से आए कथावाचक पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री जी महाराज के द्वारा बाल लीला की सुमधुर व्याख्यान से श्रद्धालु भक्ति में आत-प्रोत नजर आए. छठे दिन शुक्रवार को महारास लीला एवं रूकमणी विवाह का प्रसंग होगा. श्रीमद्भागवत कथा के सातवें और विश्राम के दिन सुदामा चरित पर कथा सुनाने के बाद भागवत को विश्राम दिया जाएगा. कथा विश्राम के दिन मुनका धर्मशाला में हवन यज्ञ कर पूर्णाहूति दी जाएगी. पूर्णाहूति अनुष्ठान संपन्न होने के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा. डैम रोड स्थित मुनका धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा अनुष्ठान में प्रतिदिन चांडिल बाजार समेत आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं. मुनका धर्मशाला में कथावाचक के सुंदर व्याख्यान से श्रोता मंत्रमुग्ध हो रहे हैं. कथा प्रतिदिन दोपहर बाद चार से सात बजे तक हो रहा है. सप्ताह व्यापी श्रीमद्भागवत कथा विशिष्ट प्रसंग रविवार को कलश स्थापना के बाद श्रीमद्भागवत पूजन और भागवत का महत्व व्याख्यान से प्रारंभ हुआ था.

दुर्गोत्सव | चंदन नगर की लाइट से जगमगाएगा चांडिल बाजार, तैयारी शुरू, प्रतिदिन होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

दुर्गा पूजा पर महिला ढाकी दल होगा आकर्षण का मुख्य केंद्र

- बच्चे व महिलाएं करेंगे अपनी कला का प्रदर्शन

संवाददाता । चांडिल

शारदीय नवरात्र के अवसर पर आयोजित होने वाले दुर्गोत्सव के दौरान चांडिल बाजार में इस वर्ष महिला ढाकी दल आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा. दुर्गोत्सव के लिए कोलकाता से महिला ढाकी दल को आमंत्रित किया गया है. वहीं चांडिल बाजार क्षेत्र इस वर्ष भी दुर्गोत्सव के दौरान चंदननगर की लाइटों से जगमगाएगा. स्थानीय बच्चों और महिलाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए शारदीय दुर्गोत्सव के दौरान प्रतिदिन कार्यक्रम होंगे.

सार्वजनिन पूजा कमेटी की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी और सदस्य.

सार्वजनिन पूजा कमेटी चांडिल बाजार की ओर से आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा को लेकर कमेटी की बैठक हुई. बैठक में तय किया गया कि दुर्गा पूजा का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा. इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं. सार्वजनिन पूजा कमेटी इस वर्ष अपने आयोजन का 151वां वर्ष मना रहा है. यहां 1873 में पहली बार दुर्गा पूजा हुई थी.

एक परिवार के मूर्तिकार बनाते आ रहे प्रतिमा

चांडिल बाजार में होने वाली दुर्गा पूजा का एक खास बात है कि यहां देवी की प्रतिमा का निर्माण प्रारंभ से एक ही परिवार के मूर्तिकार करते आ रहे हैं. दुर्गोत्सव के दौरान पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना अंतर्गत चौडिदा के मूर्तिकार सिदाम दत्त ने पहली बार देवी दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण किया था. अब उनके वंशज प्रतिमा का निर्माण करते हैं. यहां एक खास बात और है कि चांडिल बाजार में प्रारंभ से लेकर अब तक डाकमुकुट प्रतिमा का ही निर्माण किया जाता है. दुर्गोत्सव के दौरान देवी की पूजा भी एक ही पंडित परिवार द्वारा की जा रही है. सार्वजनिन पूजा कमेटी चांडिल बाजार का सबसे उल्लेखनीय बात है कि यहां कमेटी में विवाहित बेटी व बहुओं को भी भागीदारी दी गई है. पूजा संपन्न कराने के लिए अभिजीत दा को अध्यक्ष, मिलन प्रमाणिक को सचिव व आशीष कुंडू को कोषाध्यक्ष चुना गया. इसके साथ ही राहुल राय व उदित खां को उपाध्यक्ष, बंटी दा व सौरभ दा को सह सचिव, पार्थो कुंडू सह कोषाध्यक्ष व आईटी सेल के लिए पृथु सिन्हा का चयन किया गया है.

चाईबासा शहरी क्षेत्र में कड़ा से लागू होगी नो इंट्री लागू

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन ने कहा कि शहरी क्षेत्र में मालवाहक वाहन द्वारा जहां-तहां पार्किंग कर रोड को जाम किया जा रहा है. कई मालवाहक वाहन रात को शहर में इंट्री कर दिन में जहां-तहां खड़ा कर सड़क ब्लॉक कर रहे हैं, जिस कारण दुर्घटना होने एवं विधि व्यवस्था की समस्या भी उत्पन्न हो रही है. उन्होंने बताया कि चाईबासा शहरी क्षेत्र में सुबह 5.30 बजे से दोपहर 8.30 बजे तक नो इंट्री लागू है. इसे कड़ाई से लागू किया जाएगा. उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी/अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि शहर अंतर्गत मेन रोड या कोई भी चौक-चौराहे पर किसी भी प्रकार का मालवाहक ट्रक खड़ा नहीं होगा. औचक निरीक्षण के दौरान आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए.

मरीजों के इंसाफ का सवाल

सर्वोच्च अदालत के आदेश के बावजूद ड्यूटी पर बहाली को लेकर आरजी कर अस्पताल के प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टरों और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है. डॉक्टरों ने राज्य सरकार के साथ बातचीत के लिए नई शर्तें रखीं. पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पूछा कि रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के लिए न्याय चाहते हैं या राजनीति प्रेरित अभियान चलाना. बंगाल सरकार ने बिना शर्त वार्ता की पेशकश की है. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है. राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है. निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है. लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते. पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है. ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए. उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था. लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया. एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है. सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है. राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए. निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता. साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा. निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए.

> सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है.

सुभाषित

उपार्जितानां वित्तानां त्याग एव हि रक्षणम् ।
तडागोदरसंस्थानां परीवाह इवाम्भसाम् ।।

कमाए हुए धन का त्याग करने से ही उसका रक्षण होता है. जैसे तालब का पानी बहते रहने से साफ रहता है. संत कवि कबीरदास ने कहा है, जो जल बाढ़ नाव में घर में बाढ़े दाम, दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम. यानी नाव में पानी बढ़ जाये और घर में धन बढ़ जाये तो दोनों हाथों से उसे उलीच देना चाहिए.

इहलौकिकता और सर्वधर्म समभाव

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तृवाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में इसे लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

आम तौर पर धर्मनिरपेक्षता, इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही चीज माना जाता रहा है. यह धारणा सबसे अधिक गांधीवादियों ने विकसित की. भारत का संविधान स्टेट को सेक्युलर अथवा इहलौकिक घोषित करता है. संविधानसभा ने इस पर ही अपनी मुहर लगाई थी, लेकिन कांग्रेस के अधिकांश नेता सर्वधर्मसमभाव में यकीन करते थे, सेकुलरवाद में नहीं. गांधी इसके अगुआ थे. यह भी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में वहां इहलौकिक-धर्मनिरपेक्ष तबीयत के लोग भी थे. जवाहरलाल नेहरू और सुभाष बोस जैसे लोग साइंटीफिक टेंपर और स्टेट की धर्म से निरपेक्षता में यकीन करते थे. कांग्रेस की छतरी से बाहर काम करने वाले भगत सिंह भी इसी विश्वास के थे. दलित प्रश्न पर सक्रिय डॉ अम्बेडकर तनिक भिन्न तबीयत के थे. मनुष्य के लिए वह धर्म की जरूरत समझते थे, किन्तु उनका धर्म ईश्वरनिरपेक्ष और वैज्ञानिक चेतना से संपन्न था. यह विचार धर्म की प्रचलित अवधारणा से भिन्न है. इसके लिए उन्होंने पुराने बौद्ध धर्म को कुछेक संशोधनों के साथ स्वीकार किया था. उनकी धर्म-क्रांति एक दिलचस्प विषय है, जिस पर उस तरह चर्चा नहीं हुई, जैसी होनी चाहिए थी.

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तृवाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में इसे लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये. इस तरह इहलौकिकता के विश्वास को वैज्ञानिक आधार मिल गया. जो प्रकृति और जीवों के विकासवादी सिद्धांत की जगह किसी सृष्टिकर्ता के होने में विश्वास करता है, वह इहलौकिक अथवा सेक्युलर नहीं हो सकता. बौद्ध और जैन मत को छोड़ कर दुनिया के प्रायः सभी संस्थागत धर्म-मजहब किसी न किसी तरह के कर्तृवाद में यकीन करते हैं. सेमिटिक या इब्राहिमी धर्म तो ईश्वर को जगत से पृथक अवस्थित बताते हैं. भारत के सनातनी मत में द्वैत के साथ एकात्म या अद्वैत की भी अवधारणा है जिसके अनुसार ईश्वर और जीव अलग नहीं, एक साथ है. इस्लामी सूफीवाद में इस अवधारणा को अनलहक कहा जाता है, जो इस्लाम की मूल अवधारणा के अनुसार गलत है. इस तरह धर्म-मजहब ईश्वर के विचार से इतना गुत्थम-गुत्थ हो गया कि इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही अर्थ में रखना मुश्किल हो गया. आधुनिकता और लोकतांत्रिक विश्वासों ने जब राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित किया, तो वहां धर्म और उससे समाज की निरपेक्षता के विचार सामने आये. राजनीति में इसका अर्थ हुआ स्टेट का किसी मजहब से अलग होना. यह ख्याल धीरे- धीरे विकसित हुआ. दुनिया के विभिन्न हिस्सों में यह अपने हिसाब से हुआ. हमारे देश में भी. अंग्रेजों के भारत में राजनीतिक स्तर पर मजबूत होने के साथ यहां की रजवाड़ी-सामंती राजनीतिक व्यवस्था कमजोर हुई. ब्रिटिश संसदीय लोकतंत्र किसी न किसी रूप में यहां चर्चित हुआ. 1947 तक भारत का दो तिहाई क्षेत्र ब्रिटिश कॉलोनी था, तो एक तिहाई देशी रजवाड़ी व्यवस्था के तहत था. कश्मीर, हैदराबाद, ग्वालियर, जूनागढ़ जैसी दर्जनों बड़ी रियासतें तो थीं ही, सैंकड़ों छोटी रियासतें भी थीं. जैसे राजस्थान का लगभग नब्बे फीसद हिस्सा इन छोटी रियासतों से भरा था. इन तमाम देशी रियासतों में सामाजिक पिछड़ापन बना रहा और लोकतांत्रिक आधुनिक गतिविधियां सुस्त रहीं. इसका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है.

यूरोप में धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता के विचार अधिक तेजी से फैल रहे थे. जैसा पहले बतलाया कम से कम राजसत्ता को धर्मनिरपेक्ष रखने का आग्रह तो मजबूत होता जा ही रहा था. पोप और चर्च की ताकत सिमट रही थी. प्रथम विश्वयुद्ध के साथ जब उस्मानिया राज का अंत हुआ तब एक मुस्लिम देश तुर्की में भी एक सामाजिक क्रांति हुई और एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यक्तित्व अतातुर्क कमाल पाशा का अभ्युदय हुआ. भारत की परेशानी यह रही कि इसी वक्त खिलाफत आंदोलन आरम्भ हो गया, जो उस्मानिया राज और खिलाफत के समर्थन में था. गांधी इसका नेतृत्व कर रहे थे. खिलाफत के समर्थन में हजारों कट्टर मुसलमान ब्रिटिश राज को शत्रु भूमि मान कर इस से बाहर (हिजरत पर) चले गए. ऐसे लोगों को मुजाहिर कहा जाता है. लगभग बीस हजार मुजाहिर इस क्रम में मरे. कमाल तो यह था कि इन्हीं धर्मांध मुजाहिरों में से तीन (सफीक सिद्धकी, अहमद हसन और शौकत उस्मानी) ताशकन्द में गठित (1920) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक भी बने. ऐसे में जहां राष्ट्रीय और वाम आंदोलन शुरू से ही विचार के स्तर पर दिग्भ्रमित रहा, वहां दूसरी गतिविधियां कितना सेकुलर हो सकती थीं. आधुनिकता के वैश्विक प्रभाव में हमारा संविधान जरूर सेकुलर हुआ, लेकिन साइंटीफिक टेंपर को वहां व्यवस्थित करना संभव नहीं हुआ. व्यवहार में (आंशिक तौर पर ही सही) सर्वधर्मसमभाव ही स्वीकार हुआ.

धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता पर व्यापक विमर्श आज भी हमारी सामाजिक-राजनीतिक जरूरत है. नयी पीढ़ी को तो इसमें रुचि लेनी ही चाहिए. पुरानी धार्मिक मान्यताओं (इस में सभी धर्मों को रखा जाना चाहिए) के साथ हम भविष्य की यात्रा नहीं कर सकते. मनुष्य जाति को धर्म और आध्यात्म की जरूरत होगी. लेकिन

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

ताकि जीवन व्यर्थ न हो

जीवन व्यर्थ के काम करने के लिए नहीं बल्कि सार्थक काम करने के लिए मिलता है. सकारात्मक कार्य करने के बजाय निंदा जैसे नकारात्मक कार्य से पाप नहीं तो और क्या होगा? जिह्वा को रसना भी कहते हैं. जिह्वा नाना पदार्थों का रस लेती है. लेकिन इसे कभी तृप्ति नहीं मिलती. यह रस ढूढ़ती रहती है. निंदा रूपी रस से भी इसकी तृप्ति नहीं होती. वास्तव में इसे राम नाम रुपी रस चाहिए होता है. राम नाम रुपी रस छककर पी ले तो फिर अन्य रस या निंदा रस इसके लिए बेरस हो जाता है. जिह्वा को राम नाम रुपी रस पिलाने जैसा सार्थक और सकारात्मक कार्य और क्या हो सकता है? निंदा रस में गोते लगाकर लोग राम नाम रुपी रस से बंचित रहते हैं. और उनका समय इसी में जाया होता रहता है कि अब किससे और कैसे और किसके बारे में क्या कहें? निंदा करने से नकारात्मक सोच बढ़ती जाती है. इससे मन और मस्तिष्क प्रभावित होता है. विकास अवरुद्ध होता है. जिसकी निंदा की जाती है, उसका पाप निंदा करने वाल प्राप्त करता रहता है. गोस्वामी जी ने सारगर्भित बात कही है- अघ कि पिसुनता सम कोई आना. पिशुनता का आशय हुआ चुगली करना. क्या चुगली करने के समान दूसरा कोई पाप है? मतलब चुगली करना बड़ा पाप होता है. इसलिए हमें चुगली नहीं करनी चाहिए. चुगली से भी परपीड़ा होती है. चुगली से झगड़ा, क्लेश, टकराव आदि पैदा हो जाते हैं. लोगों में अलगाव हो जाता है. जबकि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए. इस कारण से भी यह पाप हुआ. चुगली से बड़े-बड़े अनर्थ हो जाते हैं. चुगली तो पति-पत्नी को भी अलग करा सकती है. फिर इसके समान और पाप क्या हो सकता है? गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज एक ऐसा देश-समाज चाहते थे जिसमें सभी लोग सकारात्मक काम करें. निर्माणकारी कार्य करें. जिससे देश समाज का उत्थान हो. सकारात्मक काम करने के लिए सकारात्मक सोच चाहिए. जो चुगली और पर निंदा से नहीं आएगी. जब लोग एक दूसरे से लड़ते रहेंगे, क्लेश, झगड़ा-लड़ाई, मार-काट, परपीड़ा आदि व्याप्त रहेंगी तो क्या होगा? जब हम अच्छा सोचेंगे. तभी अच्छा करेंगे. अच्छा करेंगे तो देश-समाज में तरक्की होगी. खुशहाली आएगी. सब लोग एक दूसरे की मदद करेंगे तो प्रेम बढ़ेगा. कोई किसी को पीड़ा नहीं देगा तो सुख-शांति रहेगी.

इंसानी बुद्धिमत्ता बेहतरी का पूरक

• एआई

मुकुल व्यास

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है. अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं. वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है. आज पूरी दुनिया में एआई हावी है. इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा. भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद, भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है. अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं. एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं. अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है. अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है. संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है. चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है, जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है. दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं. 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं. इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं. रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है. इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है. ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना. अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है. आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है. एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं. यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी. सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 % है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 % और 22.8 % हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं.

मणिपुर : आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां

• सामयिकी

बीएल वोहरा

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है. इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा. जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है, वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं, लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं. मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, ये सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं. या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है. हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं. सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए. उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी. कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं, क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं. चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है. मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है. इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है. कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है. पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया.कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं. दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं. फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है. चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं. चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है. गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया था–एक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था. जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए. उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार'है. यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है. मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है. अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नज़र रखे हुए होंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी.

मीडिया में अन्यत्र

लोक लेखा : नवगठित लोक लेखा समिति

बीते एक दशक से सामान्य बहुमत से ज़्यादा सीटों के साथ संसद पर काबिज केंद्र सरकार ने संसदीय जिम्मेदारी की सार्थकता से लगातार कन्नी काटती रही. हालांकि, अब गठबंधन के साथ बीजेपी केंद्र की सत्ता में है और काफी हद तक उसकी निर्भरता अपने सहयोगी दलों के ऊपर है. साथ ही, विपक्ष भी पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत है. बदले हुए हालात ने कार्यपालिका के काम-काज पर संसदीय निगहबानी का एक अवसर तैयार किया है. ताजा-ताजा गठित हुई लोक लेखा समिति (पीएसी) की सक्रिय शुरुआत इसकी बानगी है. इसने 2 सितंबर को अपने कार्यकाल के दौरान विचार-विमर्श के लिए चुने गए 161 विषयों की सूची जारी की, जिसमें से ज्यादातर विषय सीएजी की रिपोर्ट पर आधारित हैं. पैनल ने पांच विषयों को स्वतः संज्ञान लेते हुए चुना है- बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में सुधार, केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्यवन की समीक्षा, ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव के लिए चल रहे नीतिगत उपाय, संसद के अधिनियमों द्वारा स्थापित नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली और विनियमन. कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली पीएसी ने उस नियम का इस्तेमाल किया है जिसमें यह साफ तौर पर बताया गया है कि इसके काम-काज का दायरा 'खर्च की औपचारिकता से परे, इसकी बुद्धिमत्ता, निष्ठा और मितव्ययिता' तक जा सकता है. इस नियम का इस्तेमाल कभी-कभार ही हुआ है और हुआ भी है तो अक्सर राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए. हालांकि, पीएसी ने जो विषय चुने हैं उनके भी राजनीतिक निहितार्थ हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इन विषयों से जनहित का बड़ा मुद्दा जुड़ा हुआ है.इस संवैधानिक समिति की मूल कल्पना यही है कि देश के वित्त को भारतीय संसद नियंत्रित करती है. कोई भी कर कानून पारित करके ही लगाया जा सकता है. सरकार को अपने सभी खर्चों के लिए विनियोग विधेयक पेश करके संसद से पहले ही मंजूरी लेनी होती है. सीएजी एक संवैधानिक निकाय है, जो सरकार के सभी विभागों के वित्तीय कामकाज की जांच और उसकी ऑडिट करता है. इसकी सभी रिपोर्ट पीएसी को भेजी जाती है, जो सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण संसदीय पैनलों में से एक है. अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर डालने वाले लोगों और योजनाओं को चुनने के सरकारी तौर-तरीकों पर हाल के वर्षों में 'क्रोनी कैपटलिज्म' के कई गंभीर आरोप लगे हैं. सरकार ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

संधि/समास

दो शब्द जब आपसी भेदभाव भूल कर एक साथ चल पड़ते हैं तो जो जोड़ी बनती है, वह संधि या समास कहलाती है. शब्दकोशों में इन दोनों को एक दूसरे का समानार्थी माना गया है. शब्दकोशों के अनुसार संधि का मतलब है मिलना, जुड़ना, मेल, संयोग, ऐसा स्थान जहां अनेक चीजें आपस में जुड़ी हों, जोड़, जहां कई हड्डियां आपस में जुड़ी हों, गांठ, ज्वाइंट, खाली जगह, अवकाश, दरार, दोस्ती, मित्रता, भेद रहस्य. इसी प्रकार समास का अर्थ है योग, मिलाप, मेल, युति, संधि, व्याकरण के अनुसार दो या अधिक पदों को मिलाकर एक शब्द बनाना, शब्द संयोजन, समर्थन, संग्रह, संक्षिप्त करना. मुख्य समानता यह है कि दोनों जोड़ने का भाव रखते हैं. अब अंतर पर नजर डालते हैं. संधि का शाब्दिक अर्थ– 'मेल' है, जबकि समास का शाब्दिक अर्थ– 'संक्षेपण' है. संधि में वर्णों का योग होता है, जबकि समास में पदों का. संधि में जिन शब्दों का योग होता है, उसका मूल अर्थ परिवर्तित नहीं होता, जबकि समास में बने शब्दों का मूल अर्थ परिवर्तित हो जाता है. संधि में वर्णों का अतिशय सामीप्य होता है, जबकि समास में पद सामीप्य होने पर भी पदों में परस्पर अन्वय की इच्छा बनी रहती है. संधि में दो वर्णों के मेल से विकार की संभावना रहती है, जबकि समास में दो पदों के मेल से उनमें संयोजक चिह्न ही लुप्त हो जाता है. संधि में विभक्ति या शब्द का लोप नहीं होता, जबकि समास में विभक्ति या पद का लोप हो सकता है. समास में जब समस्त पद बनते हैं तो उसमें विभक्ति चिह्न या अन्य पद लुप्त हो जाते हैं, इसके विपरीत संधि में वर्णों का रूप परिवर्तन होता है. संधि केवल तत्सम पदों में होती है, जबकि समास संस्कृत, हिंदी एवं उर्दू सभी पदों में होता है. समास होने पर संधि अवश्य होती है, जबकि संधि होने पर समास का होना अनिवार्य नहीं है. समास में पूरे शब्द या वर्ण का लोप होता है, जबकि संधि में एक मात्रा या व्यञ्जन का लोप होता है.

जितने रंग के जूते, उतने रंग के फीते

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

फीतों के रंग जूतों के हिसाब से बदलते रहते हैं. काले जूतों में काला फीता ही फबता है. ब्राउन जूते में ब्राउन फीता ही डाला जाता है. किरमिच के स्पोर्ट्स जूते प्रायः सफ़ेद और पीले रंग के होते हैं, उनमें ज़ाहिर है क्रमशः सफ़ेद और पीले फीते पड़ते हैं. किस्सा कोताह, जिस रंग का जूता उसी रंग का फीता. असल बात मैचिंग की है. जूते और फीते की यह मैचिंग साड़ी के फ़ाल की तरह कठिन तो नहीं होती, लेकिन उसी की तरह ज़रूरी तो होती ही है. दफ्तर के लिए मैं तैयार हो रहा था. जैसे ही जूता कसने लगा की फीता टूट गया. मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ कि मुझमें इतनी ताकत कहां से आ गई कि वह जूते के फीते जैसी मज़बूत चीज़ तोड़ दे. मरता क्या न करता, फटे-पुराने ब्राउन जूतों में से ब्राउन रंग का एक फीता निकाला गया और उसी को काले जूते में पिरो कर काम चलाया गया. दफ्तर में खूब भद्द उडी. काले जूते में ब्राउन फीता, वाह! क्या 'मैच' है! कितनी दादागीरी है. आप चाहें इसे ज़बरदस्ती कहें या फीताशाही. लेकिन है तो है! फीते के रंग तो तरह तरह के होते ही हैं, काम के हिसाब से उसके कई प्रकार हैं. अभी हमने जूते के फीतों की बात की, लेकिन गोटे-किनारों की तरह कपड़ों के हाशिए पर लगने वाले सूत या रेशम की पतली पट्टी के रूप में भी फीते ही होते हैं. और निवाड़ की वह पतली धज्जी भी फीता ही होती है, जिससे फाइलें, बांधी जाती हैं. वह दफ्तर ही क्या जिसमें फाइलें न हों और वो फाइल ही क्या जो फीते से न बंधी हो. फाइलों के फीते अधिकतर लाल रंग के होते हैं. ये लाल रंग के क्यों होते हैं, ये आजतक किसी को पता नहीं चला. इस पर रिसर्च होनी चाहिए. वे यदि लाल रंग के न भी हों तो भी उन्हें लाल रंग का ही माना जाता है – फाइलों के फीतों के लाल रंग का इतना आतंक है ! इसीलिए तो इसे 'लाल फीताशाही' नाम से नवाज़ा गया है. लाल रंग, जैसा कि आप सभी जानते हैं, एक उभयमुखी, क्या कहते हैं उसे अंग्रेज़ी में, 'अम्बीवलेंट', रंग है – एक साथ प्रेम का प्रतीक भी है और आतंक का द्योतक भी है. लाल फीते वाली फाइलें दफ्तर को बड़ी प्रिय होती हैं, वे बाबुओं को "प्रसन्न" कर देती हैं. उनमें यह ताकत होती है कि वे प्रसन्न कर सकें, लेकिन वे डराती भी खूब हैं. उनमें ऐसे उत्साही और साहसी लोग होते हैं जो यह जोखिम उठा लेते हैं. पकडे गए तो जोखिम की कमाई की रकम से ही भरपाई भी कर देते हैं. ऐसे लोगों की संख्या आजकल दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है. भारत के विकास में उनका बड़ा योगदान है. सुना है आजकल सरकार सख्त फीतों के साथ बेरहम होती जा रही है और उनका रंग बदलने पर आमादा है. वह लाल फीताशाही समाप्त करना चाहती है. एक बड़े दफ्तर के बाबू से मेरी मुलाकात हुई. कहने लगे सरकार के चाहने से क्या होता है? लाल फीताशाही तो सनातन है और हमेशा बनी रहेगी.

धर्म अध्यात्म

संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी अनंत

आचार्य अजय मिश्रा

अनंत भगवान ने सृष्टि के आरंभ में चौदह लोकों की रचना की थी. इन लोकों के पालन के लिए वह चौदह रूपों में प्रकट हुए. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु को समर्पित अनंत चतुर्दशी का पर्व मनया जाता है. इस पूजा में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना की जाती है. अनंत यानी जो कभी समाप्त नहीं होता. ऐसी मान्यता है कि अनंत पूजा करने से जीवन के कष्ट, संकट और दुःखों का नाश होता है और भगवान विष्णु की कृपा से सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त होती है. विशेष रूप से विष्णु भक्तों के लिए इस पूजा का महत्व अधिक होता है.

▪ **भगवान विष्णु का प्रतीक है सूत्र**

अनंत पूजा में अनंत धागे का विशेष महत्व होता है. यह एक रेशमी धागा होता है, जिसमें 14 गांठें होती हैं. इसे पुरुष अपनी दाहिनी कलाई पर और महिलाएं अपनी बाईं कलाई पर बांधती हैं. ऐसा माना जाता है कि इस धागे को बांधने से भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, सुख, और समृद्धि आती है और वह अनंतकाल तक सुरक्षित रहता है. यह सूत्र भगवान विष्णु का प्रतीक होता है और माना जाता है कि इसे बांधने से उनके जीवन में सुख, समृद्धि और सुरक्षा बनी रहती है.

▪ **ग्रह दोष होते दूर**

अनंत पूजा के माध्यम से ग्रह शांति प्राप्त करने की भी मान्यता है. सनातन धर्म में, ग्रहों की स्थिति का जीवन पर गहरा प्रभाव माना जाता है, और ग्रहों की अनुकूलता के लिए विभिन्न पूजा-अनुष्ठान किए जाते हैं. अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से ग्रह दोष और जीवन में आने वाली समस्याओं का निवारण होता है. अनंत भगवान को अनंत काल और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा से जीवन के कष्ट, रोग और ग्रह दोषों से मुक्ति पाने की आस्था होती है. विशेष रूप से कुंडली में यदि शनि, राहु, या केतु जैसे ग्रहों की अशुभ स्थिति हो, तो अनंत पूजा से उनकी नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और व्यक्ति के जीवन में शांति, स्थिरता और सफलता प्राप्त होती है. इस पूजा में भगवान विष्णु से विशेष रूप से ग्रहों की अशुभ दशाओं से मुक्ति और जीवन में समृद्धि तथा शांति की प्रार्थना की जाती है. अनंत पूजा से राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार और समृद्धि का दाता माना जाता है. राजयोग, आर्थिक, समाजिक, और राजपद की प्राप्ति होती है.

▪ **समाज में मिलती प्रतिष्ठता**

अनंत चतुर्दशी के दिन उनकी आराधना से व्यक्ति को न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुख और शांति मिलती है, बल्कि उसे सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी सफलता और वैभव की प्राप्ति होती है. ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति से अनंत पूजा करता है, उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार होती है और उसे समाज में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है. यदि कोई व्यक्ति शासन या उच्च पद पर है, तो उसे राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. यह पूजा भगवान विष्णु की अनंत कृपा से व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, समृद्धि, और दीर्घकालिक सफलता लाने में सहायक मानी जाती है. इस पूजा से राज्य से जुड़ी बाधाएं और समस्याएं भी दूर होती हैं, जिससे शासन में स्थिरता और विकास होता है. इस प्रकार, अनंत पूजा के माध्यम से राज्य सुख, वैभव और समृद्धि की प्राप्ति संभव होती है.

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है.

पितृपक्ष

व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का अनुष्ठान

श्राद्ध मानव जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्म है. अपने पितरों को श्रद्धा से किए जाने वाले कर्म और अनुष्ठान के कारण इस अनुष्ठान को श्राद्ध कहा गया है. आश्विन में पृथ्वी चंद्रमा के नजदीक होती है, तब सूर्य की अधिकतम रोशनी चंद्रमा के उर्ध्व भाग पर पड़ने के कारण पितृ के प्राण जाग्रत हो जाते हैं. इसी अवधि में चंद्रमा दक्षिणायन होकर परिक्रमा एवं घूर्णन प्रारंभ करता है. संक्रमण के इस अवधि में पितृगण अधोमुखी होकर पृथ्वी पर अपने परिवार एवं संबंधियों के आसपास चक्कर काटने लगते हैं. आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है. यह पितृऋण से मुक्ति का एक अवसर है. इसलिए यह पितृपक्ष भी कहलाता है. सूर्य के उर्ध्वभाग पर तीखी रोशनी से पितरों के शुष्क शरीर पर जल अर्पण से प्राण एवं जीवन में सरसता आती है. यह अनुष्ठान है. लेकिन यह व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का ऐसा अनुष्ठान है जिसमें श्रद्धा और भक्ति ही केंद्रीय क्रिया होती है.

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

पितृपक्ष का एक आध्यात्मिक विधान है. भारतीय ज्योतिष में वर्ष का निर्धारण नौ प्रकार से किया गया है जिनमें दिव्य मान, ब्रह्म, पितृ, प्रजापति, गौरव, सौर, चंद्र, सावन और नक्षत्र प्रमुख है. इन सभी के समन्वय एवं सामंजस्य से ही साल का निर्धारण किया जाता है. पितरों या मृत आत्माओं के लोक और उनकी कार्यविधि के लिए पितृवर्ष का प्रावधान किया गया है. हमारी संस्कृति में पितरों का निवास स्थल चंद्रमा के उर्ध्वभाग को माना गया है, जो पृथ्वी से कभी नहीं दिखायी देता है. यह पितरों यानी मृत आत्माओं का निवास स्थल है. यह भाग पृथ्वी से दृश्यमान नहीं है. इस चंद्रमा की गति के कारण होता है. चंद्रमा का घूर्णन और परिक्रमा की अवधि लगभग समान होती है. जितने समय में वह अपने अक्ष पर घूमती है, उतने ही समय पर यानी 27 दिन, सात घंटे और 43 मिनट तथा 11.6 सेकेंड में पर पृथ्वी की परिक्रमा भी करती है. इस कारण चंद्रमा का एक भाग सदैव पृथ्वी के समक्ष रहता है. और जो भाग कभी नहीं दिखता है, उसे मृत आत्माओं का लोक मान लिया गया.

पुनर्जन्म या मुक्ति में सहायक

पुनर्जन्म पर विश्वास के कारण ही मृत्यु के पश्चात भी व्यक्ति के शरीर को याद रखा जाता है. यह एक ऋण है. जीवन में और जीवन के बाद इस ऋण को सदैव ही चुकाने का प्रयास किया जाता है. ताकि व्यक्ति की यात्रा तब तक जारी रहे, जबतक की मुक्ति प्राप्त न हो जाए. कर्मकांडीय भाषा में वैतरणी पार करना कहा गया है. हमारा यह मानना है कि धरती एक मृतलोक है, जहां से व्यक्ति को अमृत की यात्रा का अवसर मिलता है. मृतक व्यक्ति को पृथ्वीलोक से यमलोक और फिर बैकुंठ, कैलाश या स्वर्ग की यात्रा का आरोहण ही पितृपक्ष में श्राद्ध के अनुष्ठान का आधार है. यह भारतीय जीवन का भरोसा है कि हमारी इच्छाओं की पूर्ति के साथ ही हमारा आरोहण होता है. आरोहण केवल मुक्ति के लिए नहीं बल्कि यह पुनर्जन्म के लिए भी होता है. मृतकों का हमारे जीवन पर ऋण रहा कि उसके कारण यह शरीर मिला. यह जीवन मिला ताकि यात्रा को जारी रखा जाए. अतएव व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने मृतक के पुनर्जन्म या मुक्ति में सहयोगी बने.

श्राद्ध से बढ़ती श्रद्धा

श्राद्ध और श्रद्धा का अटूट संबंध है. श्राद्ध में व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि पितरों के कल्याण के लिए किया गया हरेक अनुष्ठान उनको प्राप्त होता है. परंपरा से समाज और परिवार में निष्ठा का भाव मजबूत होता है. पितृपक्ष के अनुष्ठान वर्तमान समय में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का एक सशक्त माध्यम है. श्राद्ध से समाज में श्रद्धा की उत्पति होती है. इससे जीवित पितरों एवं समाज के प्रति श्रद्धा का भाव बढ़ता है. इन अनुष्ठान का मूल आधार अपनी कृतज्ञता और आत्मीयता की सात्विक प्रवृतियों को जगाये रखना है. इस प्रवृति का जिंदा रहना संसार की सुख और शांति के लिए आवश्यक है.

ये तीन पहर

एक चंद्र मास में अमूमन 30 दिन होता है. इसमें दो पक्ष क्रमशः 14 से 15 दिनों के होते हैं. यह चंद्रमा की कलाओं के घटने और बढ़ने के आधार पर निर्धारित होता है. जब चंद्रमा की कलाएं घटती हैं, तो वह कृष्ण पक्ष और जब कला यानी रोशनी बढ़ती है, वह शुक्ल पक्ष होता है. कृष्ण पक्ष में चंद्रमा के उर्ध्वभाग में सूर्य की रोशनी रहती है, अतएव वह पितरों का दिन होता है. इसी प्रकार शुक्ल पक्ष पितरों के लिए रात्रि होती है. यही कारण है कि कृष्ण पक्ष पितरों के श्राद्ध का काल है. इस अवधि में 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी चंद्रमा पर होने के कारण वह पितरों के लिए दिन बना रहता है. अमावस्या के दिन सूर्य चंद्रमा के निकटतम आ जाता है. वह पितरों के लिए दिन का मध्याह्न काल होता है. इस कारण अमावस्या को पितरों को भोजन देने की परिपाटी है. इसलिए कहा गया है कि पितर लोक में कृष्णाष्टमी को सूर्यादय, अमावस्या को मध्याहन और शुक्लाष्टमी को सूर्यास्त होती है.

पितरों के वास का प्रतीक चंद्रमा

चंद्रमा को पितरों के वास का प्रतीक माना गया है. यह परंपरा बन गयी कि जिस अवधि में चंद्रमा हमारी पृथ्वी के सबसे समीप रहेगी, उस समय पितरों को परोसा गया भोजन सहज ही प्राप्त हो जायेगा. आश्विन मास में पृथ्वी चंद्रमा के सबसे नजदीक होती है. इस अवधि में सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है. आश्विन के कृष्ण पक्ष में महालय श्राद्ध यानी पितरों को तर्पण करने का विधान है. चंद्रमा के उर्ध्व भाग में रहनेवाले पितृगण कृष्णाष्टमी से लेकर शुक्लाष्टमी तक यानी 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी में रहते हैं, अत उनका 15 दिनों के सूर्य दर्शन की अवधि को पितरों का दिन कहा जाता है.

डोली पर आएंगी मां

स्वामी आगमानंद जी महाराज

मां का आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. भक्तजनों को श्रद्धा, निष्ठा एवं भक्ति से मां की करनी होगी आराधना, तभी होगा कल्याण.

शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से प्रारम्भ हो रहा है. 12 अक्टूबर को विजयादशमी है. परम शक्ति मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्र को सर्वोत्तम समय माना जाता है. इसमें भी शारदीय नवरात्र का सर्वाधिक महत्व है. कहा जाता है कि भगवान राम ने भी नवरात्र कर देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था. श्रद्धा विश्वास से ऊर्जा और शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना से आज भी भक्त शांति और आत्मबल प्राप्त करते हैं. शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के पूर्व लोगों के दिलों में यह जिज्ञासा बनी रहती है कि मां दुर्गा किस वाहन पर सवार होकर आएंगी ओर किस वाहन से लौटेंगी. मां दुर्गा के आगमन एवं प्रस्थान से ही आगामी वर्ष के अच्छे-बुरे फल का अंदाजा लगाया जा सकता है.

श्रीशिवशक्ति योगपीठ नवगछिया (बिहार) के पीठाधीश्वर एवं श्री उत्तरतोताद्रि मठ विभीषणकुंड अयोध्या के उत्तराधिकारी रामचंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र कलश स्थापना अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 3 अक्टूबर गुरुवार को होने के कारण शास्त्रों में मां दुर्गा का आगमन डोली (पालकी) पर है. जिसका फल होता है महामारी एवं अन्य कारणों से अधिकाधिक मृत्यु. विजयादशमी शनिवार 12 अक्टूबर को है. मां दुर्गा अपने पूरे परिवार के साथ चरणायुध (मुर्गा) पर सवार होकर लौटेंगी. जिसका फल होता हैं, राष्ट्र ओर जनमानस के बीच विकलता, अन्तर युद्ध, अशांति, क्षोभ आदि. आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. सामाजिक एवं राजनैतिक विसंगतियां भी फैलेंगी. इस बार दस दिनों का नवरात्र होगा. कुल मिला कर असुर पर सुर, बुराई पर अच्छाई के विजय का प्रतीक नवरात्र आत्मसाधना है. मां दुर्गा का आगमन एवं प्रस्थान वार (दिन) से जुड़ा हुआ है.

▪ **किस दिन आगमन से क्या फल**

यदि रविवार व सोमवार को पूजा प्रारंभ होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर, शनिवार व मंगलवार को घोड़े पर, गुरुवार व शुक्रवार को डोली पर, और बुधवार को पूजा प्रारंभ होने पर मां दुर्गा नौका पर सवार होकर आती हैं. गज (हाथी) पर आना पानी की बढ़ोतरी, घोड़ा पर आना युद्ध की आशंका, राजनेता की मृत्यु, नौका पर आना मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. डोली पर आना आक्रांत रोग, मृत्यु का भय बना रहता है.

▪ **किस दिन प्रस्थान से क्या फल**

रविवार व सोमवार को विजयादशमी होती है, तो मां दुर्गा भैंसा पर, शनिवार व मंगलवार को मुर्गा पर, बुधवार व शुक्रवार को गज पर एवं गुरुवार को नर वाहन पर प्रस्थान करती हैं. भैंसा पर प्रस्थान करना शोक का माहौल, मुर्गा पर जन मानस में विकलता, गज पर शुभ वृष्टि, नरवाहन पर शुभ सौख्य होता है. इस बार मां दुर्गा डोली पर सवार होकर आएंगी ओर मुर्गा पर सवार होकर लौटेंगी. कुल मिला कर इस वर्ष जो भक्त श्रद्धा- निष्ठा से मां की आराधना करेंगे, उनका कल्याण होगा.

जैसा कि मुकेश कुमार मिश्र से बातचीत के दौरान चंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया..

शारदीय नवरात्र की प्रमुख तिथियां

3 अक्टूबर	पहला दिन	मां शैलपुत्री
4 अक्टूबर	दूसरा दिन	मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
5 अक्टूबर	तीसरा दिन	मां चंद्रघंटा की पूजा
6 अक्टूबर	चौथा दिन	मां कूष्मांडा की पूजा
7 अक्टूबर	पांचवां दिन	मां स्कंदमाता की पूजा
8 अक्टूबर	छठा दिन	मां कात्यायनी की पूजा
9 अक्टूबर	सातवां दिन	मां कालरात्रि की पूजा
10 अक्टूबर	आठवां दिन	मां सिद्धिदात्री की पूजा
11 अक्टूबर	नौवां दिन	मां महागौरी की पूजा
12 अक्टूबर	विजयादशमी	दुर्गा विसर्जन

भगवद् गीता में मोक्ष प्राप्ति का संदेश

ज्ञान-योग, कर्म-योग एवं भक्ति-योग से मिलती जीने की दिशा

चम्पा भाटिया

श्रीमद्भगवद् गीता एक संपूर्णग्रंथ है. गीता को गीतोपनिषद् भी कहा गया है. यह वैदिक ज्ञान से युक्त समस्त उपनिषदों का सार है. गीता के निष्ठा पूर्वक गहन अध्ययन से ज्ञान-योग कर्म-योग एवं भक्ति-योग से जुड़ कर जीवन को जीने की दिशा मिलती है. जहां इस सनातन ग्रंथ से निष्काम कर्म करने की प्रेरणा मिलती है वहीं भगवान श्री कृष्ण जी ने इसमें कहा है कि मनुष्य शरीर मात्र नहीं है, शरीर नाशवान है, इस शरीर को चलाने वाली आत्मा जो कि परमात्मा का अंश है, इसका नाश नहीं होता. परमात्मा सर्वव्यापि है, हर स्थान पर समान रुप में व्यापक है. आत्मा इससे अनभिज्ञ होकर अंधकार में ग्रस्त अपने आपको शरीर ही मान बैठती है. भगवान श्री कृष्ण जी ने अर्जुन को दिव्यदृष्टि देकर, ज्ञान यक्षु देकर इस अज्ञानता को दूर किया तो अर्जुन इस विराट प्रभु के चारो ओर दर्शन कर सका.

निराकार ईश्वर जिसका कोई आकार, रंग-रूप नहीं, जिसे शस्त्र काट नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती, पानी भिगोता नहीं, पवन उड़ा नहीं सकती, ऐसा विराट स्वरुप देखने के बाद अर्जुन चारों दिशओं में बार बार नमस्कार करता है. परमात्मा को जान लेने के बाद उसके सारे भ्रम दूर हो जाते हैं. गीता में भगवान श्री कृष्ण जी ने कहा है कि जो मुझे हर जगह देखता है, उसकी सोच उसके भाव में परिवर्तन हो जाता है. उसे हरेक में मैं नजर आता हूं. गीता के 6वें अध्याय के 30वें श्लोक में लिखा है-

यों मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्य अहं न प्रणष्यामि स च मे न प्रणष्यति।।

जो मुझे सर्वत्र देखता है, वह सबको मुझमें देखता है. उससे मैं दूर नहीं होता और वह मुझसे दूर नहीं होता. भाव जिसे परमात्मा का ज्ञान मिल जाता है. परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है. वह हर क्षण इसी प्रभु में विचरण करता है. परमात्मा की प्राप्ति हर युग में सभव है. तभी गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा ''संभवामि युगे युगे'' मैं हर युग में संभव हूं. इस परम पिता परमात्मा को जानने की विधि भी गीता में लिखी हैः-

तत् विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेश्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनः तत्वदर्षिनः।। 4 गीता

इस (प्रभु) को जानो, चरणों में नमस्कार करके (विनय पूर्वक) प्रश्न करके, सेवा से जो ज्ञानी हैं (जिनके पास परमात्मा का ज्ञान है) जिन्होंने तत्व परमात्मा के दर्शन किए हैं, वे तुझे ज्ञान का उपदेश देंगे.

भगवान श्री कृष्ण जी ने जहां यह बताया कि मनुष्य बार बार जन्म लेता और मृत्यु को प्राप्त होता है जैसे हम वस्त्र बदलते हैं. वहां ज्ञान प्राप्त करके बार बार जन्म लेने से मुक्त होता है, मोक्ष प्राप्त करता है, ब्रह्म में ही समा जाता है. जन्म मरण के बंधन से छुटकारा पा लेता है. गीता में कहा है -

जन्म कर्म च में दिव्यं एव यो वेक्षि तत्वतः।
व्यक्तवा देहं पुर्नजन्म नैति मां एति सो अर्जुन।। 4-9 गीता

मेरे जन्म और कर्म दिव्य होते हैं जो तत्व (निराकार, अविनाशी) के रुप में जानता है, देह त्यागते हुए उसका पुर्नजन्म नहीं होता, मुझमें समा जाता है.

अर्थात जिसे परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है, वह बार बार जन्म लेने के बंधन से मुक्त हो जाता है. गीता के 8वें अध्याय के 26वे श्लोक में लिखा हैः-

शुक्ल-कृष्णे गति हवेते जगतः शाश्वते मते।
एकया याति-अनावृतिम् अन्यया आवर्तते पुनः।।

दुनिया से जाने के दो ही मार्ग हैं अंधकार, प्रकाश. एक (प्रकाश में जाने वाले जिन्हें परमात्मा का ज्ञान है, रौशनी है) जाते हैं तो वापिस नहीं आते. दूसरे (जिन्हे परमात्मा की प्राप्ति नहीं हुई) बार-बार आते हैं. भाव कोई कोई ही परमात्मा के अविनाशी को जान पाता है. अन्य एक श्लोक में लिखा हैः-भगवद्गीता अध्याय 7 श्लोक 3

मनुष्याणाम् सहस्त्रेषु कष्चित् यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कष्चित् मां वेसि तत्वतः।।

हजारों मनुष्यों में कोई एक मेरी प्राप्ति का यत्न करता है. उन हजारों यत्न करने वालों में कोई एक मुझे जान पाता है (प्राप्त करता है).

परमात्मा को जानने के बाद ही इन्द्रियां संयमित कर्म करती हैं. इसके बारें में भगवान श्री कृष्ण ने अध्याय 4 के 39 वें श्लोक में लिखाः-

श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्धवा परां शान्तिं अचिरेण अधिगच्छति।।

जो (दिव्य ज्ञानसे युक्त) श्रद्धावान ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसके बाद (उनकी) इन्द्रियां संयमित होती हैं. ज्ञान प्राप्त करके (वे) तुरंत परम शान्ति को प्राप्त करते हैं. अर्थात हमारी आत्मा (जो कि परमात्मा का अंश है) अपने मूलको, अपने अस्तित्व को नहीं जान लेती तब तक अशांत है. शान्ति केवल परम सत्ता को जान कर ही प्राप्त होती है. फिर सारी इन्द्रियां संयमित होकर कर्म करती हैं. अर्जुन को भी जब विराट स्वरुप को ज्ञान प्राप्त हुआ तो फिर उसके सभी कर्म प्रभु के निर्देश अनुसार संयमित होते गए और प्रभु को समर्पित थे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डेविस कप फाइनल्स : कार्लोस अल्काराज, रॉबर्टो बतिस्ता की शानदार शुरुआत

चेक गणराज्य के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन चमका

एजेंसी। वेलेंसिया

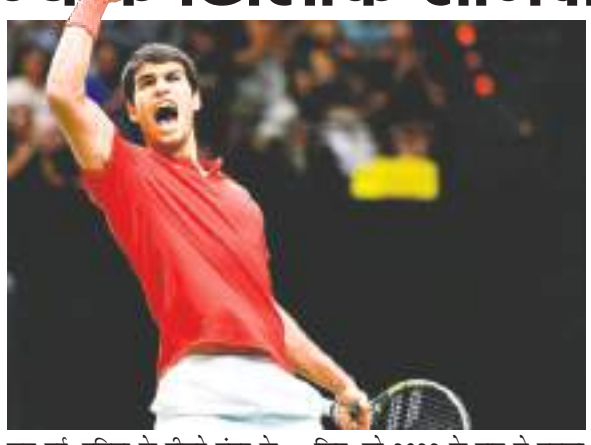

कार्लोस अल्काराज के एकल और युगल मैचों में शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन ने डेविस कप फाइनल्स ग्रुप चरण में चोटों से जूझ रही चेक गणराज्य के खिलाफ जीत से शुरुआत की. रॉबर्टो बतिस्ता ने स्पेन के लिए सिंगल्स में पहला अंक जिरी लेहेका पर 6-2, 6-3 से जीत कर हासिल किया. इससे अल्काराज को जीत हासिल करने का मौका मिला, लेकिन टॉमस मचैक के तीसरे सेट में रिटायर होने के कारण घरेलू टीम को निर्णायक दूसरा अंक दे दिया. मचैक के लिए यह और भी निराशाजनक था कि अल्काराज के खिलाफ पहला सेट टाईब्रेक में जीतने के बाद उन्हें चोट लग गई. दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया. उन्होंने शुरुआती सेट में 21 अनफोर्स्ड एरर किए, जो 2022 के बाद से उनका पहला डेविस कप प्रदर्शन था. मचैक उस बढ़त का फायदा उठाने में असमर्थ रहे. इसके बाद अल्काराज ने अगले चार गेम जीतकर निर्णायक सेट तक मैच का रूख तय किया, लेकिन मचैक शुरुआती गेम में ही रिटायर हो गए. 6-7(3) 6-1 पर वह कोर्ट पर ठीक से मूव करने में संघर्ष कर रहे थे.

इस मुकाबले का यह एक दुखद अंत था, जो एक रोमांचक मैच हो सकता था. स्पेन की जीत सुनिश्चित होने के बाद, अल्काराज को आराम दिए जाने की उम्मीद थी, लेकिन वह मार्सेल ग्रैनोलर्स के साथ डबल्स के लिए कोर्ट पर उतरे.

अल्काराज ने तीसरे सेट के टाईब्रेक में शानदार प्रदर्शन किया और चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक और एडम पावलेसेक पर 6-7(2) 6-3 7-6(2) से जीत दिलाई. अमेरिकी ओपन में दूसरे दौर में बाहर होने के बाद से ये अल्काराज का कमबैक था. उन्होंने कहा, मैंने यूएसए में अपनी हार में भी सकारात्मक बातें याद रखने की कोशिश की.

इसे ढूंढना वास्तव में कठिन था, लेकिन मेरी कोशिश यही रही. अल्काराज ने आगे कहा, मैं अपने स्तर और मानसिक पक्ष के बारे में वही गलतियां न करने की कोशिश कर रहा हूं. मैं यहां बहुत ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा के साथ आया हूं, ताकि मैं अपनी टीम स्पेन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं और एक टीम के रूप में जितना संभव हो सके उतनी जीत हासिल कर सकूं.

अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट

बारिश की वजह से लगातार चौथे दिन का खेल भी रद्द

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच के शुरू होने का इंतजार जारी है. दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण लगातार चौथे दिन एक भी गेंद फेंके बिना खेल रद्द कर दिया गया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. इसमें आगे बताया गया है कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मैच शुरू करने का निर्णय स्टेडियम का आकलन करने के बाद किया जाएगा. पिछले हफ्ते से शहर में लगातार बारिश हुई है और पहले दो दिन मैदान में खराब ड्रेनेज सिस्टम के कारण खेल बाधित रहा. फिर, तीसरे और चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले कहा था कि उन्हें इस टेस्ट की मेजबानी के लिए कानपुर और बेंगलुरु की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने ग्रेटर नोएडा को इसलिए चुना क्योंकि अन्य दो स्थानों का उपयोग बीसीसीआई मैचों (आगामी भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट और हाल ही में संपन्न दलीप ट्रॉफी का पहला राउंड) के लिए किया जा रहा था. मौजूदा टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले महीनों में श्रीलंका और भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कीवी टीम के पास परिस्थितियों के अनुकूल होने का मौका जरूर है. दूसरी ओर, अफगानिस्तान जिसने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेले हैं.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से, नहीं खेल पाएंगे शोरफुल

बांग्लादेश की टीम का ऐलान

एजेंसी। ढाका

भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश ने अपनी टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान दौरे पर कमर में लगी चोट के कारण बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम भारत में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर रहेंगे. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को यह घोषणा की. पाकिस्तान में पहली बार 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतने के बाद बांग्लादेश की टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं. रावलपिंडी में पहले टेस्ट में 3 विकेट लेने वाले 23 वर्षीय तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम चोटिल हो गए थे और वह दूसरे मैच में भी नहीं खेल पाए थे.

टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान करते समय बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई अपडेट्स दिए हैं. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अनुसार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं और सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं. हालांकि लिटन दास से उम्मीद की जा रही है कि वह भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे. हालांकि जाकेर अली अनिक को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है. 19 सितंबर को चेन्नई में पहला टेस्ट मैच शुरू होगा.

सैयद खालिद अहमद की वापसी

नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट सीरीज में बांग्लादेशी टीम की अगुवाई करेंगे. बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज महमदुल हसन जॉय ने पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी की है. महमदुल हसन जॉय को कमर में चोट लगी थी, जिसे ठीक होने में करीब दो सप्ताह लगे. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाज सैयद खालिद अहमद की बांग्लादेश की टीम में वापसी हुई है. सैयद खालिद अहमद चोटिल शोरफुल इस्लाम की जगह पर आए हैं.

बांग्लादेश की टेस्ट टीम

नजमुल हसैन शंटो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली, तस्किन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राना, तैजुल इस्लाम, महमदुल हसन जॉय, नईम हसन और खालेद अहमद.

भारत की टेस्ट टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच – 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9.30 बजे से चेन्नई में

दूसरा टेस्ट मैच – 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9.30 बजे, कानपुर

आज से शुरू हो सकता है टीम इंडिया का अभ्यास कैंप

एजेंसी। चेन्नई

भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा. इस मुकाबले से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत पूरी टीम इंडिया चेन्नई में इकट्ठा होगी. फिर शुक्रवार से अभ्यास कैंप की शुरुआत होगी, जो 18 सितंबर तक चलेगा. बता दें कि रोहित शर्मा और विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद से ब्रेक पर हैं. दोनों ही दिग्गज इन दिनों खेली जा रही दिलीप ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले रहे हैं. इसके अलावा टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद लगातार ब्रेक पर चल रहे जसप्रीत बुमराह की भी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए वापसी होगी. पूरी टीम के साथ बुमराह भी अभ्यास कैंप का हिस्सा होंगे. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ब्रेक के दौरान फिटनेस पर काफी काम करते हुए दिखाई दिए. उन्हें कई बार में जिम में देखा गया. इसके अलावा हिटमैन टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर के साथ भी कई बार नजर आए. वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं. गौरतलब है कि बीसीसीआई ने फिलहाल बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ही टीम इंडिया का एलान किया है. पहले टेस्ट की टीम में अनकैप्ड तेज गेंदबाज यश दयाल को रखा गया है. इसके अलावा टीम में कई ऐसे युवाओं को मौका दिया गया है, जिन्होंने भारत के लिए ज्यादा टेस्ट नहीं खेले हैं. बाकी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए ऋषभ पंत की टेस्ट टीम में वापसी होगी.

गौरव के पल : भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 7 स्वर्ण, 9 रजत व 13 कांस्य पदक अपने नाम किये

पीएम ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक से लौटे भारतीय दल से अपने आवास पर मुलाकात की. इस बार भारतीय एथलीटों ने टोक्यो के रिकॉर्ड प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी और पैरालंपिक में देश के लिए अब तक के सर्वोच्च पदक जीतकर इतिहास रचा. भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ कुल 29 पदकों के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया. इस दल ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक (कुल मेडल 19) में भारत द्वारा बनाए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखते हुए पीएम मोदी को अपनी जर्सी भेंट की. इस पर लिखा था, आपके समर्थन के लिए... धन्यवाद सर. इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कपिल परमार के कांस्य पदक पर साइन किए, जो उन्होंने पैरा जूडो पुरुषों की 61 किग्रा जे1 श्रेणी में जीता था.

हरविंदर ने दिया खास गिफ्ट

पैरालंपिक गेम्स में आर्चरी का गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने हरविंदर सिंह ने पीएम को अपना ऐरो यानि गेम्स तीर गिफ्ट किया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने इन गेम्स के दौरान किया था. पीएम से मुलाकात के बाद हरविंदर ने बताया कि पीएम ने सिर्फ मेडल विजेताओं से ही नहीं, बल्कि गेम्स में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी से बात की और साथ ही सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के साथ भी चर्चा की. मोदी ने उनका हौसला भी बढ़ाया.

दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन ने लगाई सेंचुरी

नयी दिल्ली। ईशान किशन ने एक बार फिर अपने बल्ले की धमक दिखा दी है. बाएं हाथ के इस तूफानी बल्लेबाज ने दलीप ट्रॉफी में सेंचुरी लगाई है. इंडिया सी के लिए खेल रहे ईशान किशन ने ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए इंडिया बी के खिलाफ सेंचुरी लगाई. बड़ी बात ये है कि इंडिया सी टीम ने अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को चोट की वजह से खो दिया था वो मैच की दूसरी गेंद पर ही रिटायर्ड हर्ट हो गए थे लेकिन इसके बाद ईशान किशन ने ताबड़तोड़ अंदाज में अपनी सेंचुरी पूरी की. ईशान किशन ने लगभग 90 के स्ट्राइक रेट से सैकड़ा जड़ा. ये फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 7वां शतक है. ईशान किशन का ये शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दो साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सैकड़ा जड़ा है.

मैं अभी गेंद को आसानी से हिट करने में सक्षम हूं : ट्रेविस हेड

एजेंसी। साउथम्प्टन

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला रोमांचक रहा. ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की धमाकेदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. वे हर फॉर्मेट में टीम को फ्रंट से लीड कर रहे हैं, खास तौर पर टी20 में उनका कोई मुकाबला नहीं. साउथम्प्टन में हेड ने 19 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जो इस साल टी20 में उनका चौथा पचास से ज्यादा का स्कोर था. इस पारी के दौरान उन्होंने इंग्लिश स्टार गेंदबाज सैम करन के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया. हेड ने करन के एक ओवर में 30 रन (4,4,6,6,6,4) बटोरे. पिछले हफ्ते हेड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 25 गेंदों में 80 रन बनाए थे, जहां उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने हेड के हवाले से कहा, ''''मैंने पिछले 12 महीनों तक बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेला है. अपने खेल पर और मेहनत करते हुए, मैंने थोड़ा बहुत अपनी तकनीक में भी बदलाव किया.

भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा :गावस्कर

नयी दिल्ली। दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा. उन्होंने हाल ही में जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ने की संभावना पर की गई टिप्पणियों का हवाला दिया. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि यह बस समय की बात है कि रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे. बीसीसीआई यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि यह रिकॉर्ड किसी भारतीय बल्लेबाज के नाम रहे.

ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर दमदार जीत

- पहला टी20 मैच : हेड ने एक ओवर में बनाए 30 रन

एजेंसी। साउथम्प्टन

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की पारी के दौरान सैम करन के एक ओवर में 30 रन बटोरे. इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 28 रन से हरा दिया. बुधवार को खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजी चुनी. हेड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के पांचवें ओवर में करन की गेंद पर तीन चौके और तीन छक्के जड़े, जिससे आस्ट्रेलिया ने 179 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में मेजबान टीम 151 रनों पर सिमट गई. हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और पावरप्ले में 50 रन बना लिए. उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट (41) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेजी से 86 रन जोड़े. मैच में एक समय ऑस्ट्रेलिया 200 से अधिक का स्कोर बनाने की राह पर तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन (3-22) ने मेहमान टीम को 179 रन तक सीमित कर दिया.

अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (2/32) ने नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी गेंदबाजी की. एडम जम्पा (2/20) और सीन एबॉट (3/28) ने भी इंग्लिश टीम पर दबाव बनाया और उन्हें लक्ष्य से बहुत दूर रखा. इस जीत से ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त मिल गई है. अगला मैच शुक्रवार को कार्डिफ में होगा. हेड ने करन के खिलाफ जो 30 रन बनाए, उन्होंने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का आस्ट्रेलियाई पुरुष रिकॉर्ड बना लिया.

ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह पक्की करने को बेताब मैथ्यू शॉर्ट

साउथम्प्टन। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दमदार शुरुआत की. टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह टी20 टीम में स ल ाम ी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करने को तैयार हैं. मैथ्यू शॉर्ट ने साउथम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 26 गेंदों पर 41 रनों की तूफानी पारी खेली और ट्रेविस हेड के साथ 86 रनों की मजबूत साझेदारी की थी. इस पारी में उन्होंने चार चौके व दो छक्के लगाए. इंग्लैंड पर 28 रन की जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त मिली. शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा, डेविड वॉर्नर के बाहर होने से, आपको पता चल जाता है कि जगह खाली हो गई है.

ऐतिहासिक क्षण 1966 में ही मिहिर सेन ने पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था

जब मिहिर सेन ने डार्डेनेल्स स्ट्रेट को तैरकर पार किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीले पानी के भीतर, जहां सपने गहराई में उतरते हैं और इच्छाशक्ति लहरों से भी मजबूत होती है, वहां लंबी दूरी के तैराक अपनी कहानी लिखते हैं. डायना न्याड ने 64 साल की उम्र में ऐसी कहानी लिखी थी और भारत के मिहिर सेन ने 12 सितंबर 1966 को कुछ ऐसी ही उपलब्धि हासिल की थी. ये एथलीट केवल तैराकी नहीं करते वे विशाल समुद्रों को पार करते हैं, और मानवीय क्षमता की सीमाओं को चुनौती देते हैं. भारत के लंबी दूरी के तैराक मिहिर सेन ने 12 सितंबर को डार्डेनेल्स स्ट्रेट को पार किया था. स्ट्रेट जिसे जलडमरूमध्य कहते हैं और आसान भाषा में समझें तो दो बड़े जल निकायों के बीच का संकरा खंड. स्ट्रेट दो महासागरों को जोड़ सकता है. ऐसे ही एजियन और मरमारा सागर को जोड़ने वाला स्ट्रेट है डार्डानेल्स. इसको साल 1966 में मिहिर सेन ने पार किया था. उन्होंने साल 1966 में सिर्फ डार्डानेल्स स्ट्रेट ही नहीं, बल्कि कई और स्ट्रेट्स को भी तैरकर पार किया था. मिहिर सेन ने उस साल पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था. उसमें में एक था 12 सितंबर को पार किया गया डार्डेनेल्स स्ट्रेट. इससे पहले वह 5-6 अप्रैल को पाक स्ट्रेट को पार कर चुके थे.

24 अगस्त को जिब्राल्टर स्ट्रेट को पार किया था. यानि एक ही साल में करीब तीन महीनों में ही बड़ी उपलब्धि हासिल की. 12 सितंबर को डार्डेनेल्स को, 21 सितंबर को बोस्फोरस स्ट्रेट को और 29-30 अक्टूबर को पनामा नहर को तैरकर पार किया था. इससे पहले वह 27 दिसंबर, 1958 को इंग्लिश चैनल को तैरकर पार कर चुके थे. लेकिन यह 1966 का कारनामा था जिसने उन्हें अमर बना दिया.

एक कैलेंडर ईयर में पांच महाद्वीपों के महासागरों को पार करने वाले वह पहले व्यक्ति थे. यह एक ऐसी अविश्वसनीय उपलब्धि थी जिसने उन्हें गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दिलाया था. इस चमत्कार को संभव करके दिखाने वाले मिहिर सेन का जन्म 1930 में बंगाल में एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था. तब तैराकी न तो उनके दिमाग में थी और न ही परिवार में. पिता पेशे से चिकित्सक थे और साधारण ग्रामीण जीवनशैली थी. तैराकी में तब मिहिर ऐसे ही थे जैसे गांव के बाकी युवा.

टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 में डेब्यू करेंगे ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना

एजेंसी। मुंबई

टेनिस प्रीमियर लीग का बहुप्रतीक्षित छठा संस्करण आने वाला है और पूर्व विश्व नंबर 1 रोहन बोपन्ना दिसंबर में मुंबई में होने वाले टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे. वर्तमान में, बोपन्ना पुरुष युगल में विश्व नंबर 6 पर हैं. भारत के सबसे मशहूर और लोकप्रिय टेनिस खिलाड़ियों में से एक, बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जिसका उद्देश्य खेल के खेलने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना है. टीपीएल ने 5 बेहद सफल सीजन पूरे किए हैं, और सीजन 6 के लिए तैयार हो रहा है. 44 वर्षीय बोपन्ना, जिन्होंने 2 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं (पुरुष युगल में 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और मिश्रित युगल में 2017 में फ्रेंच ओपन), ने तीन ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 2016 में रियो में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथा स्थान रहा था. बेंगलुरु से आने वाले इस दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी के नाम दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, जब उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी के अंत में यह मुकाम हासिल किया था.

8उन्होंने अपने करियर में 25 से ज़्यादा खिताब जीते हैं और लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगा. ससुराल से सुख का सामान मिलेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृष समय सामान्य है. किसी से विवाद हो सकता है. कुछ मानसिक उलझन होगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कोई नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क मौसमी बीमारियों से बचें, वैसे समय बहुत ही अनुकूल है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह कार्य में बिलंब होने से मन खिन्न होगा. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

कन्या सुख का सामान एकत्र होगा. किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला अपनों के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है. इत्र का दान और प्रयोग करें.

वृश्चिक जुबान पर नियंत्रण रखें. जो विद्यार्थी होंगे, शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु मानसिक शांति मिलेगी. कार्य बनने से मानसिक शांति मिलेगी. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी. अन्न दान करें.

मकर समय सामान्य है. खर्च अधिक होगा. कुछ विवाद भी हो सकता है. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ आय के लिए दिन उत्तम है, पर किसी से विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन दिन का समय बहुत ही अच्छा है. सत-कर्म में रुचि बढ़ेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. घर परिवार में खुशहाली होगा.

धुरकी पुलिस ने छापामारी कर नकली हार्पिक जब्त की

संवाददाता। धुरकी

धुरकी पुलिस ने थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाया गया. इस दौरान सगमा स्थित एक दुकान से 200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर, इआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कंपनी का टाइड प्लस नकली भरा पैकेट 95 ग्राम का 900 पीस, ईआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कम्पनी का टाइड प्लस नकली खाली पैकेट 1100 पीस को जब्त कर दुकानदार हरी दर्शन यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है.

200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर जब्त

थाना प्रभारी उपेन्द्र ने बताया कि रेकिट बेनसिकर प्रा. लि के प्रमुख जांचकर्ता रंजीत कुमार सिंह द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि सगमा में एक दुकान में अवैध रूप से रेकिट बेनसिकर के हार्पिक की जगह पर उसी लोगो का इस्तेमाल कर नकली हार्पिक का निर्माण कर खरीद बिक्री की जा रही है. इसके बाद उक्त सूचना का सत्यापन कर हरी दर्शन यादव के दुकान में छापामारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में नकली भरा हुआ 200 एमएल के हार्पिक, 200 एमएल नकली हार्पिक का खाली डब्बा, उसमे प्रयोग होने वाला ढक्कन, नकली रैपर आदि को जब्त कर प्रमुख जांचकर्ता रंजीत सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर कांड अंकित किया गया है.

बहरागोड़ा में साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया

सभी गोलीकांड कांग्रेस सरकार के काल में हुआ: चंपाई

संवाददाता। बहरागोड़ा

चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत एनएच 18 किनारे स्थित केरूकोच चौक पर साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया. इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार की सुबह से ही माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन काल में जल, जंगल, जमीन की रक्षा करते हुए साबुआ हांसदा ने शहादत दी थी. कांग्रेस सरकार के शासनकाल में कोल्हान प्रमंडल में सबसे ज्यादा गोली कांड हुआ है. यह जल, जंगल, जमीन का आंदोलन था, लेकिन झारखंड आंदोलन कहिए या जल, जंगल, जमीन का आंदोलन कहिए,आंदोलन को कुचलने का काम अगर किसी ने किया है तो वह कांग्रेस सरकार है. साबुआ हांसदा को जिस जगह पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं वहां भी गोली कांड हुआ था. इस बार साबुआ हांसदा का आशीर्वाद लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी. इससे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने कोकपाड़ा टोल गेट से भारी संख्या में बाइक के साथ रैली निकाल कर नयाग्राम अवस्थित साबुआ हांसदा की मूर्ति तथा केरुकोचा में अवस्थित मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष कृष्ण मुंडा, सौमित्र ओझा, सांसद प्रतिनिधि गौरव पुष्टि, राजकुमार कर ,चंदन सीट तथा हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

शहादत दिवस समारोह के दौरान पूर्व सीएम चंपाई सोरेन. साथ हैं जमशेदपुर के सांसद विद्युतवरण महतो

पुलिस मुख्यालय का आदेश

मातृत्व अवकाश अब शिशु देखभाल अवकाश कहलाएगा

संवाददाता। रांची

मातृत्व अवकाश को अब शिशु देखभाल अवकाश के नाम से जाना जायेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. गौरतलब है कि राज्य सरकार ने झारखंड सेवा संहिता 2000 के प्रारूप को स्वीकृति दी है. इसके तहत महिला कर्मियों के साथ पुरुष कर्मियों को भी पितृत्व अवकाश मिलेगा. राज्य सरकार ने छठे केंद्रीय वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में यह निर्णय लिया है. इस प्रारूप में राज्य सरकार ने सरकारी महिला कर्मियों के मातृत्व अवकाश की अधिसीमा में वृद्धि करने के साथ पुरुष कर्मियों के लिए पितृत्व अवकाश का प्रावधान किया है.

जानें क्या है प्रावधान

- महिला कर्मियों के लिए समस्त सेवाकाल में दो अवयस्क संतानों की देखभाल के लिए कुल 730 दिनों की "शिशु देखभाल अवकाश" का प्रावधान किया गया है.
- इस अवकाश के दौरान महिला एकल पुरुष कर्मचारी को यह छुट्टी वेतन प्राप्त होगा, जो छुट्टी पर प्रस्थान करने के ठीक पहले वो प्राप्त कर रही या रहा हो.
- झारखंड सेवा संहिता 2000 के नियम 220 के बाद नया नियम 220 (ए) शिशु देखभाल अवकाश के रूप में स्थापित किया जायेगा.

दिसंबर के विस चुनाव में झारखंड से भाजपा की निकाली जाएगी अंतिम यात्रा

चंपाई 15 को पीएम से झारखंड का बकाया दिलवा दें : सुप्रियो

- प्रधानमंत्री मोदी से सरना धर्म कोड की भी घोषणा करा दें
- जितनी आग लगानी है लगा लो, झारखंड जलेगा नहीं, जलाएगा

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम और झामुमो के वरिष्ठ, अनुभवी नेता रहे चंपाई सोरेन पार्टी के प्रखर वक्ता रहे हैं. झामुमो के नीति-सिद्धांत और झारखंडी मुद्दों और मांगों को हमेशा से प्रमुखता से उठाते रहे हैं. अब वे भाजपा में चले गए हैं, इसलिए उनकी झारखंडी मुद्दों और मांगों की जिम्मेवारी और अधिक बनती है. झारखंडी जनता उनसे आपेक्षा भी करती है. इसलिए आगामी 15 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औद्योगिक लौह नगरी जमशेदपुर आ रहे हैं. यह उनका सरकारी कार्यक्रम भी है. वे कुछ झारखंड के कुल 2100 करोड़ रूपये की कुछ सौगात भी देने जा रहे हैं, ऐसी सूचना है. मगर इसके साथ ही चंपाई सोरेन मंच से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2025 में होने वाले राष्ट्रीय जनगणना के पूर्व झारखंड के बहुप्रतीक्षित मांग सरना धर्म कोड, सरना आदिवासियों की गणना और झारखंड का बकाया 1 लाख, 36 हजार करोड़ देने की घोषणा भी करा दें. इतना ही मंच पर कई पूर्व सीएम रहेंगे, इसलिए यह उनकी भी जिम्मेवारी बनती है कि वह प्रधानमंत्री से इसकी घोषणा कराएं. 21 को गृह मंत्री भी संथाल जा रहे हैं. फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी 19 को झारखंड आ रही हैं. जब पीएम और गृह मंत्री घोषणा करेंगे तो फिर उसे राष्ट्रपति ही मंजूरी प्रदान करेंगे, क्योंकि इसके पहले भी झारखंड की राज्यपाल रहते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती रघुवर सरकार द्वारा सीएनटी-एसपीटी एक्ट संशोधन को पेनडाउन करके आदिवासी-मूलवासियों के हितों की रक्षा की थी. अगर ऐसा नहीं होता है, तो फिर से झारखंड और झारखंडी ठगा का ठगा रही रह जाएगा. क्योंकि झारखंड देश को बहुत कुछ देता है, मगर इसके एवज में झारखंड और झारखंडियों को कुछ मिलता नहीं है. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव व प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार की एफिडेविट भ्रम पैदा करने वाली : सुप्रियो भट्टाचार्य ने घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार द्वारा जमा किए गए एफिडेविट पर सवाल खड़ा किया. कहा कि यह भ्रम पैदा करने वाली स्थिति है. एफिडेविट में कहीं भी घुसपैठ शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है. केवल 1961 से लेकर 2011 तक मुस्लिमों ओर ईसाई की स्थिति बतायी गयी है. उन्होंने मौलाना आजाद और एपीजी अब्दुल कलाम जैसी हस्तियों को जिक्र करते हुए कहा कि यह तो घुसपैठिए नहीं थे ना. अगर फिर भाजपा वालों को लगता है तो इसकी जिम्मेवारी गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री लें. क्योंकि सीमा पर तैनात बीएसफ के जवान क्या करते रहे, क्यों रोका नहीं गया. विदेश मंत्री ने अब तक इसे राष्ट्रीय मंचों पर क्यों नहीं उठाया.

धार्मिक धुर्वीकरण से बाज आए भाजपा : सुप्रियो भट्टाचार्य ने असम के सीएम का जिक्र करते हुए कहा कि दरअसल पूरे मसले पर भाजपा धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयास में जुटी है. इन्हें मणिपुर नजर नहीं आता है, जहां पर आग लगायी गयी. अब खुद वहां की सरकार इसमें झुलसती नजर आ रही है. वहां की सरकार केंद्र को पत्र लिखकर केंद्रीय फोर्सेस को वापस करने की मांग कर रही है. भाजपा नेताओं को जवाब देना चाहिए कि मणिपुर देश का हिस्सा या नहीं. वहां पर आदिवासी निवास करते या नहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड में जितनी भी आग लगानी है लगा लें, झारखंड जलेगा नहीं बल्कि जलाएगा. झारखंड की जनता दिसंबर को लेकर तैयार बैठी है. जब झारखंड से भाजपा की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी.

झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे में: बाउरी

- अफसरों को आगे कर राजनीति न करे सरकार
- झारखंड की डेमोग्राफी पूरी तरह से चेंज हुई है

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे में है. राज्य की डेमोग्राफी चेंज हुई है. खास कर संथाल परगना के पाकुड़ और साहेबगंज में भयंकर घुसपैठ हो रहा है. घुसपैठ को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है. इस पर लगातार सुनवाई भी हो रही है. हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए कहा कि संताल के छह जिलों के डीसी और एसपी रिपोर्ट दें, कि उसके लिए वे क्या कर रहे हैं. बाउरी गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों की संरक्षक है. इस पर लीपापोती की जा रही है. राज्य सरकार ने डीसी और एसपी के माध्यम से जो एफिडेविट दायर किया था उसे हाईकोर्ट ने भी खारिज कर दिया थी.

एसपीटी एक्ट का भी हुआ है उल्लंघन : बाउरी ने कहा कि अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट में एक एफिडेविट दायर किया है. इसमें इस बात को स्वीकार किया है कि घुसपैठ संताल परगना के लिए बड़ा खतरा उभर कर सामने आया है. इसके कारण डेमोग्राफी चेंज हुई है. एसपीटी एक्ट का भी उल्लंघन हुआ है. इसमें कहीं न कहीं राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है.

आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए

बाउरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने कहा है कि आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए है. एनआरसी ही किसी को रजिस्टर्ड नागरिकता से जोड़ सकता है. बाउरी ने कहा कि अफसरों को आगे कर राजनीति नहीं होनी चाहिए. गृह सचिव इस बात में व्यस्त हैं कि इस तुष्टिकरण की सरकार को कैसे बचाएं और कैसे आगे लेकर जाएं. बाउरी ने राज्य सरकार से कहा कि राजनीति में अपने अफसरों को न झोंके. अफसरों को उनका काम करने दें. अफसरों को राजनीति में आगे करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है.

दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला का शुभारंभ

एनईपी से विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा : कुलपति

संवाददाता। मेदिनीनगर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में न केवल शिक्षा व्यवस्था बदलने की शक्ति है, बल्कि पूरे राष्ट्र, उसकी सोच, उसकी दृष्टि को बदलने की ताकत है. उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त सह एनपीयू के प्रभारी कुलपति बाल किशुन मुंडा ने कही. वे दीनदयाल नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला के उदघाटन सत्र में बोल रहे थे. इससे पूर्व योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज के आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला का उदघाटन कुलपति बाल किशुन मुंडा, रिसोर्स पर्सन पीके राय मेमोरियल कॉलेज धनबाद के प्रभारी प्राचार्य डॉ बीके सिन्हा, एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा, महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता आदि ने संयुक्त रूप से किया. कुलपति ने कहा कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति बनाने एवं विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के उदेश्य नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शुरू की गई है. एनईपी सिर्फ एक नीति नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आंकाक्षाओं का संकलन है. यह नीति नये भारत के निर्माण का संकल्प है. स्कूल के बैग के बोझ से विद्यार्थियों को मुक्त करना है. छात्र-छात्राओं में रचनात्मक व आलोचकनात्मक सोच को बढ़ावा देना है. इसका मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों को एक वैश्विक नागरिक बनाना है. एनईपी विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देना है. एनपीयू में 2022 से यूजी स्तर पर एनईपी लागू किया गया है. एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा ने कहा कि एनईपी के तहत स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किये गए हैं. विद्यार्थियों में साइंस, आर्टस एवं कॉमर्स का विभेद नहीं होगा. विद्यार्थियों को कोर्स चयन करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है. प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनईपी के तहत गुणवतायुक्त शिक्षा को बढ़ावा देना है. इस नीति का क्रियान्वयन होने से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास हो सकेगा. कार्यशाला का प्रायोजक उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग है. उदघाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र की शुरूआत हुई. मौके पर शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद रहे.

कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति बाल किशुन मुंडा.

सीसीएल में एथिक्स और गवर्नेंस पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

रांची। सीसीएल के सतर्कता विभाग ने मानव संसाधन विकास विभाग के सहयोग से एथिक्स और गवर्नेंस पर एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया. इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीआईएल के पूर्व मुख्य प्रबंधक (वित्त) ए.डी. वाधवा थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सीवीओ सीसीएल पंकज कुमार उपस्थित थे. यह कार्यशाला नैतिक प्रथाओं और शासन के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था. इस कार्यक्रम में क्षेत्र और मुख्यालय से कुल 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया. उद्घाटन सत्र में पंकज कुमार ने प्रेरक और मनोबल बढ़ाने वाली बातें की. इस अवसर पर जीएम विजिलेंस एके सिंह उपस्थित थे. जीएम एचआरडी आरके पांडे ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया. सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की.

खूंटी विस क्षेत्र में नहीं रुकेगी विकास की गाड़ी : नीलकंठ सिंह मुंडा

खूंटी । खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड की भंडरा पंचायत के बरबंदा करां टोली में पीसीसी पथ, जिलिंगा में खेल मैदान के सौंदर्यीकरण, हेसाहातु में पीसीसी पथ निर्माण और चितरामू में खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया. मौके पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए विधायक मुंडा ने गांव वालों से सीधा संवाद करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों और उनकी समस्याओं की जानकारी ली. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द उनकी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि आज हमारे क्षेत्र की बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में झारखंड का मान बढ़ाया है. खेल मैदान के सौंदर्यीकरण हो जाने से और बहुत सारे खिलाड़ी उभर कर सामने आएंगे. गांव में पीसीसी पथ का निर्माण हो जाने से आम लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी.

टी20 लीग फाइनल मैच में शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला

धनबाद ड्रैगंस ने जीता जेएससीए वीमेंस टी20 का खिताब

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित झारखंड वीमेंस टी20 लीग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले में धनबाद ड्रैगंस ने रांची रॉयल्स को 5 विकेट से मात देकर चैंपियन बना. बता दें कि धनबाद ड्रैगंस पूरी प्रतियोगिता में अपराजय रही. प्रतियोगिता की विजेता टीम धनबाद ड्रैगंस की ट्रॉफी के साथ 1 लाख का नगद पुरस्कार दिया गया. वहीं उपविजेता टीम रांची रॉयल्स को ट्रॉफी के साथ 80 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया. गुरुवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जेएससीए के मुख्य मैदान में खेला गया. रांची रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 116 रन बनाए. रांची की ओर से टीम की कप्तान रश्मि गुड़िया ने सर्वाधिक 45 रन बनाए. वहीं संध्या कुमारी ने 33 और प्रियंका सवाइयां ने 26 रनों की पारी खेली. धनबाद की ओर से दुर्गा मुर्मू ने 2 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी धनबाद ड्रैगंस ने 19.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 117 रन बनाकर मुकाबले को जीत लिया.

धनबाद ड्रैगंस की ओर से सलामी बैटर शशि माथुर ने 50 रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभाई. वहीं कप्तान दुर्गा मुर्मू ने 24 रनों की पारी खेली. रांची की ओर से आनंदिता, नेहा, प्रियंका और शैंपी ने 1- 1 विकेट झटके. मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाली धनबाद ड्रैगंस की शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रांची जोन के आईजी अखिलेश झा, जेएससीए के प्रेसिडेंट संजय सहाय, वाइस प्रेसिडेंट नरेंद्र सिन्हा, सेक्रेटरी देवाशीष चक्रवर्ती, ज्वाइंट सेक्रेटरी पीएन सिंह ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया. इस दौरान जेएससीए के प्रतिनिधि मौजूद थे.

खुशियां मनातीं विजेता टीम और अतिथिगण.

पेज 01 का शेष...

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न...

दरअसल, कांग्रेस भी अब व्यावहारिक अर्थों में क्षेत्रीय पार्टी बन गयी है. केरल और पंजाब के अतिरिक्त वह सभी जगह गंठबंधन के बूते जीती है. उसे विदेश में बैठी भारत विरोधी ताकतें और लेफ्ट लिबरल गिरोह ने समझा दिया है कि अब कांग्रेस को पुरानी चमक-धमक तभी मिल पायेगी जब वह निखालिस जाति की राजनीति करे. जब तक कांग्रेस का एकछत्र राज था तब तक उसके सभी प्रधानमंत्रियों ने जाति के आधार पर बंटवारा बर्दाश्त नहीं किया. जातियों की गणना 1931 के बाद कभी हुई नहीं. 1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण जातीय गणना हुई नहीं और 1951 में नेहरू जी ने जनगणना तो करायी, लेकिन जाति की गणना रोक दी. उसके बाद न इंदिरा जी ने जाति गिनवायी, न नरसिंह राव ने. मनमोहन सिंह ने सामाजिक-आर्थिक आधार पर कुछ कराया भी तो उसे जाहिर नहीं किया. पी चिदंबरम ने तो यहां तक कह दिया था कि यह रिपोर्ट गटर में डालने लायक है.

अंग्रेज जातीय गणना इसलिए नहीं कराते थे कि उन्हें दबे-कुचले, पिछड़े भारतीयों को ऊपर उठाना था. वे इस गणना के जरिये धर्मांतरण का ठौर तलाशते थे और भारतीय समाज की एकता विखंडित करने का प्रयास करते थे. अंग्रेजों ने ही तो सांप्रदायिक आधार पर निर्वाचक मंडल और प्रतिनिधित्व निर्धारित किया था. उन्होंने ही भारतीय समाज में जातिवाद और ऊंच-नीच की भावना को आंच दी थी. वे जानते थे कि यदि भारतीय एक हो गये तो ब्रिटिश सत्ता के पांव उखड़ जायेंगे. इस समय भी भारत की प्रगति से बेचैन ताकतें देश में बवंडर पैदा करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं. उन्हीं के ट्रैप में कांग्रेस फंस गई है. वह सांप्रदायिक ताकतों से तो इश्क लड़ाती रही है, लेकिन जातियों और उनकी उपजातियों की उलझी पहेलियां सुलझाने और उन्हें अपने अनुकूल बनाने का हुनर उसके पास नहीं रहा है. वह स्वाधीनता समर की कोख से पैदा हुई पार्टी है. वह संपूर्णता की पोषक रही है और वह अपना पुराना गौरव हासिल भी तभी करेगी जब टुकड़ों को ही यथार्थ मानने से इनकार करने लगेगी. टुकड़ों की राजनीति अंतहीन हो सकती है और देश सामाजिक विघटन के दलदल में धंस सकता है. अब लौटते हैं मूल मुद्दे पर. वह यह कि क्या भाजपा संघ के सुझाव के अनुरूप जातीय गणना कराने का मानस बनायेगी ? अगर जातियों की गिनती के जरिये वंचितों को सहूलियतें देने की बात है तो पहले उसका एक व्यावहारिक खाका तैयार होना चाहिए और उसे विचार-विमर्श के लिए सार्वजनिक कर देना चाहिए. यदि संघ के मंतव्य के इतर भाजपा कोई रणनीति बना रही हो, तब तो बात अलग है. लेकिन वह कुछ ऐसा जरूर करना चाहती होगी कि उसकी किसी पहल से कांग्रेस को फायदा न हो. लेकिन राहुल गांधी जातीय गणना के आलोक में आरक्षण का कोटा बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं और न्यायपालिका इसकी इजाजत नहीं देती है. ऐसी स्थिति में आरक्षण कोटे में वृद्धि को न्यायिक समीक्षा से परे रखने के लिए कुछ उपायों की भी मांग उठेगी. इन सभी परिस्थितियों के मद्देनजर ही सरकार को कोई निर्णय लेना होगा. इस बार खतरा बड़ा होगा. जातीय जनगणना के बाद पिछड़ों में ही भिड़ंत हो सकती है और दलित, आदिवासी समाज के वंचित भी मुखर हो सकते हैं. लेकिन द्वंद्व पालने से अच्छा है, जातियों की गिनती हो ही जाए. महान दार्शनिक रूसो ने कहा है कि राजसत्ता को सामाजिक विघटन रोकने की हर मुमकिन कोशिश करनी चाहिए. लेकिन यदि विघटन अपरिहार्य हो जाए तो उसे होने देना चाहिए. इससे समाज इतना टूट जायेगा कि फिर टूटने लायक रहेगा ही नहीं. तब शांति कायम होगी और शासन व्यवस्था ठीक से काम करने लगेगी.

न्यूज अपडेट

इजरायली हमले में छह यूएन कर्मी मरे

संयुक्त राष्ट्र। गाजा में बुधवार को एक इजरायली एयर स्ट्राइक में संयुक्त राष्ट्र के 6 कर्मचारियों की मौत गई. इस हमले में कम से कम 18 फिलिस्तीनी भी मारे गए. यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बताया कि मारे गए यूएन कर्मचारी फिलीस्तीनी संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी के स्टाफ मेंबर्स थे. यूएन प्रमुख ने एक्स पर जानकारी दी कि बुधवार के हवाई हमले में एक स्कूल को निशाना बनाया गया जहां करीब 12,000 लोग शरण लिए हुए हैं. गुटेरेस ने कहा कि गाजा में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है.

भारी बारिश के बाद गिरी छत, 7 घायल

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में भारी बारिश के कारण दो मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई. इस हादसे में तीन बच्चों समेत सात लोग मलबे में दब गए. मामला टप्पल थाना इलाके के जैदपुरा गांव का है. बताया जा रहा है कि अलीगढ़ में बीते तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है. गुरुवार सुबह जैदपुरा गांव में स्थित एक दो मंजिला मकान की छत अचानक गिर गई. घटना के समय परिवार के लोग घर में ही सो रहे थे. इस हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं समेत सात लोग मलबे में दब गए.

वंदे भारत में 3 करोड़ लोगों ने किया सफर

नयी दिल्ली। स्वदेशी भारतीय ट्रेन वंदे भारत में शुरुआत से लेकर 20 अगस्त तक करीब 3.17 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं. जानकारी के मुताबिक, मौजूदा समय में 54 वंदे भारत ट्रेन देश में चल रही हैं और 20 अगस्त तक 35,428 फेरों में 3.17 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी हैं. वंदे भारत ट्रेन फरवरी, 2019 को शुरू की गई. वंदे भारत ट्रेन का नेटवर्क देश के 280 जिलों और 24 राज्यों में फैला हुआ है. वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों ने पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने जितनी यात्रा की थी.

फर्जीवाड़े में तिब्बती नागरिक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। एसटीएफ गौतमबुद्ध नगर की टीम ने फर्जी दस्तावेज के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाकर साइबर फ्रॉड करने वाले एक तिब्बती नागरिक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. आरोपी भारत में अपना नाम बदलकर रह रहा था. आरोपी के भारतीय पासपोर्ट के जरिए विदेशों में आता जाता था. वह साइबर अपराधियों के साथ मिलकर करोड़ों की साइबर ठगी भी कर चुका है. तिब्बती नागरिक ने फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर भारतीय नाम चंद्रा ठाकुर रखा और इसी नाम से पासपोर्ट भी बनवाया था.

गणेश विसर्जन में पथराव, 52 गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना पर राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने बताया कि पथराव की घटना के बाद 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान किसी ने जुलूस पर पत्थर फेंके थे, इसके बाद दूसरे पक्ष की तरफ से भी पथराव हुआ. इस दौरान आगजनी भी की गई. हालांकि, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने हालात को संभाला.

मंत्री का वाहन दूसरी गाड़ी से टकराया

बोब्बिली। आंध्र प्रदेश की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री गुम्मदी संध्या रानी गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गईं, जब एक वाहन उनके काफिले से टकरा गया. हालांकि उसकी टक्कर एक एस्कॉर्ट वाहन के साथ हुई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस घटना में चार पुलिसकर्मियों समेत पांच लोग घायल हो गए. चार पुलिसकर्मियों के अलावा घटना में शामिल दूसरे वाहन का चालक भी घायल है. आनन-फानन में सभी कोबोब्बिली स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है.

सैन्य अफसरों से पदक वापस लिए गए

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने कथित युद्ध अपराधों के चलते अफगानिस्तान में तैनात रहे सैन्य कमांडरों से विशिष्ट सेवा पदक वापस ले लिए हैं. मार्लेस ने अफगानिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई लोगों द्वारा किए गए कथित युद्ध अपराधों पर सरकार की कार्रवाई से संसद को अवगत कराते हुए यह घोषणा की. 2005 से 2016 के बीच अफगानिस्तान में 39 नागरिकों या कैदियों की कथित गैरकानूनी हत्या में ऑस्ट्रेलियाई विशेष बल के 25 वर्तमान या पूर्व कर्मी शामिल थे.

फिलीपींस में डेंगू से 546 लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस में डेंगू खतरनाक रूप लेता जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि इस बीमारी की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ रही है. इस साल जनवरी से 6 सितंबर तक डेंगू के 2,08,965 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि से 68 प्रतिशत अधिक है. इस अवधि में 546 मौतें दर्ज की गईं. फिलीपींस के स्वास्थ्य सचिव टेओडोरो हर्बोसा ने कहा, "हम डेंगू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी देख रहे हैं."

चंपावत में भारी बारिश के बाद भूस्खलन

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत में बुधवार देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार सुबह भूस्खलन हुआ. इसका असर टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर पड़ा. भूस्खलन के बाद पहाड़ी से मलबा गिरकर नेशनल हाईवे पर आ गया, जिसके चलते रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है. यही नहीं, हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें भी लग गई हैं. सामाजिक कार्यकर्ता हरिश्चंद्र तिवारी ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 5 बजे संतोला के पास टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ है.

मानसून व तूफान यागीमध्य का असर : म्यांमार में भीषण बाढ़ से कम से कम 17 लोगों की मौत

यांगून। म्यांमार के मांडले क्षेत्र के यमेथिन टाउनशिप में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से दो दिन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मांडले शहर के अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी. मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के निदेशक यू हला तुन ने शिन्हुआ को बताया कि मजबूत मानसून और तूफान यागी के कारण हुई भारी बारिश से म्यांमार के कई इलाकों में भयंकर बाढ़ आ गई है. उन्होंने कहा कि मध्य म्यांमार बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां पहाड़ों से कई नदियां और नाले बह रहे हैं. उन्होंने कि 13 सितंबर तक बारिश में और तेजी होने की और फिर धीरे-धीरे इसमें कमी आने की संभावना जताई है. स्थानीय बचाव संगठनों के अनुसार, बाढ़ के कारण शान प्रांत के ताचिलेइक शहर में तीन मौतें हुई हैं और नेय प्यी ताव के तात्कोन टाउनशिप में चार मौतें हुई हैं. आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बाढ़ से कुछ रेलवे सेक्शन और ट्रेन स्टेशन प्रभावित हुए हैं.

मदुरै में महिला छात्रावास में आग लगने से दो की मौत

एजेंसी। चेन्नई

- घटना में पांच अन्य घायल हुए विस्तृत जांच करने की अपील

तमिलनाडु के मदुरै जिले के पेरियार बस स्टैंड के पास कटारपालयम में एक महिला छात्रावास में आग लगने से दो महिलाओं की जान चली गई. यह घटना गुरुवार सुबह की है. घटना में पांच अन्य घायल हो गए. उन्हें राजाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों की पहचान परिमाला और सरन्या के रूप में की गई है.

पुलिस ने बताया कि हॉस्टल में आग लगने से अत्यधिक धुआं फैल गया और दम घुटने से दोनों महिलाओं की मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि आग रसोई में एक रेफ्रिजरेटर में विस्फोट के कारण लगी थी. उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण की जांच की जाएगी. महिलाओं के शवों का पोस्टमार्टम राजाजी अस्पताल में किया जाएगा. सामाजिक कार्यकर्ता एम. कन्नदास ने आईएएनएस से बात करते हुए जिला प्रशासन से दुर्घटना की विस्तृत जांच करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आग लगने के सभी पहलुओं की जांच की जानी चाहिए. मदुरै नगर पालिका से यह पता लगाने को कहा कि क्या छात्रावास के पास सभी आवश्यक लाइसेंस थे.

मुझे कुर्सी का मोह नहीं, पद छोड़ने के लिए तैयार : ममता

डॉक्टरों के बात से मना करने पर बोलीं पशिचम बंगाल की सीएम

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर केस के विरोध में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ममता सरकार ने तीसरी बार जूनियर डॉक्टरों को बातचीत के लिए चिट्ठी लिखी है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को मिलने के लिए बुलाया. सीएम राज्य सचिवालय नबान्नो में 2 घंटे तक इंतजार करती रहीं. लेकिन हड़ताल कर रहे डॉक्टर बाहर एक मांग को लेकर अड़े रहे. डॉक्टरों की मांग है कि सीएम से मुलाकात और बातचीत का लाइव टेलीकास्ट किया जाए. इसके बाद सीएम ममता बनर्जी का बयान सामने आया है.

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'मैंने डॉक्टरों से बात करने की पूरी कोशिश की. तीन दिनों तक उनसे मिलने का इंतजार किया. आज नबान्नो में 2 घंटे तक उनका इंतजार करने पर भी वो मिलने नहीं आए. मैं इस्तीफा देने को भी तैयार हूं.₹ सीएम ने कहा, ₹पहले हमने लाइव टेलीकास्ट की परमिशन दी थी. लेकिन अब मामला सुप्रीम कोर्ट और सीबाआई में है. लिहाजा इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती.' वहीं, डॉक्टरों ने कहा कि अगर मीटिंग का लाइव-टेलीकास्ट नहीं किया गया, तो वो मीटिंग में शामिल नहीं होंगे.

कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल पर क्या कहा था? : सुप्रीम कोर्ट ने 9 सितंबर को रेप-मर्डर केस की सुनवाई के दौरान कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों को प्रदर्शन खत्म करने का आदेश दिया था. अदालत ने कहा था कि सभी डॉक्टर 10 सितंबर की शाम 5 बजे तक हड़ताल खत्म कर ड्यूटी पर लौटें. कोर्ट ने आदेश ना मानने पर राज्य सरकार को एक्शन लेने को कहा था. हालांकि, डॉक्टर्स अपनी मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन करने के फैसले पर डटे रहे. उन्होंने 10 सितंबर को स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया. तब से सरकार डॉक्टरों से बातचीत की कोशिश में लगी है.

9 अगस्त की मिली थी ट्रेनी डॉक्टर की लाश : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त की सुबह 31 साल के ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी. रेप के बाद उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी. अटॉप्सी रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई. इस मामले में सिविक वॉलन्टियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया है. इस मामले के 3 दिन बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष ने इस्तीफा दे दिया. उसी दिन उन्हें दूसरे कॉलेज में अपॉइंट कर दिया गया. इसके बाद देशभर के डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी. मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा.

पश्चिम बंगाल की जनता से मांगती हूं माफी- ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा, 'आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर का मामला कोर्ट में है. इसलिए हम मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं दे सकते थे. हमने इस बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की तैयारी की थी. अगर डॉक्टर्स चाहते, तो हम सुप्रीम कोर्ट की इजाजत लेकर उनसे यह रिकॉर्डिंग शेयर कर देते. लेकिन वो अपनी बात पर अड़े हुए हैं. मैं बंगाल की जनता से माफी मांगती हूं. मैं डॉक्टरों को वापस नहीं बुला सकी. मुझे सीएम पद से कोई मोह नहीं है.' इससे पहले बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को गुरुवार शाम 5 बजे राज्य सचिवालय में मुलाकात के लिए बुलाया था. डॉक्टर्स 5:25 बजे यहां पहुंचे. सरकार ने मुलाकात के लिए 15 डॉक्टरों के डेलीगेशन को मंजूरी दी थी. हालांकि, डेलीगेशन में 30 सदस्य थे. डॉक्टर्स मीटिंग का लाइव टेलीकास्ट कराने की मांग पर अड़े हैं. लिहाजा अब तक मीटिंग शुरू नहीं हो पाई है.

डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत के लिए 4 शर्तें रखीं

सरकार की ओर से डॉक्टरों संग बातचीत की यह तीसरी पहल है. डॉक्टर्स ने पिछले दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया था. डॉक्टरों ने सीएम से बातचीत के लिए 4 शर्तें रखी हैं, जो निम्न हैं : मीटिंग में जूनियर डॉक्टरों का 30 डेलीगेशन को शामिल करने की इजाजत मिले. मीटिंग नबन्नो में हो और लाइव टेलीकास्ट की जाए. मीटिंग का पूरा फोकस जूनियर डॉक्टर्स की 5 मांगों पर हो. मीटिंग में सीएम ममता बनर्जी जरूर शामिल हों. पिछले 3 दिनों में सरकार की ओर से डॉक्टरों के साथ बातचीत की यह तीसरी पहल है.

डॉक्टरों की क्या हैं 5 मांगें : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर के साथ-साथ सबूतों से छेड़छाड़ करने वाले सभी लोगों कोसजा मिले. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो. कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल इस्तीफा दें. हेल्थ वर्कर्स की सिक्योरिटी बढ़ाई जाए. बंगाल के अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में थ्रेट कल्चर (डॉक्टरों को धमकी देना और हमले करने की घटनाएं) बंद हो.

कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइलों का टेस्ट

- दक्षिण कोरिया व अमेरिका ने की प्योंगयांग के इस कदम की निंदा

एजेंसी। वॉशिंगटन

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर मिसाइल प्रक्षेपण कर सोल और वॉशिंगटन को चिंता में डाल दिया है. दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, गुरुवार को पूर्वी सागर की ओर छोटी दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं. अमेरिका ने प्योंगयांग के इस कदम की निंदा की. योनहाप समाचार एजेंसी के एक सवाल के जवाब में विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका डीपीआरके द्वारा बुधवार को किए गए बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करता है.

बता दें डीपीआरके उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है जिसका अर्थ है डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया. अधिकारी ने कहा कि हाल के वर्षों में डीपीआरके द्वारा किए गए अन्य बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों की तरह ये प्रक्षेपण भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करता है. यह क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है. प्रवक्ता ने क्षेत्रीय सहयोगियों के प्रति अमेरिका की रक्षा प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कोरिया गणराज्य और जापान की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटल है. अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, "हम अपने सहयोगियों के साथ इस बारे में विचार-विमर्श कर रहे हैं कि डीपीआरके की आक्रामकता को कैसे रोका जाए और डीपीआरके द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के उल्लंघन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं का समन्वय कैसे किया जाए." बता दें पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी थी कि सोल और वॉशिंगटन को अपने हालिया बड़े सैन्य अभ्यास के लिए "भारी कीमत" चुकानी पड़ेगी. प्योंगयांग ने मित्र देशों के अभ्यास को आक्रमण की रिहर्सल बताया.

महाराष्ट्र : 'भाजपा पॉकेट मार' लिखे हुए पोस्टर ने बढ़ाया सियासी तापमान

मुंबई। महाराष्ट्र में एक पोस्टर ने सियासी तपिश बढ़ा दी है. दीवारों पर ऐसा पोस्टर चस्पा किया गया है, जो महंगाई को लेकर प्रदेश सरकार पर प्रहार करता है. निशाने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं. मराठी में लिखा है 'तूम्ही उपाशी भाजप तूपाशी'. मतलब आप भूखे हैं और इसमें भाजपा आपकी मदद कर रही है. इसमें बीजेपी को महाराष्ट्र की जनता का 'पॉकेट मार' बताया गया है. पोस्टर में दिखाया गया है कि बीजेपी लगातार सत्ता का दुरुपयोग कर जनता की गाढ़ी कमाई को हथिया रही है.

पोस्टर में देवेंद्र फडणवीस को जनता की जेब से पैसे लेते हुए दिखाया गया है. उन्हें इस पोस्टर में ऐसे रेखांकित किया गया है कि जैसे उन्हें जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है. पोस्टर के जरिए जताया गया है कि सूबे में बढ़ती महंगाई के लिए देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदार हैं. यह पोस्टर महाराष्ट्र के कई शहरों में लगाए गए हैं. जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे का विधानसभा चुनाव में व्यापक असर देखने को मिल सकता है.

मध्य प्रदेश : दतिया में दीवार ढहने से 7 लोगों की हुई मौत

- मुख्यमंत्री ने दिए परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश

एजेंसी। दतिया

दतिया के डीएम संदीप माकिन.

मध्य प्रदेश के दतिया में एक पुराने क़िले की दीवार ढहने से नौ लोग दब गए थे, जिसमें से सात लोगों की मौत हो गई है जबकि दो लोगों को बचा लिया गया है. दतिया के जिलाधिकारी संदीप माकिन ने यह जानकारी दी है.

जिलाधिकारी ने बताया है कि गुरुवार यानी आज सुबह लगभग चार बजे यहां पिछले 36 घंटे से हो रही बरसात के कारण क़िले की दीवार ढह गई जिसके नीचे एक ही परिवार के नौ सदस्य दब गए थे. उन्होंने बताया है कि स्थानीय लोगों ने दो सदस्यों को तुरंत मलबे से बाहर निकाल लिया था. उनको अस्पताल पहुंचाया गया और ये दो लोग अभी सुरक्षित हैं. जिलाधिकारी ने बताया है कि घटनास्थल तक पहुंच पाने के लिए रास्ता चौड़ा न होने के कारण जेसीबी और पोकलैंड मशीनें वहां नहीं पहुंच पाई थीं. उन्होंने बताया है कि दोपहर तक सात शवों को बाहर निकाल लिया गया था. वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा है, "मृतकों के परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं." उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा है, "दतिया में राजगढ़ किले की पुरानी दीवार ढहने से कई अनमोल जिंदगियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत ही पीड़ादायी है. दुःख की इस घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं."

अमेरिका से पचिया ने दिया घटना को अंजाम

एजेंसी। नयी दिल्ली

चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला
चौंकाने वाले खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े, आईएसआई से भी कनेक्शन जुड़ रहा

चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले से जुड़े मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. शक की सुई हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया की तरफ है. पचिया के बारे में जांच एजेंसियां दावा कर रही हैं कि वह अमेरिका से बैठकर पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है. उसके पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का दिमाग होने की बात भी कही जा रही है.

दरअसल, कुछ दिनों पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के आला अधिकारियों के साथ बैठक की थी. बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सुरक्षा को लेकर बातचीत हुई. इसमें देश की सीमा के पार बैठे टेरर हैंडलर्स को लेकर भी चर्चा किए जाने की बात सामने आई. सूत्रों की मानें तो चर्चा के दौरान हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया का नाम प्रमुखता से लिया गया. इन दोनों का नाम 11 सितंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले में भी सामने आया है. इस खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं. हैप्पी पचिया के अमेरिका में होने की बात कही जा रही है. वहां से पचिया पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है और उसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी समर्थन हासिल है. हरिवंदिर सिंह रिंदा ने हैप्पी पचिया के साथ मिलकर नया सिंडिकेट बनाया है. यह आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा है. इस सिंडिकेट का काम पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाना है.

खतरे का अंदेशा भांपते हुए पंजाब पुलिस ने रिंदा-पचिया के सिंडिकेट पर एक्शन भी लिया है. एक अधिकारी ने बताया था कि पंजाब पुलिस ने अगस्त 2023 से 30 अगस्त 2024 तक लगभग आठ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया. अधिकारी ने बताया, "उसके समूह के लगभग 35 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और रिंदा-पचिया नेटवर्क से जुड़े 546 व्यक्तियों को वेरीफाई किया गया."

हरियाणा चुनाव : आम आदमी पार्टी ने सभी 90 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

- कांग्रेस और भाजपा भी अधिकांश सीटों से कर चुकी है उम्मीदवारों की घोषणा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को अपने उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट जारी कर दी. पार्टी ने लिस्ट में तीन नामों की घोषणा की. इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. पार्टी ने अपनी आखिरी लिस्ट में आदर्श पाल को टिकट दिया है. जो आज (12 सितंबर) ही कांग्रेस का छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं. इसके अलावा आप ने नारनौंद से रणवीर सिंह लोहान को चुनावी मैदान में उतारा है, वहीं नूंह से राबिया किदवई को अपना उम्मीदवार बनाया है.

इस तरह अब तस्वीर साफ हो चुकी है कि हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो रहा है. राज्य में दोनों ही पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ने जा रही है. हालांकि हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आप के बीच सीट शेयरिंग को लेकर काफी दिनों तक माथापच्ची हुई, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग फार्मूला सुलझ नहीं पाया. बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को नामांकन का अंतिम दिन है. उधर, कांग्रेस ने हरियाणा 90 सीटों में से 88 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है.

कूटनीति डोभाल से मुलाकात में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था को सराहा

पुतिन ने एक बार फिर की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

एजेंसी। सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था की सराहना की. पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत की जमकर तारीफ की. रूसी राष्ट्रपति ने कहा, "हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी गति पकड़ रही है, मजबूत हो रही है, जिसे लेकर हम खुश हैं. हम खुश हैं कि भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो रहा है और उसकी अर्थव्यवस्था विकसित हो रही है. यह सफलता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मिली है." इस वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी के मॉस्को दौरे को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि वह ऐतिहासिक यात्रा "बहुत सफल" रही, इसके बाद जो काम हुआ वह "बहुत सार्थक ढंग से और ठीक उसी गति से आगे बढ़ रहा है" जिस पर प्रधानमंत्री मोदी और उन्होंने सहमति जताई थी.

एनएसए डोभाल ब्रिक्स सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के लिए सेंट पीटर्सबर्ग गए हैं. समूह का वर्तमान अध्यक्ष रूस 22-24 अक्टूबर तक वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा. मॉस्को ने कज़ान में लगभग 36 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया है. पुतिन ने कहा, "सुरक्षा मुद्दे हमेशा से हमारी प्राथमिकताओं में रहे हैं और रहेंगे. सेंट पीटर्सबर्ग आने के लिए हम आपके आभारी हैं. पिछले साल, यह बैठक मास्को में हुई थी. भारतीय पक्ष की ओर से इस वार्ता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं."

डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया

एनएसए डोभाल ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात का "दुर्लभ अवसर" प्रदान करने के लिए रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया. कहा, "जैसा कि प्रधानमंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान आपसे कहा, वह आपको यूक्रेन की अपनी यात्रा और जेलेंस्की के साथ अपनी बैठक के बारे में बताने के लिए तैयार हैं. वह चाहते थे कि मैं व्यक्तिगत रूप से आऊं और आपको इस बारे में बताऊं." पुतिन ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को संबोधित किया और प्रकाश डाला कि सेंट पीटर्सबर्ग में ही ब्रिक्स की नींव रखी गई थी, जब भारत, रूस और चीन के नेताओं ने उच्चतम स्तर के साथ-साथ कुछ अन्य क्षेत्रों में नियमित बैठकें आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी.

आरजी कर घोटाले में टीएमसी विधायक के घर सीबीआई छापा

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम गुरुवार को हुगली जिले के सेरामपुर विधानसभा क्षेत्र से चार बार के तृणमूल कांग्रेस विधायक डॉ. सुदीप्तो रॉय के घर पर पहुंची. उत्तर कोलकाता के सिंथी क्रॉसिंग स्थित उनके आवास के अलावा सीबीआई अधिकारी पास ही में स्थित उनके निजी नर्सिंग होम में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चला रहे हैं. चार बार पार्टी विधायक रहे रॉय आर.जी. कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष जैसे अन्य महत्वपूर्ण पदों पर हैं और पश्चिम बंगाल चिकित्सा भर्ती बोर्ड के सदस्य हैं. वह पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं.

सीबीआई अधिकारियों की टीम दोपहर करीब 1.15 बजे विधायक के घर और कार्यालय पहुंची तथा छापेमारी और तलाशी अभियान शुरू किया. टीम के कुछ सदस्य रॉय से आर.जी. कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में पूछताछ भी कर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि रॉय का बयान भी दर्ज किया जाएगा. रॉय के आवास पर सीबीआई की छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की तीन टीमें इसी सिलसिले में शहर और उसके बाहरी इलाकों में तीन अलग-अलग स्थानों पर छापे मार रहे हैं. इनमें आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का पैतृक आवास भी शामिल है. सूत्रों ने बताया कि सीबीआई की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आर.जी. कर से बायोमेडिकल कचरे की तस्करी वित्तीय घोटाले का एक बड़ा हिस्सा थी. किसी भी अस्पताल के बायोमेडिकल कचरे का निपटान एक खास प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)